page 1 and 8 Dec 27_page 1 Mar 25 final ds.qxd 27-12-2024 00:55 Page 1

epaper.dehatsandesh.com

3 रंजीत सागर बांध पर 21वीं जिला वाटर स्कीइंग चैंपियनशिप शुरू

5 बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में अश्विन के रिकार्ड की बराबरी की

8 डॉ. मनमोहन सिंह - भारत के विनम्र और दूरदर्शी प्रधानमंत्री

मौसम जम्मू — न्यूनतम 5 — अधिकतम 21

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-21, जम्मू तवी, अंक-310 | जम्मू तवी, शुक्रवार 27 दिसम्बर, 2024 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

आर्थिक सुधारों के प्रणेता डा. मनमोहन सिंह नहीं रहे

नयी दिल्ली 26 दिसंबर । पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का गुरुवार देर शाम राष्ट्रीय राजधानी के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे। डॉक्टर सिंह को सांस लेने में तकलीफ के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया था। एम्स ने एक विज्ञप्ति में बताया कि डॉक्टर सिंह को आठ बजकर पांच मिनट पर अस्पताल लाया गया और उन्हें तुरंत चिकित्सा प्रदान की गई। डॉक्टरों के अथक प्रयास के बावजूद डॉ सिंह का नौ बजकर 51 मिनट पर निधन हो गया।

डॉक्टर सिंह के निधन का समाचार मिलने पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा अस्पताल पहुंची।

डॉ मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर 1932 को गाह, पाकिस्तान में हुआ था। 1947 में विभाजन के बाद उनका परिवार भारत आया। मनमोहन सिंह ने पंजाब विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से डी. फिल. की डिग्री ली। डॉ सिंह के परिवार में उनकी पत्नी गुरशरण कौर और तीन बेटियां उपिंदर सिंह, दमन सिंह और अमृत सिंह हैं। मनमोहन सिंह की पुस्तक इंडियाज़ एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ भारत की अन्तर्मुखी व्यापार नीति की पहली और सटीक आलोचना मानी जाती है। डॉ सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर भी काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1978 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ सिंह भारत के वाणिय एवं उद्योग मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री रहे। उन्हें भारत के आर्थिक सुधारों का प्रणेता माना गया है। मनमोहन सिंह का सियासी सफरमनमोहन सिंह का सियासी सफर 1990 के दशक में शुरू हुआ, जब वो तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री बने। इस दौरान उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को उदार बनाने में अहम भूमिका निभाई।

पुरस्कार और सम्मानः

डॉ मनमोहन सिंह को मिले कई पुरस्कारों और सम्मानों में सबसे प्रमुख है, भारत का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मविभूषण, जो उन्हें वर्ष 1987 में मिला। इसके अलावा, भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार (1995), वर्ष के वित्तमंत्री के लिए एशिया मनी अवार्ड (1993 और 1994), वर्ष के वित्तमंत्री के लिए यूरो मनी अवार्ड (1993), कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय का एडम स्मिथ पुरस्कार (1956), कैम्ब्रिज के सेंट जॉन्स में विशिष्ट प्रदर्शन के लिए राइट पुरस्कार (1955)। मनमोहन सिंह को जापानी निहोन किजई शिम्बुन एवं अन्य कई विश्वविद्यालयों द्वारा मानद उपाधियों प्रदान की गई हैं।

भारत और चीन एलएसी पर जमीनी स्थिति बहाल करने पर हुए सहमत

नई दिल्ली, 26 दिसंबर । रक्षा मंत्रालय की उपलब्धियों के लिहाज से वर्ष 2024 ख़ास रहा है। भारत को रक्षा क्षेत्र में मजबूत, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के लिए रक्षा मंत्रालय ने नए जोश के साथ आगे कदम बढ़ाया। चार साल से चल रहे गतिरोध को खत्म करने के लिए भारत और चीन ने कूटनीतिक और सैन्य स्तरों पर बातचीत की। इसके बाद दोनों देशों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के कुछ क्षेत्रों में जमीनी स्थिति बहाल करने के लिए व्यापक सहमति हासिल की। रक्षा मंत्रालय ने अपनी वर्षांत समीक्षा में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात रिकॉर्ड 21,083 करोड़ रुपये (लगभग 2.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर) पर पहुंच गया। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष 15,920 करोड़ रुपये था। यानी पिछले वित्त वर्ष की तुलना में भारत का रक्षा निर्यात 32.5 फीसदी से अधिक बढ़ा है। आंकड़ों से पता चलता है कि वित्त वर्ष 2013-14 की तुलना में पिछले 10 वर्षों में निर्यात में 31 गुना वृद्धि हुई है। निजी क्षेत्र और डीपीएसयू सहित रक्षा उद्योग ने अब तक के सबसे अधिक निर्यात को प्राप्त करने के लिए जबरदस्त प्रयास किए हैं। निजी क्षेत्र और डीपीएसयू ने क्रमशः लगभग 60 फीसदी और 40 फीसदी का योगदान दिया। रक्षा मंत्री ने विश्वास जताया है कि 2029 तक 50 हजार करोड़ रुपये के रक्षा उपकरण निर्यात करने का लक्ष्य पूरा हो जाएगा।

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरतारक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और डीपीएसयू के आयात को कम करने के लिए रक्षा उत्पादन विभाग ने जुलाई में 346 वस्तुओं वाली पांचवीं सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची (पीआईएल) अधिसूचित की। इनमें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लाइन रिप्लेसमेंट यूनिट, सिस्टम, सब-सिस्टम, असेंबली, सब-असेंबली, स्पेयर और कंपोनेंट और कच्चा माल शामिल हैं। इससे पहले डीपीएसयू के लिए 4,666 वस्तुओं वाली चार पीआईएल अधिसूचित की गई थीं, जिनमें से 2,972 वस्तुओं का स्वदेशीकरण किया जा चुका है, जिनका आयात प्रतिस्थापन मूल्य 3,400 करोड़ रुपये है। डीपीएसयू के लिए ये पांच सूचियां सैन्य मामलों के विभाग की ओर से

अधिसूचित 509 वस्तुओं की पांच पीआईएल के अतिरिक्त हैं। इन सूचियों में अत्यधिक जटिल सिस्टम, सेंसर, हथियार और गोला-बारूद शामिल हैं।

रिकॉर्ड रक्षा उत्पादनसरकार की नीतियों और पहलों के सफल कार्यान्वयन के दम पर रक्षा मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान स्वदेशी रक्षा उत्पादन में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि हासिल की है। रक्षा उत्पादन 1,26,887 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड-उच्च आंकड़े पर पहुंच गया, जो पिछले वित्तीय वर्ष के रक्षा उत्पादन की तुलना में 16.7 फीसदी की वृद्धि है। वित्त वर्ष 2022-23 में रक्षा उत्पादन का मूल्य 1,08,684 करोड़ रुपये था। 2023-24 में उत्पादन के कुल मूल्य में से लगभग 79.2 फीसदी का योगदान डीपीएसयू से और 20.8 फीसदी का योगदान निजी क्षेत्र ने किया है। रक्षा मंत्रालय ने 2029 तक तीन लाख करोड़ रुपये के रक्षा उत्पादन को हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

सी-295 टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्सप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके स्पेनिश राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज़ ने अक्टूबर, 2024 में गुजरात के वडोदरा में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड कैंपस में सी-295 परिवहन विमान के निर्माण के लिए टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। सितंबर, 2021 में रक्षा मंत्रालय ने 56 विमानों की आपूर्ति के लिए स्पेन की कंपनी एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के साथ 21,935 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए थे।

पुलिस ने अवैध शराब की 12 बोतलों के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

पुंछ, 26 दिसंबर । जिले से अवैध शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने के निरंतर प्रयास में पुंछ पुलिस ने एक तस्कर को सफलतापूर्वक गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से अवैध शराब जब्त की है।

क्षेत्र में अवैध शराब के परिवहन के बारे में एक विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस स्टेशन पुंछ के एसएचओ के नेतृत्व में एक पुलिस दल ने त्वरित कार्रवाई की और उक्त तस्कर को रोका और उसके कब्जे से 12 बोतलें शराब बरामद की।

आरोपी व्यक्ति की पहचान शैद खान पुत्र जाफर खान निवासी लसाना तहसील सुरनकोट और जिला पुंछ के रूप में हुई है। उसके खिलाफ पुलिस स्टेशन पुंछ में धारा 48 (ए) आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

गोवंश तस्करी की कोशिश नाकाम की, 15 गोवंश को बचाया, वाहन जब्त

सांबा, 26 दिसंबर । गोवंश तस्करों और उनके समर्थकों के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए सांबा पुलिस ने लगातार दूसरे दिन पुलिस स्टेशन घगवाल के अधिकार क्षेत्र में गोवंश तस्करी की एक और कोशिश को नाकाम कर दिया। गोवंश तस्करों के चंगुल से पंद्रह गोवंश को बचाया और गोवंश के अवैध परिवहन के लिए इस्तेमाल किए जा रहे वाहन को जब्त कर लिया।

एसएचओ पीएस घगवाल के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन घगवाल की एक पुलिस टीम ने एनएचडब्ल्यू नाका तपयाल पर वाहन चेकिंग ड्यूटी करते समय कठुआ की तरफ से आ रहे एक ट्रक रजिस्ट्रेशन नंबर जेके02एबी-9535 को चेकिंग के लिए रोकने का इशारा किया। लेकिन चालक ने वाहन रोकने के बजाय गति बढ़ा दी और मौके से भागने की कोशिश की।

सतर्क पुलिस दल ने वाहन का सफलतापूर्वक पीछा किया और नाका प्वाइंट से कुछ दूरी पर उसे रोक लिया। वाहन की जांच के दौरान वाहन के अंदर पंद्रह गोवंश लदे हुए पाए गए जिन्हें क्रूर तरीके से बांधा गया था और बिना किसी वैध अनुमति के अवैध रूप से ले जाया जा रहा था। सभी बचाए गए गोवंश को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया है। थाना घगवाल में एफआईआर संख्या 181/2024 यू/एस 223 बीएनएस, 11 पीसीए एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

गुरुग्राम में मृत मिलीं जम्मू निवासी आरजे सिमरन सिंह

गुरुग्राम, 26 दिसंबर । जम्मू की धड़कन नाम से मशहूर आरजे (रेडियो जॉकी) व इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर सिमरन सिंह गुरुवार को गुरुग्राम स्थित आवास पर मृत मिली। सिमरन यहां किराए के घर में रह रही थी। उसका शव फंदे से लटका हुआ मिला। सिमरन सिंह रेडियो मिर्ची में भी आरजे रह चुकी थी। उनकी मौत की खबर सुनकर उनके फैंस में भी शोक की लहर दौड़ गई।

सिमरन सिंह के सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोवर हैं।

पुलिस के अनुसार आरजे सिमरन सिंह जम्मू के गांव नानक नगर की रहने वाली थी। वह सेक्टर-47 गुरुग्राम स्थित स्थित मकान नंबर-58 में अपने कुछ दोस्तों के साथ किराये पर रहती थी। वह अपने कमरे में फंदे पर लटकी मिली।

सिमरन के एक दोस्त ने इस घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। सिमरन के दोस्त ने पुलिस को बताया कि सिमरन ने अंदर से दरवाजा बंद कर लिया था। वह दरवाजा नहीं खोल रही थी।

पुलिस ने जब दरवाजा खोला तो सिमरन सिंह फंदे पर लटकी हुई थी। यह घटना बुधवार की है। उसे नजदीक के पार्क अस्पताल में भी भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

मौके पर पहुंचे सदर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने गुरुवार को बताया कि सिमरन के कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला, जिससे कि मौत के कारणों का पता चल सके। पारिवारिक सदस्यों का कहना है कि वह कुछ समय से परेशान थी। सिमरन की मौत के संबंध में परिवार ने भी पुलिस को कोई शिकायत नहीं दी है।

सिमरन सिंह ने रेडियो मिर्ची में भी काम किया था। वर्ष 2021 में सिमरन ने रेडियो जॉकी से नौकरी छोड़ दी थी। इस समय वह फ्री लांसिंग में काम करती थी। मनोरंजन से जुड़े वीडियो बनाती थी। सिमरन ने आखिरी बार 13 दिसंबर को एक रील पोस्ट की थी।

हमारा मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के दिल में प्रेम, दया और भाईचारे का दीप जलाना है : एलजी

जम्मू 26 दिसंबर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 'ऑल जेएंडके क्रिश्चियन सभा' द्वारा आयोजित क्रिसमस समारोह में भाग लिया।

उन्होंने बिशप, पुजारियों और सीएनआई चर्च, जम्मू-श्रीनगर डायोसिस और ऑल जेएंडके क्रिश्चियन सभा के सदस्यों के साथ बातचीत की और एक शांतिपूर्ण, निस्वार्थ, दयालु और देखभाल करने वाले समाज के निर्माण में उनके योगदान की सराहना की।

उन्होंने कहा, ईसाई समुदाय ने निस्वार्थ भाव से समाज की सेवा की है और शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में बहुत बड़ा योगदान दिया है। मुझे उम्मीद है कि सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता दूसरों को प्रेरित करेगी।卐

इस अवसर पर, उपराज्यपाल ने समाज के हर वर्ग से प्रभु यीशु मसीह की शिक्षाओं को आत्मसात करने और शांति, क्षमा और करुणा की भावना को बढ़ावा देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 卐हमारा मुख्य उद्देश्य प्रत्येक नागरिक के दिल में प्रेम, दया और भाईचारे का दीप जलाना है।卐 उपराज्यपाल ने कहा, 卐प्रभु ईसा मसीह ने व्यक्ति के विचारों की शुद्धता, नैतिक कार्यों और बदले में कुछ भी उम्मीद किए बिना अच्छे कर्म करने पर जोर दिया। प्रभु ईसा मसीह के आदर्शों का पालन करने और निस्वार्थ सेवा को अपना आदर्श बनाने की जरूरत है।

जम्मू-कश्मीर में 100 प्रतिशत मीटरिंग के बाद 24x7 बिजली मिलेगी : उमर

श्रीनगर, 26 दिसंबर.। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर में 100 प्रतिशत मीटरिंग हो जाने के बाद निर्बाध बिजली मिलेगी अनिर्धारित बिजली कटौती के मुद्दे को संबोधित करते हुए उमर ने अत्यधिक और अनधिकृत बिजली उपयोग के कारण सिस्टम पर पड़ने वाले महत्वपूर्ण दबाव को स्वीकार किया। मुख्यमंत्री ने लोगों से बिजली की खपत को सुव्यवस्थित करने में अधिकारियों के साथ सहयोग करने का आग्रह करते हुए यहां संवाददाताओं से कहा कि ऐसे लोग भी हैं जिन्होंने चार बल्बों के लिए बिजली का उपयोग करने के लिए समझौता किया है लेकिन वे चार हीटरों के बराबर बिजली की खपत करते हैं। इससे सिस्टम पर बहुत दबाव पड़ता है। कठोर सर्दी ने क्षेत्र की परेशानियों को और बढ़ा दिया है पानी की पाइपें जमने से लोगों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। उन्होंने बर्फबारी की उम्मीद जताई जिससे मौसम की स्थिति में सुधार होगा और कुछ चुनौतियाँ कम होंगी। उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश में शासन की मौजूदा चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सभी समस्याओं को हल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं लेकिन कुछ मुद्दे तब तक बने रहेंगे

रोपवे परियोजना के विरोध में कटड़ा कस्बा दूसरे दिन भी बंद रहा

जम्मू, 26 दिसंबर । रोपवे परियोजना के विरोध में श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति के 72 घंटे बंद के आह्वान के दूसरे दिन गुरुवार को सुबह से ही कटरा कस्बे में कारोबार पूरी तरह बंद रहा। श्री माता वैष्णो देवी मंदिर के आधार शिविर कटरा में प्रस्तावित रोपवे परियोजना के खिलाफ टट्टू मालिक, दुकानदार और अन्य व्यापारी विरोध कर रहे हैं।

बंद के पहले दिन बुधवार को पुलिस ने विरोध प्रदर्शन के दौरान कई लोगों को हिरासत में लिया था। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि विचार-विमर्श करके समाधान खोजने के बजाय सरकार इस मुद्दे को पटरी से उतार रही है और उन्हें सड़कों पर आने के लिए मजबूर कर रही है। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने पिछले महीने वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों और अन्य लोगों के लिए मंदिर तक पहुंच को आसान बनाने के लिए रोपवे लगाने की योजना की घोषणा की, जिन्हें गुफा मंदिर तक 13 किलोमीटर लंबा रास्ता तय करना चुनौतीपूर्ण लगता है। प्रस्तावित 250 करोड़ रुपये की परियोजना का उद्देश्य ताराकोट मार्ग को सांझी छत से जोड़ना है, जो मंदिर तक जाता है।

हालांकि, कटरा शहर में पूर्ण बंद के कारण तीर्थयात्रियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने लोगों की शिकायतें सुनीं

श्रीनगर 26 दिसंबर। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कई प्रतिनिधिमंडलों से मुलाकात की और समाज के विभिन्न क्षेत्रों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने हेतु अपनी सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने यहां राबता कार्यालय में अपने जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान यह बात कही, जहां कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से आए कई प्रतिनिधिमंडलों और व्यक्तियों ने अपनी चिंताओं और मांगों को प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री ने शिक्षा, कारीगर, श्रम और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्रों के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ बातचीत की, जिन्होंने तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता वाले मुद्दों को सामने रखा।

प्रतिनिधियों में से, जम्मू-कश्मीर कॉलेज शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री से जम्मू-कश्मीर में कॉलेज शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु बढ़ाने की मांग पर विचार करने का आग्रह किया।

विभिन्न क्षेत्रों के कारीगरों द्वारा बने कश्मीरी शॉल निर्माता कल्याण फाउंडेशन ने पारंपरिक शॉल बनाने के व्यापार के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला और उनकी आजीविका की सुरक्षा में सरकार से सहयोग मांगा। इसी तरह, हॉट मिक्स प्लांट मालिकों के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को अपने उद्योग के सामने आने वाली समस्याओं से अवगत करवाया और समय पर हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। अपने राज्य अध्यक्ष के नेतृत्व में जेएंडके कैजुअल लेबरर्स यूनाइटेड फ्रंट ने कैजुअल मजदूरों के कल्याण के बारे में चिंता जताई, जबकि फिजियोथेरेपिस्टों के प्रतिनिधिमंडल ने सीएम को क्षेत्र-विशिष्ट चुनौतियों के बारे में जानकारी दी, जिनका समाधान करने की आवश्यकता है। स्वास्थ्य कर्मचारी कल्याण संघ के प्रतिनिधियों ने अपने अध्यक्ष के नेतृत्व में स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रभावित करने वाले मुद्दों को प्रस्तुत किया और कर्मचारी संयुक्त कार्रवाई समिति ने कर्मचारियों के कल्याण को व्यापक रूप से हल करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उत्तर भारत में हो सकती है बारिश, कोहरे के कारण 34 ट्रेनें देर से चलीं

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। उत्तर भारत में भीषण शीत लहर जारी है, वहीं दिल्ली में भी कोहरे की स्थिति बनी हुई है, जिससे दृश्यता प्रभावित हुई है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन यानि 27 और 28 दिसंबर को पश्चिमी विक्षोभ के चलते बारिश का अनुमान जताया है। वहीं, कोहरे की स्थिति को देखते हुए गुरुवार को दिल्ली एयरपोर्ट ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर कम दृश्यता प्रक्रियाओं के बारे में यात्रियों को सूचित करने के लिए सलाह जारी की है। कोहरे के कारण गुरुवार को 34 ट्रेनें देरी से चली।

ट्रेनों पर कोहरे की मार

घने कोहरे के कारण गुरुवार को दिल्ली से देश के विभिन्न भागों में जाने वाली 34 रेलगाड़ियां देरी से चल रही हैं।

प्रभावित ट्रेनों में आनंद विहार जनसाधारण एक्सप्रेस और पद्मावत एक्सप्रेस आठ घंटे से अधिक देरी से चल रही है। अवध असम एक्सप्रेस और ऊंचाहार एक्सप्रेस चार घंटे देरी से चल रही है। इसी तरह विक्रमशिला एक्सप्रेस 07:20 बजे आने वाली थी वह एक घंटा देरी से चल रही है।

देरी से आने वाली अन्य ट्रेनों में एस क्रांति सुपरफास्ट एक्सप्रेस, शिव गंगा एक्सप्रेस, दुरंतो एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस चार घंटे की देरी का सामना कर रही है।

गुरुवार को सुबह 07 बजे दृश्यता 500 मीटर दर्ज की गई। मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वानुमान लगाया है कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में घना कोहरा छाया रहेगा, 26 दिसंबर तक दृश्यता की स्थिति खराब रहने की उम्मीद है। 27 दिसंबर से तापमान में और गिरावट आने का अनुमान है, जिससे 29 दिसंबर तक मौसम और भी ठंडा हो जाएगा।

मुख्य सचिव द्वारा आरएएमपी के तहत एमएसएमई को समर्थन देने हेतु सर्वोत्तम कार्यान्वयन रणनीति अपनाने पर जोर

जम्मू 26 दिसंबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की एक बैठक आयोजित की, जिसमें भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एमएसएमई प्रदर्शन को बढ़ाने और गति देने की योजना के जम्मू एवं कश्मीर में कार्यान्वयन के लिए तैयार की गई योजना का प्रत्यक्ष मूल्यांकन किया गया।

बैठक में आयुक्त सचिव आई एंड सी विभाग, जेकेटीपीओ के एमडी, उद्योग निदेशक कश्मीर/जम्मू, आईआईएम जम्मू, नाबार्ड, सिडबी के प्रतिनिधि और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने जम्मू एवं कश्मीर के लिए स्वीकृत रणनीतिक निवेश योजना

और यहां सफलतापूर्वक कार्यान्वयन के लिए विभाग द्वारा तैयार की गई रूपरेखा पर ध्यान दिया।

अटल डुल्लू ने इस अवसर पर संबंधितों को इस योजना के विभिन्न घटकों के कार्यान्वयन के लिए उपलब्ध विकल्पों में से सर्वोत्तम विकल्प चुनने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि इस योजना में एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने की काफी क्षमता है। इसका बेहतर क्रियान्वयन इस महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्र के उत्थान के लिए अभूतपूर्व प्रगतिशील युग की शुरुआत करेगा। उन्होंने बेहतर क्रियान्वयन भागीदारों को शामिल करने की सलाह दी, जिनकी अधिक प्रतिष्ठा, अधिक विशेषज्ञता और व्यापक उपस्थिति हो, ताकि इस योजना के प्रत्येक घटक की निरंतर निगरानी की जा सके और उसे जमीनी स्तर पर कुशलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा सके।

बच्चों के लिए 'फील गुड फैक्टर' दादा-दादी

बुजुर्ग जीवन को विस्तार देते हैं, गहराई देते हैं। वे आपके पास्ट का अटूट हिस्सा हैं। उन्हीं के कारण आपका वजूद है।

आज की पढ़ी-लिखी हाई सोसायटी से यह आम शिकायत है कि मां-बाप अपने बच्चों को दादा-दादी के पास फटकने तक नहीं देना चाहते क्योंकि वे अपने बच्चों को लेकर ओवर पोजैसिव रहते हैं। जो साथ रहते हैं वे बच्चों के साथ मिल कर उनके खिलाफ पार्टीबाजी कर लेते हैं। दादा-दादी में से अगर एक भगवान को प्यारा हो गया तो बहू को और मनमानी की छूट मिल जाती है। कमजोर पार्टी को दबाना उसके लिए और भी आसान हो जाता है।

दादा-दादी के साथ पोते-पोती का जो एक खास जुड़ाव लगाव होता है वह आज की विषैली फिज़ा में बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। टी.वी. सीरियल्स मन पर बहुत ही गलत असर डाल रहे हैं। इसका उदाहरण है प्रसिद्ध मैगा सीरियल, सास भी कभी बहू थी में पोती भूमि का अपनी दादी को 'ए तुलसी' कह कर संबोधित करना। भारतीय संस्कृति आज कहां पर पहुंच गई है।

बदलाव जरूरी है स्वाभाविक है यह सब तो ठीक है लेकिन बदलाव के नाम पर पतन के गर्त में जाना उचित नहीं है। जन्म देने वालों और पाल पोसकर बड़ा करने वालों को अपमानित कर क्या सिद्ध करना चाहती है आज की यह सभ्य सो कॉल्ड पढ़ी-लिखी पीढ़ी।

दादा-दादी बच्चों के जीवन में फील गुड फैक्टर होते हैं, सुरक्षा कवच, कम्फर्ट जोर और भविष्य में उनकी उम्र पर पहुंचने पर मधुर यादों का जखीरा।

आज के मां-बाप जब अपनी दुष्टता के चलते उनके बीच में कोई संबंध जुड़ने ही न देंगे, किसी भी तरह का कम्युनिकेशन नहीं होने देंगे तो बच्चों के दिल में एक बहुत बड़ा खालीपन रह जाएगा क्योंकि मां-बाप अपनी जगह हैं दादा-दादी अपनी जगह।

दादा-दादी उम्र के पड़ाव पर पहुंच गए होते हैं जहां जाकर एक ठहराव ज्यादा मैच्योरिटी और समझ आ जाती है। इसके अलावा अब वे सैकेंड चाइल्डहुड जी रहे होते हैं। ऐसे समय में वे अपने पोते-पोती के बेहतर दोस्त साबित हो सकते हैं।

बच्चे उनसे जीवन में कितनी अच्छी बातें और संस्कार सीखते हैं जो उनके व्यक्तित्व में गहराई तक उतर कर उन्हें भविष्य में बेहतर इंसान बनाते हैं यह सिर्फ समझने की बात है। बच्चे अपने मां-बाप को उनके मां-बाप की इज्जत करते, केयर देखते हैं तो स्वत: ही ये बातें उनके संस्कारों में आ जाती हैं। भले ही आप अपने मां-बाप से दूर रहते हों, बच्चों को उनसे जोड़ कर रखें, उन्हें रैग्युलर टच में रखें, फोन, विजिट या पत्र ई-मेल के द्वारा ही नहीं। वक्त की नज़ाकत पहचान कर दादा-दादी भी अपने को समयानुसार ढाल लें तो अच्छा है। उन्हें दखलअंदाजी से दूर रहना चाहिए और बिना मांगे सलाह देने से बचना चाहिए जब तक कि बात सीरियस अंजाम की ही न हो। अब वक्त उनका है। उन्हें अपने ढंग से जीने दें और बच्चों को भी अपने ढंग से पालने दें। उनकी खुशी में खुश होना सीख लें।

बुजुर्ग जीवन को विस्तार देते हैं, गहराई देते हैं। वे आपके पास्ट का अटूट हिस्सा हैं। उन्हीं के कारण आपका वजूद है। आप जो सांसें ले रहे हैं ये उनकी ही देन हैं। उनके साथ जीवन मूल्य हैं। आज के आपाधापी और तनावग्रस्त माहौल में उनके पास शीतल छाया है। संतुलन है और आपके लिए रिइंश्यौरैंस इसीलिए शायद आज दुनिया में कई जगह २दादा-दादी गोद लिए जाने लगे है।

अपने बच्चों को जिन्हें आप सबसे ज्यादा प्यार करते हैं, दादा-दादी के प्यार से वंचित न रखें। उनको लेकर अपने पोजैसिवनैस के लिए स्वयं दादा-दादी बनने पर कहीं अपने प्रति इसी तरह के व्यवहार को पाकर बाद में आपको पछताना न पड़े।

ऐसे लगाएँ मस्कारा

पहली बार किसी मस्कारे का प्रयोग करने से पहले उसे दो-तीन घंटे पहले हथेली के पीछे की त्वचा पर लगाकर ट्रायल लें ताकि यह पता चले कि मस्कारा आपको सूट कर रहा है या नहीं। अगर मस्कारा लगाने से आपके आँखों में खुजली हो रही है, आँखें लाल हो रही हैं या फिर पलकें झड़ रही हैं तो उस मस्कारे का प्रयोग एकदम बंद कर दें। आमतौर पर युवतियों महिलाओं से मस्कारा एक बार में नहीं लगता। इसलिए कांस्ट्रेट होकर मस्कारा लगाएँ।

मस्कारे को पीछे से आगे की ओर बढ़ाकर प्रयोग करें। ताकि वह सही ढंग से पूरी बरौनियों पर फैल सके। मस्कारे के फैलने पर उसे छुड़ाने के लिए क्लीजिंग मिल्क या गुलाबजल को रूई के फाहे पर लगाकर मस्कारा छुड़ाए या आई मेकअप रिमूवर का प्रयोग करें। सख्त कपड़ा या टॉवेल का प्रयोग करने से पलकों को नुकसान पहुँचता है।

अगर आपकी पलकें झड़ रही हैं या फिर आँखों में किसी प्रकार का इंफेक्शन चल रहा है तो आँखों को ठीक होने तक मस्कारे का प्रयोग न करें।

डेटिंग के नाम पर धोखा

लड़कियां जब जवानी में कदम रखने लगती हैं, उनके किसी न किसी लड़के से अफेयर होने लगते हैं। पश्चिम की तर्ज पर हमारे यहां भी डेटिंग का प्रचलन बढ़ गया है। डेटिंग करते-करते कब बात हाथ से निकल जाए, लड़की स्वयं नहीं जान पाती। लड़कियां चूंकि ज्यादा भावुक होती हैं, अत: लड़के द्वारा 'डिच' किए जाने पर वे टूट जाती हैं। कई बार लड़कों के लिए डेटिंग महज मौज-मस्ती का पर्याय होती है। शादी का वायदा कर वे लड़की से शारीरिक संबध कायम करने की मांग करते हैं। लड़की वादे को सच मान समर्पण कर देती है तो उसे 'लूज कैरेक्टर' घोषित कर लड़के छोड़ देते हैं। बहुत कम लड़के-लड़कियां प्यार शब्द का अर्थ समझते हैं। इसके लिए भावनात्मक परिपक्वता चाहिए जो बहुत कम युवाओं में होती है। आपकी जरा-सी गलती लड़की की जिंदगी तबाह कर सकती है।

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार तेरह से उन्नीस वर्ष की उम्र में लड़कियां उम्र के नाजुक दौर से गुजर रही होती हैं। इस समय जरा-सी चूक से उनके जीवन में खतरनाक मोड़ आ सकता है इसलिए सही राह पकड़ना जरूरी है। मां को लड़की को लेकर कुछ खास बातों पर ध्यान देना जरूरी है। सर्वप्रथम तो लड़की की दिनचर्या पर तवज्जो दें। वह क्या करती है, पढ़ने में उसकी कितनी रुचि है, कोर्स की किताबों के अलावा क्या पढ़ने में दिलचस्पी लेती है, टी.वी. पर कैसे प्रोग्राम और कितनी देर देखती है?

लड़की को हर समय शक की नजर से देखना भी अनुचित है और उस पर आंख मूंद कर विश्वास करना भी ठीक नहीं। सजगता अत्यंत जरूरी है क्योंकि आप जवान बेटी की मां हैं। लड़की के फ्रैंड सर्कल के बारे में जानकारी रखें। लड़की को विवाह होने तक व्यस्त रखें। जवान शिक्षक से कभी भी अकेले ट्यूशन न कराएं। सही उम्र में लड़की की शादी वक्त रहते ही कर दें लेकिन शिक्षा में कमी न रखें। वह इस लायक जरूर हो कि मुसीबत आने पर अपनी रोजी-रोटी स्वयं कोई अच्छा जॉब करके कमा सके, यानी कि उसे आत्मनिर्भर बनाएं।

कामयाबी का आकाश छूने को तैयार बेटियां

पुरुष प्रधान समाज के क्रूर पंजों की पकड़ से नारी अब आज़ाद होने लगी है। सदियों से उत्पीड़न और शोषण की शिकार बेटियां, अपनी मेहनत सूझ-बूझ और उत्साह के बूते जीवन के हर क्षेत्र में सफलता के नये-नये अध्याय लिख रही हैं। वे परिवार, समाज तथा देश को आगे ले जाने को तैयार हैं। समय भी सत्य और संकल्पों का सुधी होता है, इसलिए पक्के इरादों वाली बेटियों के रास्ते में आज कोई अवरोध अधिक देर नहीं टिकता। सत्य की राह पर चलते हुए लक्ष्य पर निगाहें, उन्हें हर मंजिल तक पहुंचाने में मददगार साबित होती हैं।

जीतने का जज्बा, हाल को कोसों दूर भगा देता है। उसी जीत के जज्बे ने आज बेटियों के सामने मेधा पाटकर, किरण बेदी, सानिया मिर्जा, इंदिरा नूयी, कल्पना चावला, सुनीता विलीयम जैसी शख्सियतों को सामने ला खड़ा किया है, जिनके आगे हर मुश्किल नतमस्तक हो जाती है। मेधा पाटकर ने नर्मदा विस्थापितों की हक की लड़ाई के लिए खुद को आगे कर दिया, वहीं किरण बेदी 'असंभव कुछ भी नहीं' की लाइन पर चलते हुए, बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गयीं।

आज लगभग हर क्षेत्र में सफलता के नित नए मुकाम हासिल करती बेटियां, आज हर पल जीतने के लिए तैयार हैं।

बुरा काम है दांपत्य में सेंधमारी

दांपत्य जीवन को हमेशा रथ के दो पहियों से निरूपित किया जाता है। इसका मतलब यह है कि दोनों पहियों का सही चलना दांपत्य जीवन की गाड़ी के लिये ज़रूरी है। बिना आपसी समझ और आपसी प्यार के यह संभव नहीं होता, इसलिये आपसी विश्वास को बनाये रखें। एक-दूसरे पर विश्वास सफलता की सबसे बड़ी पूंजी है।

प्यार भी बड़ी अजीब शौक है। यह तो बस हो जाता है। कब, क्यों और कहां, यह कुछ निश्चित नहीं है। प्यार करने वालों को प्यार का ऑब्जेक्ट दुनिया में सर्वाधिक हसीन लगता है, चाहे वह बदसूरत ही क्यों न हो। ऐसा न होता तो हमारे पड़ोसी 'किसलय रहेजा' जैसे बदशक्ल और रुखे इंसान के पीछे संजना यूं ही बाबरी न होती। उनकी पत्नी के सीधेपन का भी फायदा संजना को मिल गया। चंचल और स्मार्ट संजना रिश्ते में हालांकि 'किसलय' की कुछ दूर की बहन लगती थी। 'किसलय' की शादी उसके मां-बाप से कभी न करते, यह बात वे स्वयं भलि-भांति जानती थी। इन समीकरणों में संजना ने कृष्ण की राधा की भांति ही 'किसलय' के जीवन में जगह ले ली थी।

एक थे संजीव पांडे, ज़मींदार और उस पर भी बड़े राजनेता। दिखने में भी काफी सुदर्शन व्यक्तित्व के मालिक। माता-पिता ने उनकी शादी ज़मींदार घराने की एक कम पढ़ी-लिखी सुंदर, सुशील कन्या से कर दी थी।

एक-एक करके वह चार बच्चों की मां बन गई। संजीव को एक तो पहले से ही वह पसंद नहीं थी, जिस पर चार बच्चों की मां हो जाने पर वह उससे और भी खिंचा रहने लगा था। नमिता उसके दोस्त की पत्नी थी। नमिता के हावभाव में उसे आमंत्रण दिखाई दिया। अपने प्रेम को शक से बचाए रखने और संजीव तथा उसकी पत्नी ऐश्वर्या के दांपत्य में सेंधमारी करने के लिए नमिता ने विवाहित प्रेमी के बच्चों को फुसलाने का षड़यंत्र रचा। वह उनके लिए तोहफे खरीदती, कभी उन्हें होटलों में ले जाती, कभी पिक्नर दिखाती। किशोरावस्था में बच्चों में सही-गलत की इतनी पहचान नहीं हो पाती है। बच्चे भी नमिता आंटी के सामने अपनी मां को फूहड़ समझने लगे। अब नमिता का दूसरा कदम था प्रेमी के साथ मिलकर, अपने पति को रास्ते से हटाने के लिए उसका कत्ल करवाना। कानून उसका कुछ न बिगाड़ सका। नमिता कुछ दिनों के शो के नाटक और श्वेत वस्त्रों के दिखावे के बाद अब बड़े-ठाठ से अपने प्रेमी संजीव की दूसरी पत्नी बनकर रहने लगी। प्रेम का एक घिनौना रूप यह भी है।

दूसरों का घर उजाड़ने वाली ऐसी सेंधमार महिलाओं का कहना है कि प्यार के लिए सामाजिक स्वीकृति वे ही चाहते हैं, जो भीरू होते हैं।

आज़ाद देश में हर महिला को इस बात की पूर्ण आजादी होनी चाहिए कि वह जिससे चाहे प्यार करे, जिसके साथ चाहे अपनी दुनिया बसाए।

विनय और मोना का प्यार परवान चढ़ता, इससे पहले ही विनय की शादी डॉक्टर अंजलि से हो गई। अंजलि चूंकि डॉक्टर थी, वह अस्पताल और मरीजों में व्यस्त रहती। किचिन में तरह-तरह की चीज़ें बनाकर पति को खिलाने के लिए भला उसे फुर्सत कहां थी। अंजलि की व्यस्तता का फायदा मोना ने खूब उठाया। उसके अस्पताल जाने पर वह अपने प्यार को 'प्लेटॉनिक' दोस्ती का नाम देकर, तब तक अपने मित्र रिश्तेदारों को छलती रही, जब तक कि बिल्ली के भाग से छींका न टूटा। अंजलि के गुर्दों ने काम करना बंद कर दिया था। कोई इलाज न बचा और आखिर वह असमय ही चल बसी। अंजलि की मौत को अभी चंद महीने भी न हुए थे कि मोना उसकी जगह विनय की दूसरी पत्नी बनकर आ गई।

प्यार करना जुर्म नहीं, लेकिन किसी शादीशुदा पति या पत्नी से प्यार जताना बेशक जुर्म की श्रेणी में ही आता है। यह बात अलग है कि कानून इसके लिए किसी को सजा नहीं दिला सकता। एक समर्पित भारतीय पत्नी के लिए पति उसके अपने जीवन से बढ़कर होता है। उसकी मृत्यु के बाद वह जीवित लाश बनकर रह जाती है। ऐसी समर्पित पत्नी से उसका पति छीनकर दूसरी स्त्री ठीक करती है या गलत, यह उसकी अपनी सोच है, लेकिन एक पत्नी से उसका जीवन छीन लेना, कत्ल करने से छोटा अपराध कतई नहीं है। इसी तरह किसी पागल प्रेमी की हद तक पत्नी को चाहने वाले पति से उसकी पत्नी छीन लेना भी उतना ही संगीन अपराध है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस-2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल, जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

रंजीत सागर बांध पर 21वीं जिला वाटर स्कीइंग चैंपियनशिप शुरू

कठुआ 26 दिसंबर (हि.स.)। जिला कठुआ की तहसील बसोहली के खूबसूरत रंजीत सागर बांध पर बहुप्रतीक्षित 21वीं जिला वाटर स्कीइंग चैंपियनशिप गुरूवार को आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है।

26 दिसंबर से 28 दिसंबर 2024 तक चलने वाले इस आयोजन में जिले भर के प्रतिभाशाली एथलीट इस रोमांचक जल खेल में अपना हुनर दिखाने के लिए एक साथ आएंगे। जिला जल क्रीड़ा संघ द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप का उद्देश्य इस क्षेत्र में जल क्रीड़ा और पर्यटन को बढ़ावा देना है, जो प्राकृतिक सुंदरता और जल संसाधनों से भरपूर है, जो इस तरह के आयोजनों के लिए आदर्श है। प्रतिभागी स्लैलम, ट्रिक स्कीइंग और वेकबोर्डिंग सहित विभिन्न श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में डीडीसी अध्यक्ष सेवानिवृत्त कर्नल महान सिंह और बसोहली विधायक दर्शन सिंह उपस्थित रहे और इस अवसर पर एडीडीसी अनिल कुमार ठाकुर, सीईओ बीबीडीए मौजूद रहे। चैंपियनशिप का उद्घाटन करते हुए उन्होंने खेल भावना को बढ़ावा देने और स्थानीय प्रतिभाओं को चमकने के लिए एक मंच प्रदान करने में इस तरह के आयोजनों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि रणजीत सागर बांध हमारे जिले का एक गहना है, और यहाँ इस चैंपियनशिप की मेजबानी न केवल खेलों को प्रोत्साहित करती है बल्कि जल क्रीड़ा स्थल के रूप में बसोहली की क्षमता को भी उजागर करती है, उन्होंने कहा कि यह चैंपियनशिप तीन दिनों तक रोमांचकारी कार्रवाई का वादा करती है, जिसमें शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिभागी और दर्शक पानी पर कौशल और चपलता के लुभावने प्रदर्शन का आनंद लेंगे। इस आयोजन के 28 दिसंबर, 2024 को चैंपियनों को सम्मानित करने वाले पुरस्कार समारोह के साथ समाप्त होने की उम्मीद है। यह पहल जिले में वाटर स्कीइंग की बढ़ती लोकप्रियता का प्रमाण है और क्षेत्र में प्रतिभाओं को पोषित करने और ब द्धढ़ावा देने के लिए स्थानीय अधिकारियों और खेल संगठनों के प्रयासों को दर्शाता है।

खेलो इंडिया के प्रशिक्षुओं को वितरित की गईं खेल किट

पुंछ, 26 दिसंबर (हि.स.)। खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करने के अपने आउटरीच कार्यक्रम को जारी रखते हुए जम्मू-कश्मीर खेल परिषद ने गुरूवार को खेल स्टेडियम पुंछ में आयोजित एक विशेष समारोह में बॉक्सिंग और हॉकी में खेलो इंडिया केंद्रों के प्रशिक्षुओं को खेल किट वितरित कीं।

इस कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं ने अपने गुरुओं, नवजोत सिंह (हॉकी) और रोहित शर्मा (बॉक्सिंग) के साथ भाग लिया। लाभार्थियों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करने के लिए एनएसआरएस आईडी सत्यापन सहित कड़े उपाय किए गए।

एएसपी पुंछ मोहन शर्मा ने मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रमुख उपस्थित लोगों में निर्दोष कुमार प्रबंधक खेल स्टेडियम पुंछ; नरजीत सिंह (सेवानिवृत्त जेडपीईओ रजत पदक विजेता); शाह अजीज (कप्तान, भारतीय दिव्यांग क्रिकेट टीम); रविंदर सिंह; सोराब शर्मा; राम प्रकाश; जाकिर हुसैन; विशाल शर्मा; नरिंदर सिंह और विभिन्न विषयों के कोच शामिल थे। समारोह का संचालन पीईएल और हॉकी कोच पवन कुमार ने किया।

निर्दोष कुमार प्रभारी प्रबंधक खेल स्टेडियम पुंछ ने अतिथियों और खिलाड़ियों का स्वागत किया और प्रशिक्षुओं को किट प्रदान करने के लिए जेकेएससी सचिव नुजहत गुल, जेकेएससी सीएसओ मोहम्मद हनीफ और जम्मू डीएसओ बलजिंदर सिंह का आभार व्यक्त किया।

फिटमा आइकॉन अवॉर्ड 2024 हासिल करने के बाद जम्मू पहुंचे प्रसिद्ध गायक दर्शन पटाका तथा आशिमा

जम्मू, 26 दिसंबर (हि.स.)। फिटमा आइकॉन अवॉर्ड 2024 हासिल करने के बाद जम्मू पहुंचे जम्मू के प्रसिद्ध गायक दर्शन पटाका तथा प्रसिद्ध गायक आशिमा सरमाल का जम्मू पहुंचने पर लोगों द्वारा जोरदार तरीके के साथ स्वागत किया गया।

बताते चलें कि फिल्म और मीडिया एसोसिएशन की तरफ से पंजाब के फरीदकोट में 25 दिसंबर को फिटमा आईकॉन अवार्ड समारोह का आयोजन किया गया जिसमें देश के अलग-अलग राज्यों से आए हुए लोगों को सम्मानित किया गया और जम्मू कश्मीर से जम्मू के प्रसिद्ध गायक दर्शन पटाका तथा प्रसिद्ध गायक आशिमा सरमाल को इस अवार्ड से सम्मानित किया गया। वहीं गुरुवार को जम्मू पहुंचने पर लोगों द्वारा दोनों ही कलाकारों का स्वागत किया गया और उन्हें अवार्ड मिलने पर मुबारकबाद दी गई।

जम्मू रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर ढोल नगाड़ों के साथ उनका स्वागत किया गया और उसके उपरांत दोनों ही कलाकार माता बावे वाली के मंदिर में आशीर्वाद लेने के लिए पहुंचे। इस मौके पर प्रसिद्ध गायक दर्शन पटाका ने कहा कि माता रानी की कृपा से उन्होंने राष्ट्रीय अवार्ड प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि इस सम्मानित समारोह में देश के अलग-अलग राज्यों से लोग पहुंचे हुए थे और उन्हें भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने जम्मू के सभी कलाकारों से अपील करते हुए कहा कि वह जम्मू की संस्कृति तथा डोगरी भाषा को बढ़ावा देने में अपना योगदान दें।

उन्होंने बताया कि वहां पर उन्हें डोगरी गीत गाने का भी अवसर प्राप्त हुआ। वहीं प्रसिद्ध गायक आशिमा सरमाल ने अपने विचार रखे और कहा कि उनके लिए काफी गर्व की बात है कि उन्हें राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित किया गया है और इस अवार्ड के मिलने के बाद उनका हौंसला बढ़ा है और आगे भी वह गायकी के क्षेत्र में अपना नाम कमाने के लिए काम करती रहेंगी। उन्होंने अपने गुरु जी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनके आशीर्वाद के कारण ही उन्हें इस सम्मान को पाने का मौका मिला है। इस अवसर पर उनके साथ जम्मू जागरण सेवा समिति के सदस्य भी उपस्थित रहे।

नान गजटेड वन अधिकारियों ने लंबित मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

पुंछ, 26 दिसंबर (हि.स.)। नान गजटेड वन अधिकारियों ने गुरूवार को पुंछ में वन कार्यालय में एक विशाल विरोध प्रदर्शन किया जिसमें करार हुसैन शाह, वनपाल, अत्ता उल्लाह नियाज़ी, वनपाल संदीप, वनपाल जरार हुसैन, वनपाल इम्तियाज अहमद, वनपाल सदारत हुसैन शाह और साजिद फारूक वनपाल शामिल थे।

प्रदर्शनकारियों ने जोखिम भत्ता, कठिनाई भत्ता, सभी संवर्गों के लिए समय पर विभागीय पदोन्नति समितियां (डीपीसी), वेतन विसंगतियों का समाधान, अतिरिक्त कार्यभार के लिए अतिरिक्त वेतन की बहाली और बेहतर कार्य स्थितियों जैसे लं द्धलबे समय से लंबित मुद्दों के कार्यान्वयन की मांग को लेकर अपनी आवाज उठाई।

प्रदर्शन में बोलते हुए प्रदर्शनकारियों ने अधिकारियों द्वारा उनकी शिकायतों के समाधान में देरी पर अपनी नाराजगी व्यक्त की और कठिन परिस्थितियों में क्षेत्र के पर्यावरण की सुरक्षा में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संबंधित अधिकारियों को बार-बार ज्ञापन देने के बावजूद उनकी मांगों को वर्षों से नजरअंदाज किया जा रहा है। उनहोंने चेतावनी दी कि उनके मुद्दों को हल करने में विफलता उन्हें जम्मू-कश्मीर में अपने आंदोलन को तेज करने के लिए मजबूर करेगी।

विरोध प्रदर्शन इस संकल्प के साथ समाप्त हुआ कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं वे अपना संघर्ष जारी रखेंगे। उन्होंने सरकार से उनके मुद्दों को हल करने और वन कर्मचारियों की कार्य स्थितियों में सुधार करने के लिए तत्काल कदम उठाने का आग्रह किया।

एडीसी ने सहकारी विकास पर दूसरी संयुक्त कार्य समिति की बैठक की अध्यक्षता की

पुंछ, 26 दिसंबर (हि.स.)। अतिरिक्त उपायुक्त पुंछ ताहिर मुस्तफा मलिक ने गुरूवार को जिले में सहकारी विकास को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए संयुक्त कार्य समिति (जेडब्ल्यूसी) की दूसरी बैठक बुलाई।

बैठक में सहकारी समितियों पुंछ के उप रजिस्ट्रार के साथ-साथ पशुपालन कार्यालय, मत्स्य विभाग और जेसीसी बैंक के प्रतिनिधियों सहित संबद्ध विभागों के विभिन्न अधिकारियों ने भाग लिया। उप रजिस्ट्रार ने मार्गदर्शनिका में उल्लिखित एजेंडा बिंदुओं को प्रस्तुत किया और पहली जेडब्ल्यूसी के बाद कार्य योजना से प्रत्येक आइटम पर प्रगति की समीक्षा की गई। विशेष रूप से पुंछ जिले के असेवित क्षेत्रों में ग्राम पंचायतों की 100 प्रतिशत कवरेज प्राप्त करने पर मुख्य जोर दिया गया जिसमें पीएसी, डेयरी और मत्स्य पालन पर ध्यान केंद्रित किया गया। संबद्ध विभागों ने मौजूदा सहकारी समितियों को अपना समर्थन देने का वादा किया और नई बहुउद्देश्यीय कृषि सहकारी समितियों (एमपीएसीएस), डेयरी और मत्स्य पालन के पंजीकरण को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

करियर मार्ग दर्शन सेमिनार आयोजित

जम्मू, 26 दिसंबर (हि.स.)। शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति समर्पण के लिए प्रसिद्ध प्रमुख संस्थान संदीपनी गुरुकुल ने नीट जेईई, एनडीए व सीए फाउंडेशन और अन्य प्रतियोगी पाठ्यक्रमों के उम्मीदवारों के लिए करियर मार्गदर्शन पर एक व्यापक सेमिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया। सेमिनार में बोर्ड कक्षाओं की तैयारी पर भी जोर दिया गया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र प्रतियोगी परीक्षाओं और शैक्षणिक गतिविधियों दोनों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हों। संदीपनी गुरुकुल की वाइस प्रिंसिपल पूजा गुप्ता द्वारा सेमिनार का सावधानीपूर्वक आयोजन किया गया और उनकी समर्पित टीम की विशेषज्ञता और उत्साह के साथ इसे क्रियान्वित किया गया।

सरकार से आरक्षण नीति के तर्कसंगत होने तक भर्तियों को रोकने का आग्रह

श्रीनगर, 26 दिसंबर, हि.स.। मौजूदा आरक्षण नीति के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे ओपन मेरिट स्टूडेंट्स एसोसिएशन (ओएमएसए) ने गुरुवार को मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से सोमवार को हुई उनकी बैठक के मिनट्स जारी करने में सुविधा प्रदान करने का आग्रह किया। ओएमएसए ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि माननीय मुख्यमंत्री के साथ हमारे विचार-विमर्श के बाद हमें बताया गया कि बैठक के मिनट्स का विवरण देने वाली एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति तुरंत जारी की जाएगी। हालांकि 48 घंटे से अधिक समय बीत चुका है और अभी तक ऐसा कोई बयान जारी नहीं किया गया है। हम माननीय मुख्यमंत्री से सम्मानपूर्वक आग्रह करते हैं कि वे इस प्रेस वक्तव्य को जल्द से जल्द जारी करने में सहायता करें। इससे संबंधित छात्रों, उम्मीदवारों और युवाओं को बैठक के दौरान चर्चा किए गए मामलों के बारे में बहुत ज़रूरी स्पष्टता मिलेगी जिसमें दिए गए आश्वासन भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रेस विज्ञप्ति सीएम के साथ चर्चा की गई तत्काल कार्रवाई योग्य वस्तुओं को संबोधित करने और समिति के गठन की तारीख से छह महीने के भीतर व्यापक युक्तिकरण मुद्दे और संबंधित चिंताओं दोनों को हल करने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए आवश्यक है।

पुलिस शहीद टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट-चंडीगढ़ की टीम ने जेकेपी इलेवन को 04 विकेट से हराया

कठुआ 26 दिसंबर (हि.स.)। 13वें पुलिस शहीद स्मारक टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप 2024-25 के 9वें दिन डीपीएल कठुआ में जेकेपी इलेवन बनाम चैंपियंस सीए चंडीगढ़ के बीच मैच खेला गया। टूर्नामेंट के 9वें दिन सुबह के सत्र में जेकेपी इलेवन बनाम चैंपियंस सीए चंडीगढ़ टीम के बीच खेला गया, जिसमें जेकेपी इलेवन की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 20 ओवर में 08 विकेट के नुकसान पर सिर्फ 119 रन बनाए। टीम के मुख्य स्कोरर सचिन रहे जिन्होंने 40 गेंदों पर 3 चैकों व 3 छक्कों की मदद से 50 रन बनाए तथा नग्गर ने 22 गेंदों पर 1 चैके व 1 छक्के की मदद से 20 रन बनाए तथा विपक्षी टीम को 120 रनों का लक्ष्य दिया। 120 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चैम्पियन सीए चंडीगढ़ की टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर मात्र 19.4 ओवर में 120 रनों का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। इस तरह चैम्पियन सीए चंडीगढ़ की टीम ने यह मैच 4 विकेट से जीत लिया तथा टीम के दूसरे सर्वाधिक स्कोरर लवप्रीत रहे जिन्होंने शानदार पारी खेलते हुए 38 गेंदों पर 2 चैकों की मदद से 28 रन बनाए तथा साथ ही उन्होंने 4 ओवरों में शानदार गेंदबाजी करते हुए 18 रन देकर 2 विकेट लिए जिसके लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया।

आर्मी पब्लिक स्कूल मीरां साहिब का वार्षिक समारोह हुआ संपन्न

जम्मू, 26 दिसंबर (हि.स.)। भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की अविश्वसनीय विविधता को प्रदर्शित करते हुए उपलब्धि प्राप्त करने वालों को सम्मानित और सराहना करते हुए सत्र 2023-24 के लिए वार्षिक दिवस बाबा जितो ऑडिटोरियम स्कास्ट जम्मू में बड़े उत्साह और जोश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में नृत्यकला, चित्रकला, रंगमंच, योगिक अभ्यास और कई अन्य प्रस्तुतियाँ शामिल थीं। मेजर जनरल मुकेश भनवाला, जीओसी टाइगर डिवीजन और श्रीमती भावना भनवाला चेयरपर्सन एफडब्ल्यूओ टाइगर डिवीजन सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इसके अलावा ब्रिगेडियर पार्थिक सिंह कमांडर मीरां साहिब ब्रिगेड और श्रीमती श्वेता सिंह चेयरपर्सन एफडब्ल्यूओ मीरां साहिब ब्रिगेड सहित अन्य अतिथिगण भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीमती श्वेता सिंह चेयरपर्सन एफडब्ल्यूओ मीरां साहिब ब्रिगेड द्वारा दीप प्रज्वलित करके की गई। प्रिंसिपल श्रीमती रितु शर्मा ने वार्षिक स्कूल रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें छात्रों की उपलब्धियों और स्कूल की प्रगति के लिए प्रिंसिपल के दृष्टिकोण को सामने रखा गया। इस सत्र के लिए बेस्ट हाउस की ट्रॉफी सीनियर और प्राइमरी विंग दोनों में राजिंदर हाउस ने जीती। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा स्कूल के मेधावी छात्रों और शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया।

बदलाव के लिए साइकिल चलाना- संयम का संदेश फैलाने के लिए गिरधारी लाल की यात्रा

जम्मू, 26 दिसंबर (हि.स.)। राजस्थान के निवासी गिरधारी लाल नशा मुक्त भारत का संदेश फैलाने के लिए लेह से कन्याकुमारी तक अकेले साइकिल से यात्रा कर रहे हैं वे कहते हैं मेरा लक्ष्य इस साइकिल यात्रा के माध्यम से नशा मुक्त और आत्मनिर्भर भारत का संदेश फैलाना है। मैंने 20 तारीख को लेह से शुरुआत की और लगभग 12 राज्यों को पार करूंगा। मुझे उम्मीद है कि मैं 10 फरवरी के आसपास अपने गंतव्य तक पहुंच जाऊंगा। सहनशक्ति का निर्माण करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि बिना प्रयास के हमारा शरीर कमजोर हो जाएगा। मैं सभी को, खासकर जो लोग वाहनों पर निर्भर हैं, साइकिल चलाने जैसी शारीरिक गतिविधि में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। इससे न केवल आपका स्वास्थ्य बेहतर होगा बल्कि प्रदूषण भी कम होगा।

डीसी ने स्वास्थ्य और आईसीडीएस क्षेत्र का मूल्यांकन किया

कठुआ 26 दिसंबर (हि.स.)। डीसी कठुआ डॉ. राकेश मिन्हास ने जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के परिदृश्य की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में कार्यक्रम अधिकारी आईसीडीएस शौकत महमूद, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विजय रैना, जिला क्षय रोग अधिकारी कठुआ डॉ. राधाकृष्णन, बीएमओ के अलावा संबंधित अधिकारी और स्वास्थ्य एवं पोषण विभाग के अधिकारी शामिल हुए। पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले की स्वास्थ्य सेवा प्रोफाइल को समझाते हुए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी ने बताया कि जीएमसी कठुआ के प्रमुख संस्थान के अलावा जिले में 5 सीएचसी, 24 पीएचसी और 153 उप-केंद्र सहित कुल 252 स्वास्थ्य संस्थान काम कर रहे हैं। स्वास्थ्य इन्फ्रा की उपलब्धता, स्वास्थ्य देखभाल उपलब्धियां, रोगी देखभाल, एफडब्ल्यू और टीकाकरण और अन्य संबंधित मुद्दों जैसे विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। डीसी ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के बारे में भी फीडबैक लिया, जिसमें आरबीएसके, वीएचएनडी के अलावा एबी-पीएमजेएवाई की संतृप्ति शामिल है।

गौ माता को राष्ट्रीय मां का दर्जा दिलाने हेतु आंदोलन जारी

जम्मू, 26 दिसंबर (हि.स.)। मूवमेंट कल्कि द्वारा गौ माता को राष्ट्रीय मां का दर्जा दिलाने, सनातन बोर्ड के गठन और गौ संरक्षण के लिए कड़े कानून बनाने की मांग को लेकर चलाया जा रहा आंदोलन आज अपने 67वें दिन में प्रवेश कर चुका है। यह आंदोलन न केवल सनातन संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का प्रतीक है बल्कि समाज में धार्मिक व सामाजिक चेतना का विस्तार कर रहा है। वीरवार को मूवमेंट कल्कि के सदस्यों ने जम्मू स्थित स्वर्गीय पूजनीय श्री द्वारकानाथ शास्त्री जी की समाधि पर जाकर पूजा-अर्चना की और गंगू महाराज के दर्शन किए। वहां की पुण्य भूमि से आशीर्वाद लेकर, आंदोलन को मजबूती प्रदान करने और अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने का संकल्प लिया गया। मूवमेंट कल्कि के वालंटियर्स ने कटरा में पहुंचकर वहां की संघर्ष समिति द्वारा आयोजित बंद का समर्थन भी किया। अर्जुन ठाकुर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने आंदोलनकारी समिति से मुलाकात की और इस बात का आश्वासन दिया कि मूवमेंट कल्कि उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहेगा। साइन बोर्ड के विरोध में समिति द्वारा उठाए गए कदमों का समर्थन करते हुए मूवमेंट कल्कि ने बेरोजगारी और जनता पर इसके प्रतिकूल प्रभावों को उजागर किया। मूवमेंट कल्कि ने यह स्पष्ट किया है कि जब तक गौ माता को राष्ट्रीय मां का दर्जा नहीं दिया जाता और सनातन बोर्ड का गठन नहीं होता, यह आंदोलन अनवरत चलता रहेगा।

वृक्षारोपण अभियान चला कर प्रकृति को बचाने का दिया संदेश

जम्मू, 26 दिसंबर (हि.स.)। हाल ही में राजौरी के सोलकी में वृक्षारोपण अभियान चलाया गया जिसमें पर्यावरण संरक्षण, वायु गुणवत्ता में सुधार और जैव विविधता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। भारतीय सेना द्वारा इस पहल का उद्देश्य एक हरित और स्वस्थ राष्ट्र बनाना है जिसमें स्थानीय स्वयंसेवकों और सरकारी संस्थाओं को भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की सुरक्षा के लिए एक साथ लाया गया।

स्थानीय लोगों की सक्रिय भागीदारी के साथ अभियान ने क्षेत्र में 15 पौधे लगाए। अभियान के महत्व पर बोलते हुए प्रतिनिधियों ने जोर दिया की आज पेड़ लगाकर हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक जीवंत और टिकाऊ भविष्य सुनिश्चित कर रहे हैं और बेहतर कल के लिए बदलाव के बीज बो रहे हैं। हरित आवरण को बढ़ाने और वनों की कटाई को रोकने के लिए भारतीय सेना के प्रयास जलवायु परिवर्तन से निपटने और पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम के रूप में प्रतिध्वनित होते हैं।

इंजीनियरिंग छात्रों के लिए प्रेरणादायक अतिथि व्याख्यान श्रृंखला आयोजित

जम्मू, 26 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट कार्यालय ने य कुलपति प्रो. संजीव जैन के दूरदर्शी नेतृत्व में हाल ही में अतिथि व्याख्यानों की एक अभूतपूर्व श्रृंखला आयोजित की जिसका उद्देश्य इंजीनियरिंग छात्रों को वास्तविक दुनिया की चुनौतियों के लिए तैयार करना था। इस पहल में उद्योग जगत के जाने-माने नेता शामिल हुए जिनमें संदेश कुमार (विप्रो के महाप्रबंधक और वैश्विक भर्ती प्रमुख), आशीष भल्ला (पूर्व-एचसीएल आईटीई और कैंपस प्रमुख), जेडस्केलर के विशेषज्ञ और भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी) के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक शामिल थे। इन प्रतिष्ठित वक्ताओं ने उभरती प्रौद्योगिकियों, संगठनात्मक सफलता और कर्मचारी संतुष्टि के बारे में गहन अंतर्दृष्टि साझा की।

इस कार्यक्रम में 150 छात्रों ने सक्रिय भागीदारी की जिन्होंने विशेषज्ञों से सीधे जुड़ने के लिए इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर सत्रों में भाग लिया। इस अमूल्य अनुभव ने छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रदान किया जिससे उन्हें प्रतिस्पर्धी पेशेवर परिदृश्य में आगे बढ़ने में मदद मिली।

अपने समापन भाषण में प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी विराज मगोत्रा ने छात्रों को प्रेरित करने और उनका मार्गदर्शन करने के लिए अनुभवी कॉर्पोरेट पेशेवरों को लाने के लिए कार्यालय की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने कहा यह पहल न केवल उनके ज्ञान और कौशल को बढ़ाती है बल्कि उन्हें अपने जुनून को आगे बढ़ाने में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त भी देती है। प्रो. यशवंत सिंह, रजिस्ट्रार; डॉ. राकेश कुमार झा, इसीई के विभागाध्यक्ष; और डॉ. दिनेश कुमार, सीएसआइटी के प्रोफेसर ने विशेष टिप्पणी की।

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, RAVI CANAL CONSTRUCTION UPPER, DIVISION KATHUA,
SHORT NOTICE INVITING TENDER

e-NIT No. 13 of 2024-25 RCC UPPER DIVISION KATHUA DATE: 24-12-2024

For and on behalf of Lieutenant Governor of Union Territory Jammu and Kashmir, Executive Engineer Ravi Canal Construction Upper Division Kathua invites E-Tenders from the approved/eligible PWD contractors registered in appropriate class/category for the below noted works.

S. No.	Name of work	Bid Validity	Estimated Cost (Rs. in Lacs)	Earnest Money (In Rs.)	Cost of tender document	Period of Contract	Class of Contractor
1.	Jungle clearance maintenance and other allied works in RTIC Office complex and colony including guest house.	120 days	3.27	6550	600/-	30 days	"A.B.C.D"

OTHER RELEVANT INFORMATIONS:

MH-2701 M&R
Position of Funds: Budgeted in Principle
Position of AA: AA No 04 of 2024-25 Dt: 17/12/2024
Position of TS. Under Process

Important dates:

i) Date of publishing from 24-12-2024 (18:55 Hrs.)
ii) Downloading from 24-12-2024 (18:55 Hrs.)
iii) Uploading from 25-12-2024 (10:00 Hrs.)
iv) Uploading stops 01-01-2025 (18:55 Hrs.)
V) Tender opens on 02-01-2025 (01:00 Hrs.)

1. The bidding documents can be downloaded from the website http://www.jktenders.gov.in from 24-12-2024 (18:55 PM) Onwards.
2. The Bids shall be uploaded in electronic format on the website http://www.jktenders.gov.in from 25-12-2024 (10:00 AM) to 01-01-2025 (06:55 PM).
3. The complete bidding process will be ONLINE.
4. The tender uploaded on the website up to due date and time will be opened on 02-01-2025 (01:00 PM) in the Office of the Executive Engineer RCC Upper Division Kathua in the presence of the bidders who wish to attend. If the office happens to be closed on the date of opening of the bids as specified, the bids will be opened on the next working day at the same time and venue.

No: RCU/3496-3511
Date:24.12.2024

DIP/J-8606/24
Dtd: 26-12-2024

Sd/-
Executive Engineer,
RCC Upper Division
Kathua

संपादकीय

समानांतर सत्ता केंद्र व्यावहारिक नहीं

जम्मू-कश्मीर के लोगों द्वारा चुने गए मुख्यमंत्री के निर्देशों का विरोध करने के लिए यह एक जानबूझकर उठाया गया कदम प्रतीत होता है, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, जो जम्मू विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं, ने हाल ही में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर उमेश राय को तीन साल का सेवा विस्तार दिया है।

यह उल्लेख करना उचित है कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हाल ही में असाधारण परिस्थितियों को छोड़कर पुनर्नियुक्ति, सेवा विस्तार, अतिरिक्त प्रभार और संलग्नक पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने के निर्देश जारी किए हैं। हालांकि सीएम उमर द्वारा दिया गया यह आदेश विशेष रूप से यूटी के सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकार क्षेत्र में आने वाले लोगों के लिए था, लेकिन इस कदम के पीछे का विचार कमोबेश पारदर्शिता लाने और पक्षपात से निपटने के लिए था।

यह पर्याप्त नहीं था क्योंकि एलजी सिन्हा के कार्यालय ने एसकेयूएएसटी-कश्मीर के कुलपति प्रोफेसर नजीर गनई का कार्यकाल भी दो साल के लिए बढ़ा दिया है। एलजी कार्यालय द्वारा लिए गए ऐसे विपरीत निर्णय मुख्यमंत्री कार्यालय और उपराज्यपाल (एलजी) प्रशासन के बीच चल रहे 'संघर्ष' को उजागर करते हैं। निश्चित रूप से, उमर अब्दुल्ला की स्थिति के विपरीत एलजी द्वारा उठाए गए इस कदम ने दो शासकीय प्राधिकरणों के बीच तनाव को जन्म दिया है, जिनमें से एक का नेतृत्व निर्वाचित प्रतिनिधि कर रहे हैं, और दूसरा केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त निकाय द्वारा।

जम्मू-कश्मीर में इन समानांतर सरकारों के बीच चल रहा अघोषित संघर्ष शासन और संस्थागत कामकाज के बारे में महत्वपूर्ण चिंताएँ पैदा करता है। विस्तार जैसे मामलों पर परस्पर विरोधी निर्णय एकजुट शासन की कमी का संकेत देते हैं, जो अंततः सार्वजनिक सेवाओं और नीतियों के प्रभावी वितरण को प्रभावित कर सकता है। इस पूरे मामले में जो बात मायने रखती है, वह है क्षेत्र की आबादी पर पड़ने वाला प्रभाव, क्योंकि यह इस झगड़े के बीच में फंस गया है, जहाँ एलजी सिन्हा और सीएम उमर एक दूसरे से भिड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं और लोग परेशान हैं। फिर भी, समय आ गया है कि सत्ता में बैठे लोगों को शासन के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाकर मिलकर काम करना चाहिए, जो हाल ही में क्षेत्र के विकास और नागरिकों की भलाई के लिए महत्वपूर्ण हो गया है।

उपरोक्त कुलपतियों को सेवा विस्तार देने का मुद्दा निस्संदेह जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल का विशेषाधिकार था, क्योंकि वे शिक्षा के उक्त उच्चतर संस्थानों के प्रमुख हैं, लेकिन क्षेत्र में जो संदेश फैला है, वह बहुत आशाजनक और व्यावहारिक नहीं है। केंद्र शासित प्रदेश का नेतृत्व करने वाले लोगों के विरोधी रुख लोगों को बहुत गलत संकेत देते हैं, जो इन संस्थाओं की ओर बड़ी उम्मीदों के साथ देख रहे हैं कि वे उनकी आकांक्षाओं को पहले की तरह पूरा करेंगे

सहज ऋण प्रवाह ने बदली ग्रामीण जीवन शैली

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

वित्तदायी संस्थाओं तक आम आदमी की सहज पहुंच और संस्थागत व गैर संस्थागत वित्तदायी संस्थाओं द्वारा आसानी से ऋण सुविधा उपलब्ध कराने का परिणाम है कि आज देश के सुदूर गांवों में भी रहन-सहन में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। शहरों में उपलब्ध सुविधाएं अब गांवों में सहजता से उपलब्ध हो रही हैं। ऐसे में ग्रामीणों की रहन-सहन और उनकी सोच में बदलाव आया है। आज कोई भी व्यक्ति साधन-सुविधाओं की ओर देखता है और उन सुविधाओं को पाने के लिए कर्ज भी लेना पड़े तो व्यक्ति दो बार सोचता नहीं। यही समय और सोच का बदलाव है।

सांख्यिकी मंत्रालय की हालिया रिपोर्ट इस बात की गहराई से पुष्टि करती है। भारत सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय की व्यापक वार्षिक माड्यूलर रिपोर्ट के अनुसार शहरों की तुलना में अब गांवों में ऋण लेने वाले अधिक होते जा रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार गांवों में प्रति एक लाख पर 18714 लोगों ने किसी ना किसी तरह का कर्ज लिया है, वहीं शहरी क्षेत्र का यह आंकड़ा ग्रामीण क्षेत्र की तुलना में कुछ कम 17442 है। अच्छी बात यह है कि अब संस्थागत ऋणों की उपलब्धता सहज हो गई है पर गैर संस्थागत ऋण प्रदाताओं ने भी तेजी से पांव पसारे हैं। हालांकि चिंता की बात यह है कि इन गैर संस्थागत ऋण प्रदाताओं में कहीं ना कहीं पुराने साहूकारों की झलक दिखाई देती है। दूसरी चिंता का कारण संस्थागत ऋण में भी इस तरह के ऋणों की ब्याज दर कहीं अधिक है और संस्थागत हो या गैर संस्थागत ऋण, प्रदाता ऋण की एक किश्त भी समय पर जमा नहीं होती है तो दण्डनीय ब्याज, वसूली के नाम पर संपर्क और पत्राचार आदि का खर्चा और इसी तरह के अन्य छुपे चार्जेज ऋण लेने वाले की कमर तोड़ने के लिए काफी हैं।

इसमें दो राय नहीं कि शहरी नागरिकों की तरह ग्रामीण नागरिकों के जीवन स्तर और रहन-सहन में सुधार होना चाहिए। शहरों से किसी भी क्षेत्र में ग्रामीण पीछे नहीं रहने चाहिए। सबसे अच्छी बात यह है कि ग्रामीणों और शहरियों में जीवन स्तर को लेकर जो स्तरीय भेद सामने आता है वह दिन प्रतिदिन कम रहा है।

आज फ्रीज, एयर कण्डीशनर, महंगे एन्ड्रायड मोबाइल या लक्जरी वाहन आसानी से गांवों में देखने को मिल जाते हैं। देखा जाए तो आज पहले वाले गांव नहीं रहे। यह विकास की तस्वीर है। यहां तक कि गांवों में निजी स्कूलों की पहुंच भी हो गई है। आज ग्रामीण भी शहरी नागरिकों की तरह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा, अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं और अच्छे खानपान पर ध्यान देने लगे हैं।

सहज ऋण उपलब्धता के साइड इफेक्ट भी हैं जिन पर ध्यान दिया जाना आवश्यक है। सबसे पहला तो यह कि कुछ इस तरह के ऋण होते हैं जिन्हें होड़ में ले लिया जाता है और उसका सीधा असर कर्ज के मकड़जाल में फंसने की तरह हो जाता है। सांख्यिकी मंत्रालय के आंकड़े यह भी बताते हैं कि ग्रामीण क्षेत्र में ऋण लेने में महिलाएं भी पीछे नहीं हैं और ऋण लेने वाली महिलाओं की संख्या भी बढ़ती जा रही है। दरअसल, ग्रामीण क्षेत्र हो या शहरी क्षेत्र अधिकतर ऋण घरेलू जरूरतों को पूरा करने, बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, खानपान और शानोशौकत से रहने के लिए पहनावे आदि के लिए लिया जाता है। गांव और शहरों में एक अंतर यह है कि शहरों में स्वास्थ्य सेवाएं सरकारी स्तर पर आसानी से उपलब्ध है, वहीं गांवों में स्वास्थ्य और शिक्षा पर अधिक खर्च करना पड़ता है। यही कारण है कि शिक्षा और स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए भी ग्रामीणों को ऋण लेना पड़ता है। यह सब कृषि कार्यों के लिए लिए जाने वाले ऋण से अलग हट कर है। वैसे भी अधिकांश स्थानों पर संस्थागत कृषि ऋण लगभग जीरो ब्याजदर पर या नाममात्र के ब्याज पर उपलब्ध होता है पर नकारात्मक पक्ष यह है कि बिना ब्याज के ऋण को समय पर नहीं चुका कर कर्ज माफी के राजनीतिक जुमले के चलते जीरो ब्याज सुविधा से भी वंचित हो जाते हैं। खैर यह विषय से भटकाव होगा।

शहरों की तरह गांव भी आधुनिकतम सुख-सुविधाओं से संपन्न हो इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती। विकास की गंगा भी सभी तरफ समान रूप से बहनी चाहिए, इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता बल्कि यह सबका सपना है। ग्रामीण क्षेत्र में भी बढ़ते कर्ज के पीछे जो चिंतनीय बात है वह यह है कि कहीं ग्रामीण कर्ज के मकड़जाल में फंस कर कुछ पाने की जगह खो अधिक देंगे, इसकी आशंका अधिक है। इसका बड़ा कारण यह है कि संस्थागत ऋण यानी बैंकों द्वारा दिए जाने वाले ऋण हों या फिर गैर संस्थागत ऋण, परेशानी इनकी वसूली व्यवस्था को लेकर होती है। जितने ऋण देते समय सहृदय होते हैं, ऋण की किश्त की वसूली के समय उतने ही बेदर्द होने में कोई कमी नहीं रहती। शहरों में आए दिन रिकवरी एजेंटों के व्यवहार से दो-चार होते देखने में आ जाते हैं। गांवों में तो वसूली करने वालों के टार्चर के हालात बदतर ही होंगे। ऐसे में समय रहते इस विषय में सोचना होगा। सरकार और इस क्षेत्र में कार्य कर रहे गैर सरकारी संगठनों के सामने बड़ी जिम्मेदारी अवेयरनेस प्रोग्राम चलाने की है।

दरअसल, जब ऋण प्रदाता संस्था से ऋण लिया जाता है तो उस समय जो डाक्यूमेंट होता है वह इतना बड़ा और जटिल होता है कि उसे पूरा देखा ही नहीं जाता है और ऋण दिलाने वाला व्यक्ति निर्धारित स्थानों पर हस्ताक्षर करने पर जोर देता है। पढ़ा-लिखा और समझदार व्यक्ति भी पूरे डाक्यूमेंट से गो थ्रू नहीं होता और परिणाम यह होता है कि बाद में दस्तावेज के प्रावधानों के कारण दो-चार होना पड़ता है। हस्ताक्षर करने से हाथ बंध जाते हैं। सवाल यह कि अभियान चलाकर यह बताया जाना जरूरी है कि ऋण की एक भी किश्त चूक गए तो कितना नुकसान भुगतना पड़ जाएगा और यदि दुर्भाग्यवश दो-तीन किश्त नहीं चुका पाये तो हालात बदतर हो जाएंगे और जिस तरह से किसी जमाने में साहूकार के चंगुल में फंस जाते थे वो ही हालात होने में देर नहीं लगती।

दूसरा यह कि ऋण लेते समय प्राथमिकता भी साफ होनी चाहिए। केवल देखा-देखी ऋण लेने की होड़ भी नुकसानदायक है। गांवों में खेती की जमीन बेच कर अनावश्यक व दिखावे में राशि खर्च करने के दुष्परिणाम सामने हैं। ऐसे में बैंकों और एनजीओ को सामाजिक दायित्व समझते हुए अवेयरनेस प्रोग्राम चला कर लोगों को जागृत करना होगा, नहीं तो कर्ज का यह मर्ज गंभीर रूप लेने में देरी नहीं लगायेगा। जीवन स्तर सुधारने वाली यह सहज वित्त सुविधा साहूकार के कर्ज जाल में फंसने की तरह होकर बहुत कुछ खोने का कारण बन सकती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पाकिस्तान का अफगानिस्तान में एयर स्ट्राइक करना बंद अंधेरी सुरंग में घुसने जैसा

संजीव

पाकिस्तानी वायु सेना के लड़ाकू विमानों की 24 दिसंबर की रात अफगानिस्तान के पूर्वी पाकटीका प्रांत में एयर स्ट्राइक के बाद दोनों देशों के बीच रिश्तों की कड़वाहट लगातार बढ़ रही है। पाकिस्तान ने लड़ाकू विमानों से अफगानिस्तान में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के 4 आतंकी ठिकानों पर बम बरसाने का दावा किया है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी कमांडर शेर जमान, कमांडर अबू हमजा, कमांडर अख्तर मुहम्मद और टीटीपी का मीडिया संगठन उमर मीडिया इन ठिकानों का इस्तेमाल कर रहा था। इस एयर स्ट्राइक से भड़की अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने पाकिस्तान के इस हमले में महिलाओं और बच्चे समेत 15 निर्दोष नागरिकों की जान जाने का दावा किया है। इतना ही नहीं, तालिबान संस्थापक मुल्ला उमर के बेटे और अफगान रक्षामंत्री मुल्ला याकूब ने इस हमले का करारा जवाब देने की पाकिस्तान को चेतावनी भी दे डाली है, जिससे पाकिस्तान-अफगान बॉर्डर पर भारी तनातनी है।

दुनिया को याद है कि इमरान खान की अगुवाई में पाकिस्तानी सरकार ने 15 अगस्त, 2021 को अफगानिस्तान में तालिबानी शासन की वापसी पर जिस तरह उसका ख़ैर मकदम किया था, उससे उम्मीद की जा रही थी कि आने वाले दिनों में दोनों देशों का गठजोड़ आतंक का नया मोर्चा साबित होगा। खासतौर पर भारत इसे लेकर सतर्क था। पाकिस्तान इस उम्मीद के साथ अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के साथ खड़ा था कि नया निजाम तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को नियंत्रित कर लेगा, लेकिन हुआ इसके उलट। अफगानिस्तान ने टीटीपी और पाकिस्तान के मसले से साफ हाथ झाड़ लिया। हालांकि, पाकिस्तान का आरोप रहा है कि अफगानिस्तान सरकार की पनाह और समर्थन से टीटीपी पाकिस्तान के भीतर लगातार आतंकी हमलों को अंजाम दे रहा है। अफगानिस्तान में तालिबान के काबिज होने के बाद पाकिस्तान में टीटीपी की एक्टिविटी बढ़ गई है। बीते दो साल में खैबर पख्तूनख्वाह और बलूचिस्तान में आतंकी घटनाएं ज्यादा बढ़ी हैं। इसकी वजह ये है कि ये अफगानिस्तान बॉर्डर के ज्यादा पास हैं। हालत यह है कि इस साल नवंबर तक टीटीपी पाकिस्तान के दो बड़े प्रांत खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में 785 हमलों को अंजाम दे चुका है। इन हमलों में पाकिस्तानी सेना के 951 फौजियों की मौत हो गई, जबकि 966 लोग जख्मी हुए।

टीटीपी के इन तमाम हमलों से पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार और सेना की खासी फजीहत हुई, क्योंकि पाकिस्तान की सेना पहले ही सीपैक, बलूचिस्तान में बगावत और इमरान खान के समर्थकों से निबटने में बुरी तरह विफल रही है, लेकिन टीटीपी ने हाल ही में जब वजीरिस्तान के मकीन में पाकिस्तान के 30 फौजियों को मार गिराया, तो उसने पाकिस्तानी सेना को टीटीपी के खिलाफ कदम उठाने के लिए मजबूर कर दिया। अगर पाकिस्तान ने 24 दिसंबर को एयर स्ट्राइक न की होती तो आर्मी चीफ आसिम मुनीर के लिए अपनी सेना का मनोबल बनाए रख पाना मुश्किल था। हालांकि, आर्मी चीफ को अंदाजा रहा होगा कि अफगानिस्तान में एयर स्ट्राइक उसके लिए बंद अंधेरी सुरंग में घुसने जैसा है, जिससे गुजरकर दुनिया की दो सुपर पावर रूस और अमेरिका की फौजें शिकस्त खा चुकी हैं। पाकिस्तान की फौजी ताकत और संसाधन, रूस व अमेरिका के मुकाबले क्या हैं, यह सभी को पता है।

अफगान तालिबान से अलग टीटीपी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी को पाकिस्तानी तालिबान भी कहते हैं। इसका मकसद पाकिस्तान में इस्लामी शासन लाना है। अगस्त, 2008 में पाकिस्तानी सरकार ने टीटीपी को बैन कर दिया था, लेकिन इसकी गतिविधियों को रोक पाने में विफल रहा। हमलों की फेहरिस्त देखें तो साल 2008 में इस्लामाबाद के मैरियट होटल और साल 2009 में सेना मुख्यालय पर टीटीपी की तरफ से हमला किया गया था। 2012 में मलाला युसुफजई को निशाना बनाने पर पूरी दुनिया का ध्यान इस संगठन की ओर गया। इसी आतंकी संगठन ने टीटी 2014 में सबसे बर्बर और वीभत्स हमले को अंजाम दिया, जिसमें पेशावर के सैनिक स्कूल में 150 लोगों मार दिया, जिसमें ज्यादातर स्कूली बच्चे थे।

नवंबर, 2021 में पाकिस्तान की सरकार और टीटीपी के बीच सीजफायर समझौता भी हुआ, जिसमें टीटीपी ने उसके समर्थकों को जेल से रिहा करने की मांग की थी। साथ ही कबायली इलाकों से पाकिस्तानी सुरक्षाबलों को हटाने की मांग की गई, लेकिन यह समझौता महीने भर बाद ही टूट गया। इसके बाद एक साल तक सरकार और टीटीपी के बीच बातचीत होती रही और कोई समझौता न होने पर टीटीपी ने फरमान जारी कर दिया कि पाकिस्तान में जहां भी संभव हो, उसके लड़ाके हमला करें।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

क्या कांग्रेस का 'वामपंथीकरण' ही राहुल की नई राजनीति होगी

कमलेश पांडेय

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि यदि उनकी सरकार आई तो सिर्फ जाति जनगणना ही नहीं बल्कि आर्थिक सर्वेक्षण भी होगा। दरअसल, इसके जरिए वह पता लगाएंगे कि किसके पास कितनी संपत्ति है। फिर नई राजनीति शुरू होगी। इससे साफ है कि जेएनयू के युवा वामपंथी नेताओं व कार्यकर्ताओं से भरी कांग्रेस अब उस वामपंथ की राह पर अग्रसर है, जो पूरी दुनिया में राजनीतिक तौर पर अप्रासंगिक हो चुका है ।बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर जाति सर्वेक्षण और आर्थिक समीक्षा की वकालत करते हुए कहा कि इसका मकसद है यह पता लगाना कि किसके पास कितनी संपत्ति है। उन्होंने कहा कि अगर वह सत्ता में आए तो यह भारत का पहला काम होगा। दरअसल, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 卐न्याय मंच-अब इंडिया बोलेगा卐 में छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्रीय सत्ता में आने के बाद उनका पहला कदम आर्थिक सर्वेक्षण के साथ-साथ जाति जनगणना करवाना होगा।

उन्होंने कहा कि देश की 90 प्रतिशत आबादी वाले लोगों को अपनी ताकत का अंदाजा नहीं है और वे इस बात से भी अनजान हैं कि उनके पास भारत की कुल सम्पत्ति में से कितनी संपत्ति है। वे कहते हैं कि उनकी आबादी लगभग 50 प्रतिशत है लेकिन वे यह नहीं जानते कि उनके पास कितनी संपत्ति है। इसलिए हम एक जाति जनगणना करेंगे जिससे ओबीसी अन्य पिछड़ा वर्ग को पता चल जाएगा कि विभिन्न क्षेत्रों में उनकी कितनी भागीदारी है। इससे सच्चाई सामने आ जाएगी।卐 उन्होंने संकेत दिया कि इससे दलितों, अल्पसंख्यकों, आदिवासियों, गरीब सवर्णों को भी उनकी वास्तविक स्थिति का पता चल जाएगा।

वहीं, एक युवा के सवाल का जवाब देते हुए राहुल गांधी ने कहा, 卐आज क्या हो रहा है कि ओबीसी को मूर्ख बनाया जा रहा है और उन्हें बहुत कुछ बताया जा रहा है, लेकिन मुख्य मुद्दा यह नहीं है कि किसके पास कितनी संपत्ति है। जाति जनगणना के साथ साथ होने वाले आर्थिक सर्वेक्षण से पूरे देश को यह पता लग जाएगा कि हिंदुस्तान का धन कहां है, किसके हाथ में है, पिछड़ों के हाथ में कितना, दलितों के हाथ में कितना, अल्पसंख्यकों के हाथ में कितना, गरीब सामान्य वर्ग और महिलाओं के हाथ में कितना धन है। सबके सामने पूरा साफ हो जाएगा। उसके बाद न्यू पॉलिटिक्स शुरू होगी। उसके बाद ये लोग कहेंगे कि मेरे पचास परसेंट लोग हैं, जबकि मेरे पास 2 परसेंट धन है। इसलिए मुझे 50 परसेंट धन चाहिए। सीधी-सी बात होगी। ये हमारी सोच है, जाति जनगणना पहला कदम है। ये सिर्फ जाति जनगणना नहीं होगी बल्कि ये आर्थिक सर्वे भी होगा।

हालांकि, राहुल गांधी की टिप्पणी पर भाजपा के सोशल मीडिया प्रमुख अमित मालवीय ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि राहुल गांधी अपने बेहद खतरनाक और भ्रामक विचारों से देश को कहां ले जाना चाहते हैं? वहीं, राजनीतिक मामलों के जानकार बताते हैं कि अब साफ है कि मुस्लिम परस्त राजनीति करने वाले राहुल गांधी अपनी राजनीतिक जागीरदारी पुनः पाने के लिए जिस तरह से ओबीसी, दलित, आदिवासी, गरीब सवर्ण और महिलाओं को उनके हिस्से की संपत्ति मौजूदा अमीरों से लेकर देना चाहते हैं, उससे विदेशी निवेश प्रभावित होगा। धनी लोग अपनी संपत्ति विदेशों में शिफ्ट करने लगेंगे। इससे हर ओर असंतोष फैलेगा और देश में अरब देशों की तरह गृह युद्ध होगा, क्योंकि इतनी आसानी से लोग अपनी सम्पत्ति छोड़ने वाले नहीं हैं।

राहुल गांधी को यह पता होना चाहिए कि देश में अब ग्राम भूमि सवर्णों से ओबीसी-दलितों-अल्पसंख्यकों-आदिवासियों की ओर हस्तांतरित होती जा रही है। यह कांग्रेस की सरकारों की नीतियों और उनको हटाकर विकसित हुई समाजवादी राजनीति करने वाले दलों की नीतियों की करामात है। वहीं, शहरों की ओर शिफ्ट हो रहे सवर्णों के पास शहरी सम्पत्ति बढ़ी है, लेकिन ओबीसी-दलितों-आदिवासियों-अल्पसंख्यकों आदि ने भी ऐसी नई सम्पत्ति खूब बनाई है। इससे संपत्ति के समान बंटवारे का उनका विचार पिछले लोकसभा चुनाव 2024 की तरह ही उन पर भारी पड़ जाएगा। क्योंकि तब वह केंद्रीय सत्ता में आते आते यदि चूक गए तो उसके पीछे उनकी इन्हीं बयानबाजियों का हाथ है।

देखा जाए तो मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में सरकारी नौकरियों में जातीय आरक्षण जैसे निकृष्ट विचार के बाद जनसंख्या आधारित संपत्ति के बंटवारे का विचार कांग्रेस का ऐसा जाहिल विचार है जो भारत के विकास को पुनः अवरुद्ध कर देगा। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस रणनीतिकार चीनी-रूसी सांठगांठ से प्रभावित और सीआईए-आईएसआई के बैक डोर पॉलिसी आधारित षड्यंत्रों से अनुप्राणित हैं, जिनका मकसद है कि अमेरिका, रूस, चीन के समकक्ष स्तर तक उठ चुके मोदी युगीन भारत को उलजुलूल सियासी विवादों में फंसाकर पीछे धकेल दिया जाए। यदि इसे समझने में राहुल गांधी नादानी दिखा रहे हैं तो यह एक खतरनाक राजनीतिक ट्रेंड है, जिस ओर भाजपा भी इशारा कर चुकी है।

वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि जातीय जनगणना और आर्थिक सर्वेक्षण की मांग पर अड़े रहने से राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव 2029 में बहुमत भी मिल सकता है, क्योंकि मुफ्तखोर राजनीति एक बार फिर से परवान चढ़ती जा रही है। जब हजार-दो हजार की गारंटी देने वाले दलों पर मतदाता फिदा हो सकते हैं तो यहां पर तो राहुल गांधी संपत्ति ही देने-दिलाने के कोरे आश्वासन दे रहे हैं। वैसे भी फ्री उपहार की राजनीति आप, कांग्रेस होते हुए यह भाजपा व अन्य दलों तक पहुंच चुकी है।

हालांकि, अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि कभी संविधान, कभी जातीय जनगणना और कभी आर्थिक सर्वेक्षण के राग अलाप कर राहुल गांधी सियासी भूल-पर-भूल करते जा रहे हैं। दरअसल, भाजपा और मोदी को कमजोर करने की जल्दबाजी में वह जिस तरह से क्षेत्रीय दलों के मुद्दों पर सियासी बॉलिंग करने की भूल कर रहे हैं, इससे क्षेत्रीय दल पुनः मजबूत होंगे, जो उनकी राष्ट्रीय राजनीति और अंतरराष्ट्रीय छवि को मटियामेट कर देंगे। क्योंकि उन्हें यह पता होना चाहिए कि ओबीसी-दलित नेताओं को कमजोर कांग्रेस पसंद है, मजबूत नहीं। इंडिया गठबंधन को गत लोकसभा चुनाव 2024 में मिली आंशिक सफलता के बाद नेतृत्व के सवाल पर मचा घमासान उनकी आंख खोलने को काफी है।

इसके अलावा, राहुल गांधी को संपत्ति के बारे में अपने विचार भी स्पष्ट कर देने चाहिए क्योंकि संपत्ति दो तरह की होती है- चल सम्पत्ति और अचल संपत्ति। देशी संपत्ति और विदेशी सम्पत्ति। व्यक्तिगत संपत्ति और संस्थागत सम्पत्ति। राष्ट्रीय संपत्ति और निजी संपत्ति। नामी सम्पत्ति और बेनामी सम्पत्ति। भूमि संपत्ति और मौद्रिक संपत्ति। मकान, दुकान, कोठी, फैक्ट्री, स्वर्णाभूषण आदि। विभिन्न प्रकार के वाहन, मशीन, गैजेट्स आदि। आजकल राजनीतिक दल, कम्पनी, एनजीओ, ट्रस्ट, फर्म, स्कूल, कॉलेज, विश्विद्यालय, रेस्टोरेंट, होटल आदि भी बहुत बड़ी संपत्ति बन चुकी हैं। चर्चा है कि ये सम्पत्ति पहले कांग्रेसी नेताओं व उसके समर्थकों के पास ज्यादा थी, जिसे बचाने के लिए लोग भाजपाई या समाजवादी बन चुके हैं। कुछ लोग तो दलितवादी या आदिवासी दलों से भी जुड़ चुके हैं। इसलिए राहुल को बताना चाहिए कि वो किस-किस चीज की गणना करेंगे। सबसे बड़ी बात शिक्षा और हुनर जो मानव संसाधन है, उससे ही उपर्युक्त सम्पत्ति खड़ी होती है, उसका बंटवारा कैसे करेंगे।

दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस महासचिव राहुल गांधी, जो अक्सर अपने बयान के चलते सुर्खियों में रहते हैं, उनका एक बयान ही अब उन पर भारी पड़ रहा है।

क्योंकि यूपी के बरेली जिले की एक अदालत ने उन्हें आर्थिक सर्वेक्षण संबंधी बयान को लेकर नोटिस जारी किया है। जिसके मुताल्लिक राहुल गांधी को सात जनवरी 2025 को कोर्ट में पेश होने के लिए कहा है। अधिवक्ता वीरेन्द्र पाल गुप्ता ने बताया कि बरेली जिला एवं सत्र न्यायालय ने बयान को लेकर गत शनिवार को गांधी को नोटिस जारी किया और सुनवाई के लिए सात जनवरी 2025 की तारीख तय की है।

बता दें कि बरेली के सुभाषनगर के निवासी और अखिल भारतीय हिंदू महासंघ के मंडल अध्यक्ष पंकज पाठक ने अधिवक्ताओं गुप्ता और अनिल द्विवेदी के जरिए राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए सांसद-विधायक अदालत एमपीएमएलए कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे अदालत ने 27 अगस्त को निरस्त कर दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए सत्र अदालत में पुनर्विचार याचिका दायर की गई। क्योंकि राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि अगर इंडिया गठबंधन की सरकार आई तो हम आर्थिक सर्वेक्षण कराएंगे। इस सर्वे के आधार पर संपत्ति का बंटवारा होगा। जिसकी भागीदारी अधिक होगी अगर उसकी संपत्ति कम है को कम आबादी जिसकी संपत्ति ज्यादा है, उससे लेकर कम संपत्ति वालों को दी जाएगी। इसलिए राहुल के इस बयान का काफी विरोध हो रहा था।

उल्लेखनीय है कि इसके पहले कांग्रेसी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यकाल में ही सम्पत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकार की श्रेणी से हटा दिया गया था, जिसकी तब खूब आलोचना हुई थी। वैसे आपातकाल के दौरान भी वामपंथियों ने कांग्रेस का साथ दिया था। हल पटक दो खेत हमारा- वाले नारे और सिक्किमी कानून को भी कांग्रेस का समर्थन हासिल था, जो रूस से उसकी दोस्ती का प्रतिफल था। उसके और उसके समाजवादी मित्रों के कार्यकाल में नक्सलवाद, अलगाववाद और आतंकवाद भी खूब फला-फूला। इसलिए कांग्रेस को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए, अन्यथा वह वामपंथियों की तरह कांग्रेस मुक्त भारत के सपने को पूरा करने में खुद ही अपना बड़ा योगदान देगी।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

पीकेएल सीजन 11 के प्लेऑफ की शुरुआत, शीर्ष 6 कोचों ने की युवा सितारों की प्रशंसा

एजेंसी

पुणे। पीकेएल सीजन 11 का प्लेऑफ सप्ताह 26 दिसंबर से शुरू हो रहा है। पीकेएल का बैटल रॉयल श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बालेवाड़ी, पुणे से शुरू होगा। पहला मुकाबला हरियाणा स्टीलर्स और यूपी योद्धाओं के बीच होगा। दोनों टीमों ने कभी खिताब नहीं जीता है। वहीं, तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स, सीजन 8 की विजेता दबंग दिल्ली के.सी., सीजन 1 और 9 की खिताब धारक जयपुर पिंक पैंथर्स और सीजन 2 की चैंपियन यू मुंबा की टीमें भी लीग चरण के आखिरी गेम के साथ प्लेऑफ के लिए क्वालीफिकेशन सुनिश्चित कर सकें। इस प्रकार की कड़ी टक्कर से स्पष्ट है कि यह सीज़न कितना प्रतिस्पर्धी रहा है। कबड्डी के खेल के छह कोच मनप्रीत सिंह (हरियाणा स्टीलर्स), जोगिंदर नरवाल (दबंग दिल्ली के.सी.), जसवीर सिंह (यूपी योद्धा), नरेंद्र रेधु (पटना पाइरेट्स), घोलमरेजा माज़ंदरानी (यू मुंबा) और संजीव बालियान (जयपुर पिंक पैंथर्स) ने पंगा राउंडटेबल में विस्तार से बात की और पीकेएल सीज़न 11 के विभिन्न पहलुओं पर बात की।

महेश्वरी और अनंतजीत ने राजस्थान के लिए स्कीट मिश्रित टीम का राष्ट्रीय खिताब जीता

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाली महेश्वरी चौहान और अनंतजीत सिंह नारुका की जोड़ी ने अपने राज्य राजस्थान के लिए स्कीट मिश्रित टीम का राष्ट्रीय खिताब जीतकर साल का अच्छा समापन किया। 67वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिता के दौरान डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (डीकेएसएसआर) में खेले गए फाइनल में इस जोड़ी ने उत्तर प्रदेश के मेराज अहमद खान और अरेबा खान को 44-43 के करीबी स्कोर से हराया। पंजाब की गनेमत सेकॉन और अभय सिंह सेकॉन की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता। इससे पहले दिन में, महेश्वरी और अनंतजीत ने तीन 25-शॉट राउंड में क्रमशः 72 और 71 का स्कोर करके सात टीमों के क्वालिफिकेशन राउंड में शीर्ष स्थान हासिल किया। तीन टीमें- ग़नेमत और अभय, हरियाणा के इशान लिब्रा और रायज़ा ढिल्लों, और मेराज और अरेबा ने 141 के समान स्कोर किया, जिसके बाद उत्तर प्रदेश की जोड़ी ने आठ लगातार लक्ष्य साधकर तीन-तरफा शूट-ऑफ में जीत हासिल की और स्वर्ण के लिए मुकाबला करने का अधिकार प्राप्त किया। महेश्वरी और अनंतजीत ने आत्मविश्वास से भरे हुए फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और छह श्रृंखलाओं के दौरान लगातार नेतृत्व बनाए रखा, लेकिन महेश्वरी को उनके शॉट समय की सीमा पार करने के कारण चेतावनी मिलने और ध्यान की कमी ने अंत में इसे और भी करीब बना दिया।

खेलों के माध्यम से खिलाड़ी अपने शहर, राज्य और राष्ट्र का नाम रोशन करते हैं : प्रिया अग्रवाल

मुरादाबाद। मंडलीय ओलम्पिक संघ एवं क्षेत्रीय खेल कार्यालय के तत्वावधान में मंडल स्तरीय बालक-बालिका बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन किया गया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल ने खिलाडियों को पुरस्कार वितरण करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से खिलाड़ी अपने शहर, राज्य और राष्ट्र का नाम रोशन करते हैं। हम सभी को खिलाड़ियों का हमेशा उत्साहवर्धन करना चाहिए। इस टूर्नामेनट में मंडल के विभिन्न जिलों के लगभग 250 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। उप ओलम्पिक संघ के क्षेत्रीय सचिव डॉ. अजय पाठक ने मंडल स्तरीय बालक-बालिका बैडमिंटन प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा करते हुए बताया कि अंडर-15 बालक डबल्स में विजेता रहे अशिमत कुमार (शिरडी सॉई), शिवम शर्मा (सोनकपुर स्टेडियम) की जोड़ी ने यश चौहान जीके बेलहम एवं विशिष्ट चतुर्वेदी (स्प्रिंगफील्ड) की जोड़ी 21-15, 12-21, 21-18 से हराकर चौम्पियन बना। अंडर-15 बालक सिंगल्स विशिष्ट चतुर्वेदी (स्प्रिंगफील्ड) ने यश चौहान (जीके बेलहम) को 21-12, 12-21, 21-17 से हराकर चौम्पियन बना। अंडर-19 बालक डबल्स पीयूष आहुजा एवं शौर्य मिश्रा (स्टेडियम) की जोड़ी ने अनन्त कपूर (गोल्डन गेट) एवं मयंक यादव (स्टेडियम) की जोड़ी को 15-21, 21-19, 24-22 से हराकर चौम्पियन बना। अंडर-19 बालक सिंगल्स मंयक यादव (स्टेडियम) ने पीयूष आहुजा (स्टेडियम) को 21-15, 15-21, 21-19 से हराया। अंडर 15 बालिका डबल्स अवनी सिंह (एस0एससीए) एवं श्रेया सिंह ने अदिति सिंह (केन्द्रीय विद्यालय) एवं मानसी (मैथोडिस्ट) 21-12, 10-21, 21-19 से हराया। अंडर-19 बालिका डबल्स अवनी सिंह (एसएससीए) एवं अक्षिता (पीएमएस) ने अराधना शर्मा एवं प्रियांशी यादव 21-15, 21-18 से हराया।

राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण व रजत पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों का स्वागत

मुरादाबाद। मेरठ के मिलेनियम पब्लिक स्कूल में आयोजित हुई एक दिवसीय राज्यस्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण व रजत पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों का आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी में स्वागत अभिनंदन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 15 से अधिक जिलों के 300 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। रोलर स्केटिंग के कोच शाहवेज अली ने बताया कि आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी मुरादाबाद के चार खिलाड़ियों ने 22 दिसंबर को मेरठ में हुई एक दिवसीय राज्यस्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया था।

खेलों की दुनिया में पंजाब के नाम रहा साल 2024

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब सरकार द्वारा खेलों के क्षेत्र में किए गए उपक्रमों के चलते देश भर में साल 2024 राज्य के नाम रहा है। पंजाब को खेलों के क्षेत्र में देश का नंबर एक राज्य बनाने और राज्य में खेल संस्कृति पैदा करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान, जिनके पास खेल विभाग भी है, द्वारा साल 2023 में बनाई गई नई खेल नीति को जमीनी स्तर पर लागू करने के साथ ही साल 2024 में इस नीति के सार्थक परिणाम सामने आए हैं।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस साल पेरिस ओलंपिक में भारत के कुल 100 खिलाड़ियों में से 19 अकेले पंजाब के थे। इनमें 10 हॉकी खिलाड़ी, छह निशानेबाजी, दो एथलेटिक्स और एक गोल्फ के थे। इसके अलावा तीन पंजाबी खिलाड़ियों ने पेरिस पैरालंपिक में हिस्सा लिया जिनमें एक पैरा एथलीट, एक पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी और एक पैरा पावर लिफ्टर थे। नई खेल नीति के तहत 22 खिलाड़ियों को तैयारी के लिए 15 लाख रुपए प्रति खिलाड़ी के हिसाब से कुल 3.30 करोड़ रुपए दिए गए।

साल 2024 के पेरिस ओलंपिक में इतिहास रचते हुए भारतीय हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीता। इसमें 8 खिलाड़ी पंजाब के थे। मुख्यमंत्री ने

पंजाब का नाम रोशन करने वाले इन खिलाड़ियों को प्रति खिलाड़ी एक करोड़ रुपये के इनाम के हिसाब से कुल 8 करोड़ की राशि के साथ सम्मानित किया। दो पंजाबी हॉकी खिलाड़ी रिजर्व थे जिन्हें 15-15 लाख रुपए दिए। इसके अलावा ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले बाकी नौ खिलाड़ी और तीन पैरा खिलाड़ियों को भी हिस्सा लेने के लिए 15 लाख रुपए प्रति खिलाड़ी के साथ सम्मानित किया गया। इस तरह पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक के कुल 22 पंजाबी खिलाड़ियों को तैयारी, इनाम और हिस्सा लेने की राशि मिलाकर कुल 13.10 करोड़ रुपए की राशि वितरित की गई। पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम का कप्तान हरमनप्रीत सिंह 10 गोलों के साथ ओलंपिक का शीर्ष स्कोरर भी बना जिसने पंजाबियों का नाम दुनिया भर में चमकाया। इस साल पंजाब के 11 नामी खिलाड़ियों को पी.सी.एस. और डी.एस.पी. की नौकरियां दी गई। इनमें नौ हॉकी खिलाड़ियों में से चार खिलाड़ियों हार्दिक सिंह, रुपिंदर पाल सिंह, सिमरनजीत सिंह और गुरजंत सिंह को पी.सी.एस. और पांच हॉकी खिलाड़ियों हरमनप्रीत सिंह, मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, शमशेर सिंह और वरुण कुमार तथा एक एथलीट तेजिंदर पाल सिंह तूर और एक क्रिकेटर हरमनप्रीत कौर को डी.एस.पी. लगाया गया। मुख्यमंत्री ने खेलों को और प्रफुल्लित करने के लिए साल 2023 में नई खेल नीति लागू की। इस नीति के तहत बेहतर कोचिंग, खेल सामान और रिफ्रेशमेंट वाली क्लस्टर स्तर की 1000 खेल नर्सरियां स्थापित की जानी है। साल 2024 में पहले चरण में 260 नर्सरियां बनाने का काम शुरू किया जा चुका है जो जल्द ही क्रियान्वित होंगी। मुख्यमंत्री ने पंजाब में पहली बार 'खेडां वतन पंजाब दीयां' की शुरुआत की ताकि उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका दिया जा सके। साल 2024 में 'खेडां वतन पंजाब दीयां' का तीसरा सीजन सफलतापूर्वक करवाया गया जिसमें पांच लाख के करीब खिलाड़ियों ने 37 खेलों के नौ आयु वर्गों में हिस्सा लिया।

महज 14 साल की उम्र में भारतीय स्क्वैश टीम में जगह बनाने वाली अनिका ने कहा- भारत के लिए खेलना एक सपना सच होने जैसा

एजेंसी

नई दिल्ली। महज 14 साल की उम्र में, अनिका दुबे, जिन्हें प्यार से पुणे की गोल्डन गर्ल के नाम से जाना जाता है, ने फरवरी 2025 में हांगकांग में होने वाली आगामी एशियाई टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाकर एक असाधारण उपलब्धि हासिल की है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि उन्हें इस तरह के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली महाराष्ट्र की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनाती है।

अपनी इस उपलब्धि पर अनिका ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत की। उन्होंने इस दौरान अपनी अब तक की यात्रा पर विस्तार से बताया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने को लेकर अनिका ने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना न केवल एक शानदार अवसर है, बल्कि एक रोमांचक अनुभव भी है। यह एक सपने के सच होने जैसा है। स्क्वैश को अब ओलंपिक 2028 में शामिल कर लिया गया है, इसलिए खिलाड़ियों के लिए तैयारी शुरू करने और एक मजबूत टीम बनाने का यह एक रोमांचक समय है। मेरा मानना ??है कि दृढ़ता और समर्पण रास्ते में आने वाली किसी भी कठिनाई को दूर करने में मदद कर सकता है।

अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए अनिका ने कहा, शुरू में, पढ़ाई और खेल के बीच संतुलन बनाना एक चुनौती थी। मुझे कई रातें देर से पढ़ाई और सुबह जल्दी प्रशिक्षण सत्र की याद है। हालांकि, मैंने आखिरी क्षण तक इंतजार करने के बजाय पहले से अच्छी तरह से अध्ययन करके अपने समय प्रबंधन कौशल में सुधार किया। इससे मुझे आगे रहने और दोनों प्रतिबद्धताओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिली।

एशियाई स्क्वैश टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने पर परिवार की क्या प्रतिक्रिया थी? इस सवाल पर अनिका ने कहा, मेरा परिवार, खासकर मेरा छोटा भाई, सिर्फ़ सहायक ही नहीं रहा है। वह हर मैच में मेरा उत्साहवर्धन करता है, और मैदान के किनारे से अपने परिवार का प्रोत्साहन देखकर मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए गर्मजोशी और प्रेरणा की भावना से भर देता है।

अपना पहला मैच खेल रहे सैम कोंस्टास ने ऑस्ट्रेलिया को दिलाई तूफानी शुरुआत, जड़ा अर्धशतक

एजेंसी

मेलबर्न। अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास के बेहतरीन अर्धशतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत यहां खेले जा रहे बॉक्सिंग टेस्ट मैच के पहले दिन लंच तक 1 विकेट पर 112 रन बना लिए हैं। उस्मान ख्वाजा 38 और मार्नस लाबुशेन 12 रन बनाकर खेल रहे हैं। कोंस्टास ने 65 गेंदों पर 60 रनों की रोमांचक अर्धशतकीय पारी खेली। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सैम कोंस्टास ने उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। विशेषकर कोंस्टास ने टी-20 प्रारुप की तरह बल्लेबाजी करनी शुरु की। उन्होंने खासकर बुमराह पर निशाना साधा और उनकी जमकर खबर ली। देखते ही देखते उन्होने अपना अर्धशतक भी पूरा कर लिया। ख्वाजा और कोंस्टास ने 19.1 ओवर में 89 रन

जोड़ लिये। रवींद्र जडेजा ने इसी स्कोर पर कोंस्टास को एलबीडब्ल्यू कर यह साझेदारी तोड़ी। कोंस्टास ने 65 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के की बदौलत 60 रन बनाए। इसके बाद उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन ने लंच तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। ख्वाजा 38 और लाबुशेन 12 रन बनाकर खेल रहे हैं। बता दें कि इस मैच के लिए भारत ने अपनी टीम में एक बदलाव किया है। शुभमन गिल को बाहर किया गया है और उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका मिला है, वहीं, कप्तान रोहित शर्मा मैच में ओपनिंग करेंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने नाथन मैकस्विनी की जगह सैम कोंस्टास को टीम में शामिल किया है।

संजय मांजरेकर ने मेलबर्न टेस्ट में भारतीय टीम के चयन की आलोचना की, कहा-गिल को बाहर करना कठोर कदम

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बॉक्सिंग डे टेस्ट में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम के चयन की आलोचना की और कहा कि बल्लेबाज शुभमन गिल को प्लेइंग इलेवन से बाहर करना एक गलत और कठोर फैसला था। टॉस के समय भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने पुष्टि की कि शुभमन गिल बॉक्सिंग डे टेस्ट से बाहर रहेंगे और वाशिंगटन सुंदर ने प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह बनाई है।

कप्तान ने यह भी कहा कि वह शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर मांजरेकर ने कहा कि एमसीजी में टीम इंडिया के लिए प्लेइंग इलेवन का चयन अजीब था। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि गिल को बाहर करने और वाशिंगटन सुंदर को शामिल करने के

फैसले से न तो गेंदबाजी मजबूत हुई और न ही बल्लेबाजी। उन्होंने एक्स पर लिखा, प्लेइंग इलेवन का चयन अजीब है। नॉन-टर्निंग पिच पर किए गए बदलाव से न तो गेंदबाजी मजबूत हुई और न ही बल्लेबाजी। गिल को बाहर करना कठोर है। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन में अनकैप्ड अंडर-19 बैटिंग सेंसेशन सैम कोंस्टास शामिल थे, जिन्होंने उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग की।

भारत प्लेइंग इलेवन: यशस्वी जायसवाल, रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), रवींद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में अश्विन के रिकार्ड की बराबरी की

एजेंसी

दुबई। भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजी में 904 रेटिंग अंक हासिल कर हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले रविचंद्रन अश्चिन के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अब तक कुल 21 विकेट हासिल किए हैं और इसके चलते उन्होंने शीर्ष स्थान पर 48 रेटिंग अंकों के अंतर से अपनी बढ़त बढ़ाई है। कगिसो रबाडा 856 रेटिंग अक दूसरे और जॉश हेजलवुड 852 रेटिंग अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। पैट कमिंस 822 रेटिंग अंक के साथ चौथे, रविचंद्रन अश्विन 789 रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर है। इसके अलावा मैट हैनरी (782) छठे, नाथन लायन (770) सातवें,

प्रभात जयसूर्या (768) आठवें , नोमान अली (759) नौवें और रवींद्र जडेजा (755) रेटिंग अंक के साथ दसवें स्थान पर है। मोहम्मद सिराज एक स्थान के फायदे के साथ 24वें पायदान पर पहुंच गए हैं। जबकि पिछले टेस्ट की पहली पारी में 152 रनों की पारी खेलने वाले ट्रैविस हेड यशस्वी जायसवाल को पछाड़ते हुए बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

शीर्ष स्थान पर जो रूट का कब्जा है। गाबा टेस्ट के एक अन्य शतकवीर स्टीव स्मिथ भी शीर्ष 10 में वापसी हुई हैं। स्मिथ ने पिछले मैच में 101 रनों की पारी खेली थी।

जबकि 70 और 20 नाबाद रनों की पारी खेलने वाले ऐलेक्स कैरी 11 पायदान की छलांग के साथ 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल 10 पायदान की छलांग के साथ 40वें जबकि रवींद्र जडेजा नौ पायदान की छलांग के साथ 42वें स्थान पर आ गए हैं।

पंजाब एफसी को अपने अगले घरेलू मुकाबले में मोहन बागान के विरुद्ध जीत की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। अपने घरेलू मैचों में अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली पंजाब एफसी को पिछले दो बाहरी मैचों में हार का सामना करना पड़ा था परंतु अपने घरेलू प्रदर्शन के दम पर शेर (पंजाब एफसी) मोहन बागान के विरुद्ध अपने अगले घरेलू मैच में जीत हासिल करना चाहती है। पंजाब एफसी 2024 का अपना अंतिम मैच खेलते हुए कल, गुरुवार को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में लीग टॉपर्स मोहन बागान सुपर जायंट से भिड़ेंगे। पंजाब वर्तमान में सातवें स्थान पर है, 6 जीत से 18 अंकों के साथ, और कोलकाता की इस मजबूत टीम के खिलाफ जीत हासिल कर अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को मजबूत करना चाहेगा। बॉक्सिंग डे का यह मुकाबला शाम 7ः30 बजे शुरू होगा। मैच से पहले बात करते हुए, पंजाब एफसी के मुख्य कोच पानायोटिस डिलमपेरिस ने कहा, हर मैच एक रणनीतिक प्रक्रिया है, यह कभी भी केवल एक खिलाड़ी या टीम पर निर्भर नहीं होता। हमारा ध्यान खिलाड़ियों, विशेष रूप से युवा खिलाड़ियों का समर्थन करने पर है। हमारे पास एक स्पष्ट योजना है, और वह कल मैदान पर दिखाई देगी। कोई तनाव नहीं है, कोई दबाव नहीं है, हम कल के मैच में आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे। दोनों टीमें, जिन्होंने हाल ही में अपने बाहरी फिक्सचर में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, जीत के इरादे से मैदान में उतरेंगी। हालांकि, पंजाब को घरेलू मैदान पर खेलने का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। दोनों टीमें चोटों और निलंबनों के कारण अपने कुछ महत्वपूर्ण खिलाड़ियों के बिना खेलेंगी, लेकिन फिर भी यह मुकाबला दोनों तरफ से उच्च गुणवत्ता वाले फुटबॉल का प्रदर्शन करने का वादा करता है।

वेस्ट ब्रोम छोड़ने के बाद कार्लोस कोरबेरन ने संभाली वालेंसिया की कमान

एजेंसी

मैड्रिड। ला लीगा के संयुक्त निचले क्लब वालेंसिया ने कार्लोस कोरबेरन को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। इंग्लिश चैम्पियनशिप टीम वेस्ट ब्रोमविच एल्बियन को छोड़कर आए 41 वर्षीय कोरबेरन रुबेन बाराजा की जगह लेंगे। पूर्व कोच रुबेन बाराजा को सोमवार को बर्खास्त कर दिया गया था।

इससे पहले वालेंसिया ने अपने घरेलू मैदान पर अलावेस के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था। इस मैच से पहले टीम ने अपने पहले 17 मैचों में केवल 12 अंक ही अर्जित किए थे। माना जा रहा है कि वालेंसिया ने कोरबेरन के रिलीज क्लॉज के लिए करीब तीन मिलियन यूरो का भुगतान किया है। वेस्ट ब्रोम ने एक बयान में पुष्टि की, एल्बियन ने कार्लोस कोरबेरन के क्लब छोड़ने और ला लीगा की टीम वालेंसिया के साथ एक नया अवसर तलाशने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमति जताई है। 41 वर्षीय खिलाड़ी

हमारे आभार के साथ अपने वतन लौटने के लिए तैयार है। वहीं, कोरबेरन ने कहा कि यह निर्णय मेरे जीवन का सबसे कठिन निर्णय था। उन्होंने कहा, इस विशेष क्लब के लिए मेरे दिल में हमेशा एक जगह रहेगी और मुझे उम्मीद है कि एक दिन मैं आप सभी के अविश्वसनीय समर्थन के लिए धन्यवाद देने के लिए वापस आ पाऊंगा। वेस्ट ब्रोम में अपने कार्यकाल के दौरान, कोरबेरन ने अपने पहले सीज़न में क्लब को नौवें और पिछले सीज़न में इसे पांचवें स्थान पर पहुंचाया, जबकि वर्तमान में यह चैम्पियनशिप तालिका में सातवें स्थान पर है।

कोलंबो में होने वाली दिव्यांग क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेगी भारतीय टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) ने कहा है कि 12 से 21 जनवरी तक श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित

होने वाली दिव्यांग क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम हिस्सा लेगी। इस टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान श्रीलंका और इंग्लैंड भाग ले रहे है। इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से पहले भारतीय टीम जयपुर में प्रशिक्षण शिविर में भाग लेगी। शिविर के दौरान अंतिम टीम का चयन किया जाएगा। चारों टीमों के बीच दो-दो मैच खेले जायेंगे।

टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 12 जनवरी को भारत और पाकिस्तान की टीम के बीच खेला जायेगा। 13 जनवरी को भारतीय टीम इंग्लैंड से भिड़ेगी। 15 जनवरी को भारत का मुकाबला श्रीलंका से होगा। इसके बाद 16 जनवरी को फिर भारत और पाकिस्तान के बीच दूसरा मैच होगा। 18 जनवरी को भारत बनाम इंग्लैंड और 19 जनवरी को भारत बनाम श्रीलंका का मैच होगा। टूर्नामेंट का फाइनल 21 जनवरी को खेला जायेगा।

रोहन बोपन्ना और सुमित नागल के लिए खास रहा वर्ष 2024

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्ष 2024 भारतीय टेनिस के लिए उतार-चढ़ाव वाला रहा, लेकिन कुछ ऐसे क्षण भी थे जो उल्लेखनीय रहे और एक उज्जवल भविष्य की उम्मीदों को जीवित रखा, विशेषकर रोहन बोपन्ना का ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताब जीतने के सिलसिले ने उन्हें पुरुष युगल में पहली बार विश्व नंबर 1 बनने वाला सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बना दिया और सुमित नागल ने एटीपी टॉप 100 में प्रवेश किया।

बोपन्ना की ऑस्ट्रेलियन ओपन की जीत

19 अलग-अलग जोड़ीदारों और 61 प्रयासों के बाद, बोपन्ना ने आखिरकार पुरुष युगल ग्रैंड स्लैम खिताब जीत लिया, जिसकी तलाश वह तब से कर रहे थे, जब उन्होंने 22 साल पहले चेन्नई में युगल में एटीपी टूर की शुरुआत की थी। बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू

एबडेन ने मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में इटली के सिमोन बोलेली और एंड्रिया वावस्सोरी को 7-6(0), 7-5 से हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता। इस उपलब्धि ने बोपन्ना को पहली बार पुरुष युगल में विश्व नंबर 1 खिलाड़ी बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी और ओपन युग में मेजर खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति बना दिया। उन्हें चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री पुरस्कार के लिए भी चुना गया।

एशियन युवा-जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2024 में भारतीय टीम ने जीते 33 पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दल ने दोहा, कतर में एशियाई युवा और जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2024 में अपने अभियान का समापन किया, जिसमें कुल 33 पदक हासिल किए। चैंपियनशिप में 40 श्रेणियों में प्रतियोगिताएं हुईं, जिनमें से प्रत्येक में जूनियर और युवा स्तर पर 20 प्रतियोगिताएं थीं। स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल मिलाकर प्रत्येक भारोत्तोलन श्रेणी में पदक अलग-अलग प्रदान किए गए। भारत के युवा भारोत्तोलकों (13 से 17 वर्ष की आयु) ने नेतृत्व करते हुए सभी सात स्वर्ण सहित 21 पदक जीते। जूनियर भारोत्तोलकों (15 से 20 वर्ष की आयु) ने तालिका में 12 पदकों का योगदान दिया। उत्तर प्रदेश की 16 वर्षीय ज्योशना सबर ने पहले दिन सुर्खियां बटोरीं। महिलाओं के युवा 40 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए, ज्योशना ने कुल 135 किग्रा (60 किग्रा स्नैच + 75 किग्रा क्लीन एंड जर्क) उठाकर तीन स्वर्ण पदक जीते, जिससे कुल मिलाकर एक नया एशियाई रिकॉर्ड स्थापित हुआ।

पायल (महिला 45 किग्रा) और संजना (महिला 76 किग्रा) ने जूनियर और युवा वर्ग में पांच-पांच पदक जीते। पायल ने कुल 155 किग्रा (70 किग्रा स्नैच + 85 किग्रा क्लीन एंड जर्क) में कुल और स्नैच श्रेणियों में स्वर्ण पदक और युवा स्तर पर क्लीन एंड जर्क में कांस्य पदक अर्जित किया। उन्होंने महिला जूनियर 45 किग्रा कुल और क्लीन एवं जर्क में कांस्य पदक भी जीते। 17 वर्षीय संजना, जिन्होंने 230 किग्रा (90 किग्रा स्नैच + 120 किग्रा क्लीन एंड जर्क) का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ वजन उठाया, ने जूनियर स्नैच वर्ग में मामूली अंतर से चूककर पांच रजत पदक जीते। प्री-टूर्नामेंट पसंदीदा में से एक, धनुष लोगानाथन, इस साल की द्वुब्ल्स जूनियर वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय भारोत्तोलक, पुरुषों के जूनियर 55 किग्रा में चूक गए। कोयल बार (महिला युवा 55 किग्रा) और साईराज परदेशी (पुरुष युवा 81 किग्रा) ने भारत की झोली में स्वर्ण पदक डाले, जबकि नीलम देवी ने महिला जूनियर 55 किग्रा में तीन रजत पदक जीते। अंतिम दिन, मैबम मार्टिना देवी ने महिलाओं के +87 किग्रा जूनियर डिवीजन में भारत को पदक दिलाने में योगदान दिया। उनका कुल 225 किग्रा (96 किग्रा स्नैच + 129 किग्रा क्लीन एंड जर्क) उठाने से उन्हें दो सिल्वर (ओवरऑल और क्लीन एंड जर्क) और एक कांस्य (स्नैच) मिला। पिछले साल ग्रेटर नोएडा में आयोजित एशियाई युवा और जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में, भारतीय भारोत्तोलन दल ने कुल 42 पदक जीते। भारत की कुल पदक तालिका में जूनियर भारोत्तोलकों द्वारा जीते गए 15 पदक और युवा एथलीटों द्वारा जीते गए 27 पदक शामिल हैं। महिला जूनियर 45 किग्रा (कुल) में कांस्य, पायलः महिला जूनियर 45 किग्रा (क्लीन एंड जर्क) में कांस्य, शंकर लापुंगः पुरुष जूनियर 61 किग्रा (कुल) में कांस्य, संजनाः महिला जूनियर 76 किग्रा (क्लीन एंड जर्क) में रजत, संजनाः महिला में रजत जूनियर 76 किग्रा (कुल)वल्लूरी अजय बाबूः पुरुष जूनियर में रजत 81 किग्रा (स्नैच) नीलम देवीः महिला जूनियर 55 किग्रा (स्नैच) में रजत नीलम देवीः महिला जूनियर 55 किग्रा (क्लीन एंड जर्क) में रजत नीलम देवीः महिला जूनियर 55 किग्रा (कुल) में रजत माईबम मार्टिना देवीः महिला जूनियर +87 किग्रा में रजत (कुल)माइबाम मार्टिना देवीः महिला जूनियर +87 किग्रा (क्लीन एवं जर्क) में रजत,माइबाम मार्टिना देवीः महिला जूनियर +87 किग्रा (स्नैच) में कांस्य, एशियन यूथ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2024ः भारत के पदक विजेता पायलः महिला यूथ 45 किग्रा (कुल) में स्वर्ण, पायलः महिला यूथ 45 किग्रा (स्नैच) में स्वर्ण, पायलः महिला यूथ 45 किग्रा (क्लीन और) में कांस्य जर्क) ज्योशना सबरः महिला यूथ 40 किग्रा में स्वर्ण (कुल) ज्योशना सबरः महिला यूथ 40 किग्रा में स्वर्ण (स्नैच) ज्योशना सबरः महिला यूथ 40 किग्रा (क्लीन एंड जर्क) में स्वर्ण, बाबूलाल हेम्ब्रोमः पुरुष यूथ 49 किग्रा में कांस्य, प्रीतिस्मिता भोईः महिला यूथ 45 किग्रा (क्लीन एंड जर्क) में रजत, अस्मिता धोनेः महिला यूथ 49 किग्रा।

संयुक्त राष्ट्र ने साइबर अपराध पर ऐतिहासिक संधि को अपनाया

एजेंसी

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आज साइबर अपराध को रोकने और उससे निपटने के लिए एक नई संधि को अपनाया, जिसके साथ ही पांच साल की वार्ता प्रक्रिया पूरी हो गई। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने सभी देशों से संधि में शामिल होने और संबंधित हितधारकों के सहयोग से इसे लागू करने का आह्वान किया है। साइबर अपराध के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र संधि का उद्देश्य साइबर अपराध को अधिक कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से रोकना और उससे निपटना है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना और तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण सहायता प्रदान करना शामिल है, खासकर विकासशील देशों के लिए। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष फिलेमोन यांग ने कहा ÷हम एक डिजिटल दुनिया में रहते हैं, जहां सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों में समाज के विकास की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन साथ ही साइबर अपराध के संभावित खतरे को भी बढ़ाती हैं। इस सम्मेलन को अपनाने के साथ, सदस्य देशों के पास साइबर अपराध को रोकने और उससे निपटने, लोगों और उनके अधिकारों की ऑनलाइन सुरक्षा करने में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए उपकरण और साधन उपलब्ध हैं। ड्रग्स और अपराध पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) ने वार्ता के सचिवालय के रूप में कार्य किया।

शक्कर में मांग, खाद्य तेलों में तेजी, दलहन नरम, दाल- चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में उठाव रहा। खाद्य तेलों में लिवाली से भाव तेजी लिए रहे। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की खरीदी रही। दलहनों में मांग सुस्ती के साथ आवक दबाव से तुअर में नरमी दर्ज की गई। आज दाल तथा चावल में कामकाज सामान्य वत बना रहा।

किराना बाजार

सियागंज किराना बाजार में शक्कर में उठाव बताया गया। आज शक्कर में चार गाड़ी की आवक हुई। खोपरा गोला दिसावर के साथ ऊंचा होकर बिका। खोपरा बूरा तथा हल्दी में मांग सुधार लिए बताई गई।

तेल-तिलहन

खाद्य तेलों में लिवाली सुधार से सोयाबीन रिफाइंड तेजी लिए रहा। तिलहन में उठाव से सरसों में मजबूती दर्ज की गई। सोयाबीन में लिवाली बताई गई।

दाल-दलहन

संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन जिन्सों में कामकाज सुस्ती लिए बताया गया। तुअर घटकर बिकी। दाल में उठाव रहा। चावल में लिवाली से भाव स्थिरता लिए बताए गए।

गोमैकेनिक 700 करोड़ रुपये राजस्व का लक्ष्य पाने के बाद लाएगी आईपीओः सीईओ

नयी दिल्ली। यात्री वाहनों की सर्विसिंग एवं मरम्मत सेवाएं देने वाली कंपनी गोमैकेनिक को उम्मीद है कि वर्ष 2027 तक उसका शुद्ध राजस्व तीन गुना होकर 700 करोड़ रुपये पर पहुंच जाएगा। इसके बाद वह शेयर बाजार में सूचीबद्धता का रुख करेगी। गोमैकेनिक के सह-संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) हिमांशु अरोड़ा ने बातचीत में कहा कि कंपनी की वाहन सर्विसिंग बाजार में फिलहाल करीब तीन प्रतिशत हिस्सेदारी है जिसे अगले तीन वर्षों में बढ़ाकर 10 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है। गोमैकेनिक ने वित्त वर्ष 2023-24 में 210 करोड़ रुपये का राजस्व कमाया था, जबकि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसने 85 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। अरोड़ा ने कहा, ''अभी हमारी बाजार हिस्सेदारी करीब तीन प्रतिशत पर है और 2027 तक यह करीब 10 प्रतिशत हो जाएगी। हमें उम्मीद है कि 2027 तक हमारा ब्रांड लगभग 700 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित करेगा। हमारा मानना है कि गोमैकेनिक की कहानी का अगला स्वाभाविक कदम आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) होगा।''

सीमेंट उद्योग में इस साल बड़ी कंपनियों में दिखी विलय और अधिग्रहण की होड़

नयी दिल्ली। भारतीय सीमेंट उद्योग 2024 में दो बड़े कॉरपोरेट घरानों के बीच छोटी कंपनियों के अधिग्रहण को लेकर बढ़ती प्रतिद्वंद्विता और एकीकरण का गवाह रहा है। अगले साल सीमेंट उद्योग बिक्री से प्राप्ति में सुधार, ऊंचे मार्जिन और मांग में तेजी के साथ-साथ बड़ी ढांचागत परियोजनाओं पर सरकार के बढ़ते खर्च से बिक्री में लगभग आठ प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद कर रहा है। दो प्रमुख कंपनियों - आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट और अरबपति गौतम अदाणी की अगुवाई वाली अंबुजा सीमेंट्स द्वारा 4.5 अरब डॉलर में पांच करोड़ टन सालाना से ??अधिक की क्षमता का अधिग्रहण किया जा रहा है। इसके अलावा, इन कंपनियों ने मौजूदा इकाइयों का विस्तार भी किया है, क्योंकि उन्होंने अवसरों की तलाश में अपनी पूंजी तैयार रखी है। उद्योग को 2024 में कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें मध्यम क्षमता उपयोग से लेकर कम बिक्री प्राप्ति तक शामिल है। इससे कई सीमेंट विनिर्माताओं की आमदनी प्रभावित हुई।

6जी की वैश्विक दौड़ में आगे निकलने को तैयार भारत : सीओएआई

एजेंसी

नई दिल्ली। सेलुलर ऑपरेटरों के संघ सीओएआई ने आज कहा कि टेक्नोलॉजिकल लीडरशिप को गति देने के लिए उत्साहजन अवसर और सरकार के जबरदस्त प्रयास की बदौलत भारत अब इंटरनेट की छठी पीढ़ी 6जी की वैश्विक दौड़ में आगे निकलने के लिए तैयार है। सीओएआई के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. एस. पी. कोचर ने मंगलवार को भारत के दूरसंचार क्षेत्र की वृद्धि के लिए वर्ष 2024 की उपलब्धियों और रूपरेखा को रेखांकित करते हुए कहा कि भारतीय दूरसंचार उद्योग ने हाल के वर्षों में एक शानदार यात्रा करते हुए इस देश की सामाजिक आर्थिक वृद्धि के लिए एक उत्प्रेरक का काम किया है। देश में 1.2 अरब से अधिक दूरसंचार ग्राहक के कारण

अक्टूबर,2024 तक प्रति वायरलेस डेटा उपभोक्ता का औसत मासिक डेटा उपभोग 21.30 जीबी (गीगीबाइट) तक पहुंच गया है। डॉ. कोचर ने कहा कि अक्टूबर, 2024 तक 4,60,592 बीटीएस साइट्स स्थापित किए जा चुके हैं जिससे 5जी यूज़र का आधार बढ़कर 12.5 करोड़ पहुंच गया और वर्ष 2026 तक इसके 35 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्लूए) भारत में एक प्रमुख 5जी यूज़ केस के तौर पर उभरा है और लॉचिंक के एक साल के भीतर इसके कनेक्शंस की संख्या करीब 30 लाख पहुंच गई है। जीडीपी में एक बड़ा योगदान करने वाला यह क्षेत्र प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से 40 लाख से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रहा है। ग्राहक सेवा, परिचालन सहयोग, नेटवर्क के अधिकतम उपयोग और ऑटोमेशन, अनुमान योग्य रखरखाव, धोखाधड़ी की रोकथाम आदि सभी क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और जेनएआई टेक्नोलॉजीज़ को व्यापक तौर पर अपनाया जाना, दूरसंचार में डिजिटल नवप्रवर्तन की तेज़ गति को परिलक्षित करता है। केपीएमजी इंडिया के मुताबिक, भारत में टेक्नोलॉजी, मीडिया और दूरसंचार (टीएमटी) क्षेत्रों में 55 प्रतिशत संगठनों ने एआई को पूर्ण रूप से एकीकृत किया है जिसमें 37 प्रतिशत विस्तार के चरण में हैं।

सरकार ने पीली मटर के शुल्क मुक्त आयात को फरवरी, 2025 तक बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बिना शुल्क और न्यूनतम आयात मूल्य (एमआईपी) के पीली मटर का आयात दो महीने के लिए बढ़ा दिया है। फिलहाल पीली मटर के शुल्क मुक्त आयात की मौजूदा अवधि 31 दिसंबर 2024 है, जिसे बढ़ाकर फरवरी, 2025 किया गया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) की अधिसूचना में कहा गया है कि पीली मटर का आयात एमआईपी शर्तों और बंदरगाह प्रतिबंधों के बिना हो सकता है। इसके लिए तत्काल प्रभाव से ऑनलाइन आयात निगरानी प्रणाली के तहत 28 फरवरी, 2025 तक या उससे पहले जारी किया गया पंजीकरण होना चाहिए। दरअसल, भारत पीली मटर का दुनिया का सबसे बड़ा आयातक देश है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने करीब 20 लाख टन पीली मटर का आयात किया है, जो कुछ साल अनुमति मिलने के बाद से अब तक का सबसे अधिक आयात है।

ओला इलेक्ट्रिक ने खोले 3200 नये शोरूम

एजेंसी

बेंगलुरू। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी ओला इलेक्ट्रिक ने आज पूरे देश में 3200 से अधिक नये शोरूम शुरू करने की घोषणा की जिससे उसके शोरूम की संख्या बढ़कर चार हजार हो गयी है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि 3200 से अधिक नए स्टोर खोले गये हैं जो सर्विस सेंटरों के साथ जुड़े हैं, इससे भारत में सबसे बड़े ईवी नेटवर्क का विस्तार हुआ है। यह विस्तार सिर्फ मेट्रो और टियर 1 तथा 2 शहरों तक ही नहीं है, बल्कि छोटे कस्बों और तहसीलों तक हुआ है, जिससे पूरे देश में ईवी की पहुंच और भी आसान हो गई है।

उसने आज अपने नेटवर्क को 4,000 स्टोर्स तक बढ़ाने की घोषणा की जो मौजूदा नेटवर्क से चार गुना ज्यादा है। यह दुनिया में ईवी नेटवर्क के सबसे बड़े विस्तारों में से एक माना जा रहा है, इस विस्तार से यकीनन देश में ईवी तक लोगों की पहुंच आसान हो जाएगी और ईवी के क्षेत्र में बहुत बड़ा विकास होने की संभावनाएं भी काफी हद तक बढ़ जाएंगी साथ ही ईवी के प्रति भरोसा और उसे अपनाने को मजबूती भी मिलेगी। इस विस्तार के साथ ओला

इलेक्ट्रिक ने अपने सेविंग वाला स्कूटर अभियान के तहत किए गए वादे को पूरा कर दिया है।कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक भाविष अग्रवाल ने कहा हमने जो वादा किया था, उसे आज पूरा कर दिखाया है। भारत के ईवी के सफर में आज का दिन बहुत बड़ा है, क्योंकि हमने अपने नेटवर्क का विस्तार हर शहर, हर कस्बे और हर तालुका तक कर दिया है। हमारे नए स्टोर्स, जो सर्विस सेंटर्स के साथ जुड़े हैं, उन्होंने ईवी खरीदने और उसे इस्तेमाल करने के अनुभव को पूरी तरह से बदल दिया है। सेविंग वाला स्कूटर अभियान के साथ हमने नए मानक स्थापित किए हैं। जैसे-जैसे हम उन्नत हो रहे हैं, हम इन्नोवेशन की सीमाओं को नया आयाम देने और देश को इंडआईसीईएज की ओर तेजी से ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके साथ ही कंपनी ने मूवओएस 5 बीटा के लिए प्रायोरिटी रजिस्ट्रेशन शुरू किए गए है, जिसमें ग्रुप नेविगेशन, लाइव लोकेशन शेयरिंग, रोड ट्रिप मोड (ओला मैप्स द्वारा संचालित) जैसे फीचर्स शामिल हैं। कंपनी ने एस 1 पोर्टफोलियो पर लगभग 25,000 रूपये तक के ऑफरों की भी घोषणा की है।

सिनेमाघरों में बिकने वाले पॉपकॉर्न पर पांच फीसदी ही लगेगा जीएसटी

एजेंसी

नई दिल्ली। सिनेमा घरों में खुले रूप से बिकने वाले पॉपकॉर्न पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर पांच फीसदी ही लागू होगा, जैसा कि रेस्टोरेंट सेवाओं पर लागू होता है। अगर पॉपकॉर्न को फिल्म टिकट के साथ बेचा जाता है, तो इसे एक समग्र आपूर्ति के रूप में माना जाएगा। चूंकि, इस मामले में मुख्य आपूर्ति टिकट है, इसलिए उसकी लागू दर के अनुसार कर लगाया जाएगा।

इस बारे में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक में स्पष्टीकरण दिया गया था। आधिकारिक सूत्रों ने दी जानकारी में कहा कि नमक और मसालों वाले पॉपकॉर्न पर लागू वर्गीकरण और जीएसटी दर को स्पष्ट करने के लिए उत्तर प्रदेश से अनुरोध मिला था। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जैसलमेर में जीएसटी परिषद की 55वीं बैठक के बाद मीडिया को बताया था कि परिषद ने पॉपकॉर्न पर कर के संबंध में स्पष्टीकरण जारी करने पर सहमति जताई है। पॉपकॉर्न पर जीएसटी की दर में कोई वृद्धि और बदलाव नहीं

किया गया है।

उल्लेखनीय है कि जीएसटी के तहत नमक और मसालों वाले पॉपकॉर्न को नमकीन के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जिसको खुले में बेचने पर 5 फीसदी का कर लगता है। पहले से पैक और लेबल के साथ ईट स?नैक?स पर 12 फीसदी जीएसटी और कुछ वस्तुओं को छोड़कर सभी चीनी कन्फेक्शनरी पर जीएसटी 18 फीसदी लगता है। इसलिए कारमेलाइज चीनी वाले पॉपकॉर्न पर 18 फीसदी की दर से जीएसटी लगाया जाएगा।

केंद्र ने ग्रामीण विकास के लिए राजस्थान को 614 करोड़ रुपये और ओडिशा को 455 करोड़ रुपये दिए

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पंद्रहवें वित्त आयोग के तहत राजस्थान और ओडिशा में ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए धनराशि जारी कर दी है। आयोग ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए राजस्थान को 614 करोड़ रुपये और ओडिशा को 455 करोड़ रुपये का अनुदान जारी किया है। पंचायती राज मंत्रालय ने राजस्थान को वित्त वर्ष 2024-25 की असंबद्ध अनुदान की दूसरी किश्त के रूप में 560.63 करोड़ रुपये के साथ-साथ चालू वित्त वर्ष की असंबद्ध अनुदान की पहली किश्त के रोके गए 53.4123 करोड़ रुपये भी जारी कर दिए हैं। ये धनराशि राज्य की 10105 पात्र ग्राम पंचायतों, 315 पात्र ब्लॉक पंचायतों और 20 पात्र जिला पंचायतों के लिए है। मंत्रालय ने ओडिशा को ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए वित्त वर्ष 2024-25 की असंबद्ध अनुदान की दूसरी किश्त के 370.20 करोड़ रुपये जारी किये हैं। इसके साथ ही

चालू वर्ष के लिए असंबद्ध अनुदान की पहली किश्त की रोकी गई धनराशि 84.5086 करोड़ रुपये जारी की गई है। ये धनराशि राज्य की सभी पात्र 6794 ग्राम पंचायतों, 314 ब्लॉक पंचायतों और 30 जिला पंचायतों के लिए है।

भारतीय अर्थव्यवस्था चालू और अगले वित्त वर्ष में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ेगीः ईवाई रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 2024-25 और अगले वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने की संभावना है। इसकी वजह निजी उपभोग व्यय और सकल स्थिर पूंजी निर्माण में गिरावट है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर अनुमान से कहीं कम 5.4 फीसदी रही है, जो सात तिमाहियों का सबसे निचला स्तर है।

इससे पिछली तिमाही अप्रैल-जून तिमाही में वृद्धि दर 6.7 फीसदी थी। ईवाई इकोनॉमी वॉच की जारी नवीनतम रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2047-48 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत के राजकोषीय दायित्व ढांचे में सुधार के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट में उन

प्रमुख राजकोषीय और आर्थिक उपायों पर भी प्रकाश डाला गया है, जो इस वृद्धि प्रक्षेपवक्र को बनाए रख सकते हैं और बढ़ावा दे सकते हैं। ईवाई वॉच रिपोर्ट में कहा गया है कि टिकाऊ ऋण प्रबंधन, सरकारी बचत को खत्म करने तथा निवेश आधारित वृद्धि को बढ़ावा देने से भारत के विकसित अर्थव्यवस्था में बदलने का मार्ग प्रशस्त होगा। ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डी. के. श्रीवास्तव ने राजकोषीय उत्तरदायित्व तथा बजट प्रबंधन (एफआरबीएम) अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन भारत को राजकोषीय विवेक बनाए रखते हुए सतत विकास को आगे बढ़ाने में सक्षम बनाने के लिए जरूरी बताया है। अर्न्स्ट एंड यंग ग्लोबल लिमिटेड का ट्रेड नाम EY ईवाई है। ये इंग्लैंड में स्थित एक ब्रिटिशबहुराष्ट्रीय पेशेवर सेवा साझेदारी कंपनी है। ईवाई दुनिया के सबसे बड़े पेशेवर सेवा नेटवर्क में से एक है। डेलोइट, केपीएमजी और पीडब्ल्यूसी के साथ इसे बिग फोर अकाउंटिंग फर्मों में से एक माना जाता है। हालांकि, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर अब 6.6 फीसदी कर दिया है।

ईपीएफओ ने अक्टूबर महीने में 13.41 लाख सदस्य जोड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अक्टूबर महीने में शुद्ध रूप से 13.41 लाख सद?य जोड़े हैं। इस दौरान ईपीएफओ ने अपने साथ 7.50 लाख नए सद?यों को जोड़े हैं। यह रोजगार के अवसरों में वृद्धि और कर्मचारी लाभों के बारे में बढ़ती जागरूकता को दर्शाता है।

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि ईपीएफओ ने अक्टूबर 2024 में नेट 13.41 लाख सदस?यों को जोड़ा है। इस दौरान ईपीएफओ से 7.50 लाख नए सदस?य जुड़े हैं। ईपीएफओ के जारी आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में 18-25 आयु वर्ग के जोड़े गए कुल नए सदस?यों की संख?या 5.43 लाख है। आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर के दौरान 18-25 आयु वर्ग का दबदबा रहा है, जो अक्टूबर 2024 में जोड़े गए कुल नए सदस्यों का 58.49 फीसदी है।

ईपीएफओ के अक्टूबर 2024

के लिए जारी आंकड़ों से चलता है कि लगभग 12.90 लाख सदस्य ईपीएफओ से बाहर निकल गए और बाद में फिर से जुड़ गए। इस दौरान जोड़े गए नए सदस्यों में से करीब 2.09 लाख नई महिला सदस्य हैं। ये आंकड़ा अक्टूबर 2023 की तुलना में 2.12 फीसदी की साल-दर-साल वृद्धि को दर्शाता है। हालांकि, अक?टूबर महीने के दौरान शुद्ध महिला सदस्य जुड़ाव करीब 2.79 लाख रहा, जो महिला सदस्यों में वृद्धि अधिक समावेशी और विविध कार्यबल की ओर व्यापक बदलाव का संकेत है।

मंत्रालय ने कहा कि ईपीएफओ के जारी पेरोल डेटा के राज्यवार विश्लेषण से पता चलता है कि टॉप 5 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शुद्ध सदस्य वृद्धि कुल सदस्य वृद्धि का करीब 61.32 फीसदी है, जो अक?टूबर के दौरान कुल मिलाकर लगभग 8.22 लाख शुद्ध सदस?य जोड़े हैं। इन राज्यों में महाराष्ट्र ने 22.18 फीसदी शुद्ध सदस्यों को जोड़कर सबसे आगे रहा। इसके साथ ही महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली, हरियाणा, तेलंगाना और गुजरात जैसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अक्टूबर के दौरान कुल 5 फीसदी से अधिक शुद्ध सदस्यों का जोड़ने का योगदान दिया है।

भारत में महिला निदेशकों वाले स्टार्टअप की संख्या 73 हजार के पार हुई

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम हब बन गया है। देश में 73 हजार से ज?यादा स्टार्टअप है, जिनमें कम से कम एक महिला निदेशक हैं। इनको स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत मान्यता दी गई है। 100 से अधिक यूनिकॉर्न के साथ भारतीय स्टार्टअप परिदृश्य नवाचार और उद्यमिता के भविष्य को आकार दे रहा है। पिछले दशक में भारत में उद्यमशीलता की भावना में काफी बदलाव आया है। बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली-एनसीआर जैसे शहर नवाचार के केंद्र बन गए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार भारत वैश्विक स्तर पर सबसे जीवंत स्टार्टअप इकोसिस्टम में से एक के रूप में उभरा है, जिसने तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप हब के रूप में अपनी जगह बनाई है। भारत अब 73 हजार से ज?यादा स्टार्टअप का घर है, जिनमें कम से कम एक महिला निदेशक को स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत मान्यता दी गई है। यह आंकड़ा केंद्र सरकार

समर्थित 1,57,066 स्टार्टअप में से करीब आधे का प्रतिनिधित्व करता है, जो नवाचार और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। मंत्रालय ने कहा कि किफायती इंटरनेट की व्यापक उपलब्धता के साथ ही युवा और गतिशील कार्यबल ने फिनटेक, एडटेक, हेल्थ-टेक और ई-कॉमर्स सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्टार्टअप के विकास को बढ़ावा दिया है। भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम रिपोर्ट के मुताबिक भारत के स्टार्टअप ने स्थानीय और वैश्विक समस्याओं को हल करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ब्लॉकचेन और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) जैसी उभरती हुई तकनीकों का लाभ उठाया है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक इनक्यूबेटर, एक्सेलेरेटर और मजबूत मेंटरिंग नेटवर्क समर्थित नवाचार की इस संस्कृति ने एक अद्वितीय पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा दिया है, जो जमीनी चुनौतियों को अत्याधुनिक समाधानों से जोड़ता है।

ऊर्जा क्षेत्र के लिए अगले 25 साल का खाका तैयार किया हैः फडणवीस

नागपुर। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि उनकी सरकार ने राज्य के ऊर्जा क्षेत्र के लिए अगले 25 साल का खाका तैयार किया है। उन्होंने

यहां 'प्रेस से मुलाकात' कार्यक्रम में कहा कि राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं के तहत गरीब लोगों को दिए जाने वाले मकानों में सौर ऊर्जा सुविधा उपलब्ध कराने की योजना बना रही है। फडणवीस के पास ऊर्जा विभाग का प्रभार भी है। उन्होंने कहा कि अगले दो-तीन साल में बिजली की दरें कम करने की भी कोशिश की जाएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, '' ऊर्जा क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण है और हमने इसके लिए अगले 25 साल का खाका तैयार किया है।'' उन्होंने कहा, '' हमारी योजना यह भी है कि विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत गरीबों को दिए जाने वाले मकानों का बिजली का बिल न आए। इन मकानों को सौर ऊर्जा के तहत लाया जाएगा।''

2024 में सोने ने कराया जोरदार मुनाफा, 27 प्रतिशत रिटर्न से निवेशकों की बल्ले-बल्ले

एजेंसी

नई दिल्ली। सोने के निवेशकों को साल 2024 में जमकर फायदा हुआ है। इस साल सोने ने करीब 27 प्रतिशत का रिटर्न दिया है, जिससे निवेशकों को काफी फायदा हुआ है। माना जा रहा है कि जियो-पॉलिटिकल टेंशन और वैश्विक अर्थव्यवस्था के उथल-पुथल की वजह से इस साल निवेशकों ने सोने को सेफ इन्वेस्टमेंट मानते हुए जमकर पैसे लगाए। इसके साथ चीन समेत कई देशों के केंद्रीय बैंकों ने भी अपने गोल्ड रिजर्व को मजबूत करने की इरादे से जमकर खरीदारी की। इसीलिए साल 2024 सोने की जबरदस्त तेजी का गवाह बन गया। हालांकि अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की सरपट चाल पर मामूली ब्रेक भी लगा। अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बाद होने वाले संभावित नीतिगत परिवर्तनों की आशंका ने डॉलर इंडेक्स को मजबूत किया है, जिसकी वजह से सोने की मांग में कुछ कमी भी आई है। इसके बावजूद बुलियन की डिमांड में तीसरी तिमाही के दौरान आई तेजी की वजह से इंटरनेशनल मार्केट में सोने की कीमत में एक बार फिर तेजी आने की उम्मीद बन गई है। मौजूदा वर्ष की तीसरी तिमाही के दौरान पहली बार सोने की डिमांड 100 अरब डॉलर के स्तर को पार कर गई है। जानकारों का कहना है कि इस साल सोने की कीमत में आई जोरदार तेजी के लिए मुख्य रूप से इजरायल और ईरान के बीच बने जंग जैसे हालात, रूस और यूक्रेन यूक्रेन में जारी जंग और सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल असद की विद्रोहियों से हुई हार को जिम्मेदार माना जा सकता है। इन तीनों वजहों से सेफ इन्वेस्टमेंट के रूप में सोने की मांग में तेजी आई। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के अनुसार साल 2024 में कई देशों के केंद्रीय बैंक लगातार सोने की खरीदारी करते रहे। साल 2025 में भी केंद्रीय बैंकों की ओर से सोने की खरीदारी जारी रहने की उम्मीद जताई जा रही है। इस तरह अगले साल भी सोने के सबसे बड़े लिवाल अलग-अलग देशों के बैंक ही रहने वाले हैं। इसके अलावा ज्वेलरी मार्केट में भी इस साल तेजी बने रहने की उम्मीद है। इसलिए ज्वेलरी हाउसेस की ओर से भी फिजिकल गोल्ड की खरीदारी में तेजी होगी। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि सोना साल 2025 में भी सरपट चाल में भागता रहेगा। इस बीच यदि जियो-पॉलिटिकल टेंशन में बढ़ोतरी हुई, तो इन्वेस्टर भी बड़ी तादाद में गोल्ड में इन्वेस्टमेंट करेंगे, जिसकी वजह से सोने के भाव में और तेजी आ सकती है। कैपेक्स गोल्ड एंड इन्वेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का कहना है कि अमेरिकन फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती किए जाने की वजह से निवेशकों के लिए सोना आकर्षण का केंद्र बन गया है। इसके साथ ही महंगाई के खतरे को देखते हुए भी कई बड़े निवेशकों ने सोने में पैसा लगाने का फैसला किया है, जिसकी वजह से इस धातु की कीमत में लगातार तेजी आई है। आने वाले दिनों में भी सोने में तेजी का अनुमान लगाया जा रहा है। खासकर, जेपी मॉर्गन, गोल्डमैन सैक्स और सिटी ने साल 2025 में सोने की कीमत बढ़ कर 3,000 से 3,100 डॉलर प्रति ऑन्स तक पहुंच जाने की उम्मीद जताई है।

इमरान खान के दूतों की आज अदियाला जेल में मुलाकात संभव

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के दूतों के आज अदियाला जेल (रावलपिंडी सेंट्रल जेल) में अपने नेता इमरान खान से मिलने की उम्मीद है। पीटीआई संस्थापक और मुल्क के अपदस्थ प्रधानमंत्री खान इस जेल में लंबे समय से बंद हैं। सरकार ने उनके दूतों से गतिरोध खत्म करने पर लंबी चर्चा की है। डॉन समाचार पत्र के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मांग है कि टकराव खत्म करने के लिए सबसे पहले पीटीआई के लोगों और समर्थकों की रिहाई के साथ न्यायिक आयोग के गठन की घोषणा की जाए। उन्होंने कहा कि दोनों प्रमुख मांगों को अगर मान लिया जाता है तो वह अपना सविनय सविज्ञा आंदोलन वापस ले लेंगे। खान के निर्देश पर उनके दूतों ने पिछले दिनों संघीय सरकार के प्रतिनिधियों से कई मुद्दों पर वार्ता की है।

ओएससीई से हटने पर विचार नहीं -रूस

मॉस्को। रूस यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन (ओएससीई) से हटने के विकल्प पर विचार नहीं करता है। ओएससीई में रूसी स्थायी प्रतिनिधि अलेक्जेंडर लुकाशेविच ने यह जानकारी दी। जब श्री लुकाशेविच से पूछा गया कि क्या मॉस्को संगठन में संकट को देखते हुए ऐसे परिदृश्य पर विचार करता है तो उन्होंने कहा, मैंने इसके बारे में नहीं सुना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रक्रिया के लिए कोई प्रक्रिया नहीं है।श्री लुकाशेविच ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय कानूनी अर्थ में, एक संगठन के पास एक घटक दस्तावेज़-एक चार्टर होना चाहिए। ओएससीई के पास ऐसा कोई दस्तावेज़ नहीं है और निकट भविष्य में इसे प्राप्त करने की उम्मीद नहीं है।

चीनी सैनिक पनामा नहर के क्षेत्र में अवैध रूप से कर रहे है काम -ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चीनी सैनिक पनामा नहर के क्षेत्र में अवैध रूप से काम करते हैं, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वाशिंगटन मरम्मत के लिए अरबों डॉलर लगाए। श्री ट्रम्प ने रात 'ट्रुथ सोशल' पर कहा, चीन के अद्भुत सैनिकों सहित सभी को मेरी क्रिसमस, जो प्यार से, लेकिन अवैध रूप से, पनामा नहर (जहां हमने 110 साल पहले इसकी इमारत में 38,000 लोगों को खो दिया था) का संचालन कर रहे हैं, हमेशा यह सुनिश्चित करते हुए कि अमेरिका अरबों का निवेश करता है मरम्मत के पैसे में डॉलर हैं, लेकिन 'किसी भी चीज' के बारे में कहने के लिए कुछ भी नहीं होगा। श्री ट्रम्प ने रविवार को कहा कि वह पनामा नहर को अमेरिकी स्वामित्व में वापस करने की मांग करेंगे, जब तक कि पनामा के अधिकारी इसकी 'हास्यास्पद' उच्च फीस को विनियमित नहीं करते। श्री ट्रंप ने कहा कि पनामा नहर को अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका के कारण संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय संपत्ति माना जाता है। हालाँकि, उन्होंने पनामा द्वारा वसूले जाने वाले उच्च शुल्क को हास्यास्पद बताया और कहा कि यह धोखाधड़ी बंद होनी चाहिए।

गाजा पट्टी में फ़िलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद आंदोलन के सदस्यों पर हमला

यरूशलम। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि उसने गाजा पट्टी में नुसीरात शरणार्थी शिविर के पास फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद आंदोलन के सदस्यों के एक वाहन पर हमला किया है। इससे पहले, अल जजीरा ने बताया था कि फिलिस्तीनी समाचार नेटवर्क कुद्स के पत्रकारों की वैन पर इजरायली बलों ने हमला कर दिया था, जिसमें पांच पत्रकार मारे गए। यह घटना तब हुई, जब सभी पत्रकार अपने काम के सिलसिले में नुसीरात शरणार्थी शिविर में आये थे। आईडीएफ ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा, आईडीएफ की खुफिया जानकारी के निर्देश पर रात भर इजरायली वायु सेना (आईएएएफ) ने नुसीरात के इलाके में इस्लामिक जिहाद आतंकवादी सेल के एक वाहन पर सटीक हमला किया।

ट्रम्प ने फ्लोरिडा के पूर्व अधिकारी कैबरेरा को पनामा में राजदूत के रूप में नामित किया

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि उन्होंने पनामा में अमेरिकी राजदूत के पद के लिए पूर्व काउंटी आयुक्त केविन कैबरेरा को नामित किया है। श्री ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर कहा, मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि केविन मैरिनो कैबरेरा पनामा गणराज्य में अमेरिका के राजदूत के रूप में काम करेंगे, एक ऐसा देश जो हमें पनामा नहर से अलग करके अपने सपनों से कहीं दूर ले जा रहा है। श्री ट्रंप ने बताया कि श्री कैबरेरा ने मियामी-डेड काउंटी कमिश्नर, इंटरनेशनल ट्रेड कंसोर्टियम के उपाध्यक्ष के रूप में काम किया है और फ्लोरिडा राज्य निदेशक की भूमिका में उनकी 2020 चुनावी टीम में भी काम किया है। उन्होंने कहा, केविन के समान लैटिन अमेरिकी राजनीति को बहुत कम लोग समझते हैं - वह पनामा में हमारे राष्ट्र के हितों का प्रतिनिधित्व करते हुए शानदार काम करेंगे। बाद में श्री कैबरेरा ने कहा कि वह नामांकन से विनम्र और सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने एक्स पर कहा, चलो काम पर लग जाए।

भारत और चीन के बीच हुई सहमति पर नेपाल में हो रहा विरोध

एजेंसी

काठमांडू। भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बीच हाल ही में हुई सहमति के एक बिंदु को लेकर नेपाल में विरोध किया जा रहा है। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की बीजिंग यात्रा के दौरान यह सहमति हुई थी। पांच वर्षों के बाद भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बीच बीजिंग में हुई बैठक के बाद दोनों पक्षों के तरफ से जारी संयुक्त वक्तव्य के एक बिंदु को लेकर नेपाल में विरोध किया जा रहा है। अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच हुई मुलाकात के बाद कुछ मुद्दों पर सहमति हुई थी, जिसको दोनों देशों के विदेश मंत्रालय के तरफ से सार्वजनिक किया गया था। इस संयुक्त वक्तव्य में रहे 6 नंबर में मानसरोवर यात्रा को फिर से बहाल करने की बात कही गई है। कोविड के समय से ही चीन ने भारतीय नागरिकों को कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर रोक लगा दिया था। इस यात्रा को फिर से शुरू करने और भारतीय नागरिकों को अनुमति देने पर सहमति

हुई है। इसी सहमति पर नेपाल में विरोध हो रहा है। दरअसल नेपाल की मीडिया का दावा है कि भारत और चीन के बीच हुए इस सहमति में नेपाल के द्वारा दावा किए गए लिपुलेक भूमि होते हुए जाने पर सहमति हुई है। नेपाली मीडिया का कहना है कि नेपाली भूमि प्रयोग करने को लेकर नेपाल से ना तो चीन के तरफ से न ही नेपाल के तरफ से कोई चर्चा की गई। अब नेपाली मीडिया नेपाल सरकार से मांग कर रही है कि इस मुद्दे पर भारत और चीन दोनों को डिप्लोमेटिक नोट भेज कर विरोध दर्ज करे। हिमाल खबर के संपादक कनक मणि दीक्षित ने इस खबर को लिखते हुए कहा है कि एक बार फिर भारत और चीन ने नेपाल के साथ दगाबाजी करते हुए बिना नेपाल की अनुमति के ही उसकी भूमि प्रयोग करने पर आपसी सहमति कर ली है।

रातोपाटी डॉट कॉम में यह खबर दिया गया है कि नेपाल द्वारा नक्शा पास कर दावा किए गए भूमि लिपुलेक के प्रयोग को लेकर भारत और चीन के बीच हुई सहमति से यह साबित हो गया है कि चीन भी भारत के साथ है। चीन पर नेपाल को भारत के विरुद्ध प्रयोग करने और अपनी जरूरत पूरा होने पर भारत के साथ मिलकर नेपाल को बाईपास करना पुरानी आदत है।

सत्तारूढ़ दल नेकपा एमाले निकट रहे नेपाल प्रेस डॉट कॉम के संपादक मातृका पौडेल ने लिखा है कि नेपाल अपने तरफ से जिस भूमि को अपना कहते हुए नक्शा प्रकाशित किया उस पर चीन ने भी नेपाल का साथ नहीं दिया। यह नेपाल के जख्म पर चीन द्वारा नमक छिड़कने जैसा है।

जापान एयरलाइंस पर साइबर हमला, उड़ानों में देरी, टिकटों की बिक्री रोकी गई

एजेंसी

टोक्यो। जापान एयरलाइंस पर बड़ा साइबर हमला हुआ है। इसका असर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पड़ सकता है। जापान एयरलाइंस ने साइबर हमले की पुष्टि की है।

द जापान टाइम्स के अनुसार, जापान एयरलाइंस ने कहा कि सुबह उसके सिस्टम पर साइबर हमला किया गया। सुबह 8:56 बजे इसका पता चला। तकनीकी टीम ने समाधान कर लिया है। साइबर हमले की सूचना के बाद प्रस्थान करने वाली घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए टिकटों की बिक्री अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई। एयरलाइन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, इससे हुई असुविधा के लिए हम माफी मांगते हैं। जापान प्रसारण निगम के अनुसार, हानेडा हवाई अड्डे पर लगभग एक दर्जन प्रस्थान उड़ानों में 50 मिनट तक की देरी हुई है। किसी भी उड़ान को रद्द नहीं किया गया है। अन्य घरेलू एयरलाइंस एएनए, स्काई मार्क, सोलासीड एयर, एयर-डो और स्टारफ्लायर का कामकाज पूर्ववत संचालित हो रहा है।

बुशरा बीबी को अदालत से राहत, सात मामलों में 13 जनवरी तक के लिए अंतरिम जमानत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक और अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को आज यहां एक स्थानीय अदालत ने बड़ी राहत प्रदान की। अदालत ने उन्हें 26 नवंबर के विरोध प्रदर्शन के संबंधित मामलों में अंतरिम जमानत दे दी। एआरवाई न्यूज चैनल की खबर में यह जानकारी दी गई। एआरवाई के अनुसार, बुशरा बीबी अपने खिलाफ तारनोल पुलिस स्टेशन में दर्ज चार और रमना पुलिस स्टेशन में दर्ज तीन मामलों में अंतरिम जमानत के लिए अपने वकीलों के साथ जिला एवं सत्र न्यायालय में पेश हुईं। न्यायालय ने प्रत्यके मामले में 50 हजार रुपये के जमानती मुचलके पर उनकी जमानत मंजूर की। ड्यूटी जज शबीर भट्टी ने अंतरिम जमानत याचिकाओं पर सुनवाई की। उन्होंने बुशरा बीबी को 13 जनवरी तक के लिए अंतरिम जमानत दी। उल्लेखनीय है कि इससे

पहले 21 दिसंबर को रावलपिंडी की एक आतंकवाद-रोधी अदालत ने उन्हें 32 मामलों में 13 जनवरी तक के लिए अंतरिम जमानत दी थी। यह मामले नौ मई की हिंसा से जुड़े हुए हैं।

बांग्लादेश सचिवालय की बिल्डिंग नंबर-7 में आग बुझाने के दौरान हादसा, अग्निशमन कर्मचारी की मौत

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका में आज तड़के बांग्लादेश सचिवालय की बिल्डिंग नंबर-7 में आग बुझाने के दौरान हुए हादसे में एक अग्निशमन कर्मचारी की जान चली गई है। इस बिल्डिंग में रात करीब 1:52 बजे आग लग गई थी।

आग बुझाने में करीब लगभग छह घंटे का वक्त लगा। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र ने अग्निशमन सेवा के अधिकारियों के हवाले से खबर दी कि अग्निशमन कर्मियों ने सुबह 8:05 बजे आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। सूचना मिलते ही अग्निशमन सेवा कर्मी दो मिनट के भीतर घटनास्थल पर पहुंचे।

अधिकारियों के अनुसार, जान गंवाने वाले अग्निशमन कर्मी का नाम मोहम्मद सोहनूर जमान नोयोन है। रंगपुर के मीठापुकुर उपजिला के रहने वाले नोयोन तेजगांव स्टेशन में पदस्थ थे।अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा महानिदेशक ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद जाहेद कमाल ने कहा कि मोहम्मद सोहनूर पानी के पंप की लाइनों को जोड़ने के लिए सड़क पार कर रहे थे। तभी उन्हें ट्रक ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल नोयोन को ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

कमाल के अनुसार, बिल्डिंग की पांचवीं, छठी, सातवीं और आठवीं मंजिल को काफी नुकसान हुआ है। कर्मचारी अब हर कमरे में प्रवेश कर रहे हैं, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि आग के सभी अवशेष बुझ गए हैं। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

कजाकिस्तान विमान दुर्घटना में 38 लोगों की मौत, 29 घायल

एजेंसी

अक्तौ (कजाकिस्तान)। कजाकिस्तान के अक्तौ शहर में अजरबैजान एयरलाइंस का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है, जिसमें 38 लोगों की मौत हुई है। जबकि 29 लोग घायल हुए हैं। 62 यात्री और पांच चालक दल के सदस्यों के साथ यह विमान बाकू से ग्रोजी (रूस) जा रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान से पक्षियों के झुंड के टकराने (बर्ड स्ट्राइक) के कारण पायलट को आपातकालीन लैंडिंग का फैसला लेना पड़ा था, इसी कोशिश के दौरान हादसा हुआ।

कजाकिस्तान के आपातकालीन मंत्रालय के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया कि अक्तौ शहर से उड़ान भड़ने वाला एम्ब्रेयर 190 विमान 62 यात्री और 5 चालक दल के सदस्यों को लेकर रूस के चेचन्या में ग्रोजी जा रहा था। हालांकि ग्रोजी में कोहरे के कारण उसके रूट में बदलाव किया गया।

बताया गया कि विमान के कंट्रोल सिस्टम और बेक-अप सिस्टम के फेल होने के बाद पायलट

ने आपातकालीन लैंडिंग का फैसला किया। विमान से एक पक्षियों का झुंड टकराया, जिसके बाद पायलट ने अक्तौ हवाई अड्डे पर विमान की आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश की। इस कोशिश के दौरान ही दुर्घटना हुई, जिसमें 38 लोगों की जान गई। 29 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मंत्रालय की ओर बताया गया कि विमान में अधिकतर अज़रबैजानी नागरिक थे, लेकिन रूस, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान के भी कुछ यात्री थे। सरकार ने दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। कजाकिस्तान की आपातकालीन सेवाओं द्वारा राहत और बचाव कार्य चलाए जा रहे हैं। रोसावियात्सिया अजाल, अतरबैजान और कजाकिस्तान के विमानन अधिकारी संपर्क में हैं।

दक्षिण कोरिया आधिकारिक तौर पर बना अति-वृद्ध समाज

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया आधिकारिक तौर पर 'अति-वृद्ध समाज' वाला देश बन गया है, जिसकी 20 फीसदी से अधिक आबादी अब 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की है। योनहाप समाचार एजेंसी ने देश के आंतरिक मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि 65 वर्ष से अधिक उम्र के दक्षिण कोरियाई लोगों की संख्या वर्तमान में एक करोड़ 24 हजार है अथवा देश की कुल जनसंख्या 5 करोड़10 लाख 22 हजार का 20 प्रतिशत है।

मंत्रालय के अनुसार सोमवार तक 65 वर्ष या उससे अधिक उम्र के दक्षिण कोरियाई लोगों की संख्या 1 करोड़ 24 हजार थी, जो देश की कुल आबादी 5 करोड़10 लाख 22 हजार का 20 प्रतिशत है। दक्षिण कोरिया में 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों का आयु समूह धीरे-धीरे पिछले कुछ वर्षों में 2008 में 10 प्रतिशत या 40 लाख 94 हजार से बढ़कर 2019

में 15 फीसदी से अधिक और फिर 2024 की शुरुआत में 19.05 फीसदी हो गया।संयुक्त राष्ट्र के अनुसार वे देश जहां 7 प्रतिशत से अधिक लोग 65 वर्ष से अधिक उम्र के हैं, 'बूढ़ा समाज' हैं। इस आयु वर्ग के 14 प्रतिशत से अधिक लोगों को 'वृद्ध समाज' माना जाता है। अंत में जिन देशों की 20 प्रतिशत से अधिक आबादी 65 वर्ष से अधिक उम्र की है, उन्हें 'अति-वृद्ध समाज' के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

करजई ने की पाकटिका में पाकिस्तान हवाई हमले की निंदा

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने पाकटिका प्रांत के बरमल जिले में नागरिक इलाकों पर पाकिस्तान के घातक हमले की कड़ी निंदा की है और इसे स्पष्ट आक्रमण करार दिया है।

श्री करजई ने एक्स पर एक पोस्ट में पाकिस्तानी हवाई हमलों को अफगानिस्तान की संप्रभुता का स्पष्ट उल्लंघन और सरासर आक्रमण बताया। उन्होंने अफगानिस्ता और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के लिए क्षेत्र में चरमपंथ को बढ़ावा देने और अफगानिस्तान की स्थिरता को लगातार कमजोर करने की पाकिस्तान की त्रुटिपूर्ण नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। गौरतलब है कि मंगलवार रात को पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों ने अफगानिस्तान के पूर्वी पाकटिका प्रांत में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान

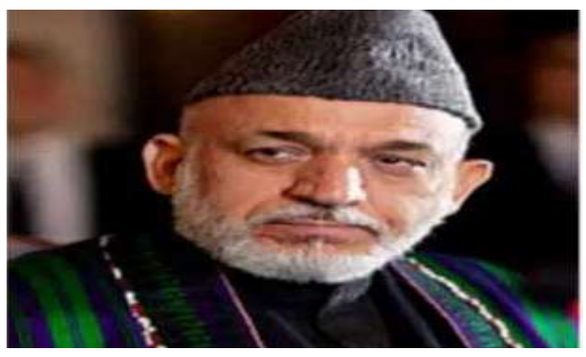

पाकिस्तान (टीटीपी) के शिविरों पर हवाई हमले किए, जिसमें महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 46 लोग मारे गए, जबकि कई अन्य घायल हो गए। अफगानिस्तान ने हवाई हमलों के खिलाफ विरोध दर्ज कराया है।

इस बीच, अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार देर रात पाकटिका के गांवों पर बमबारी की पुष्टि की और हमलों की कड़ी निंदा की। मंत्रालय ने पाकिस्तान पर वजीरिस्तानी शरणार्थियों के गांवों को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

पक्तिका के स्थानीय सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को हुए घातक हवाई हमलों में बरमल जिले के कई गांव तबाह हो गए। पाकिस्तान के हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है, जिनमें से ज़्यादातर पीड़ित महिलाएँ और बच्चे बताए गए हैं। शुरुआती रिपोर्टों में 15 लोगों के मारे जाने की बात कही गई थी। खामा की रिपोर्ट के अनुसार, अफ़गानिस्तान में अमेरिका के पूर्व राजदूत ज़लमई खलीलज़ाद ने भी हमलों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि तालिबान इस आक्रामकता का जवाब दे सकता है।

सीरिया के विद्रोही गुट अहमद अल-शरा का नेतृत्व स्वीकार करने को तैयार

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया में अब सभी सैन्य विद्रोही गुट आपसी मतभेद भुलाकर आक्रामक नेता अहमद अल-शरा के नेतृत्व में काम करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद के रूस भाग जाने के बाद अस्तित्व में आई कार्यवाहक सरकार की भी यही कोशिश है। उसने 25-26 दिसंबर को सरकारी संस्थानों में कामकाज निलंबित करने का फैसला किया है। सीरियन अरब न्यूज एजेंसी (साना) की खबर के अनुसार, अहमद अल-शरा ने रविवार से मुलाकात का सिलसिला शुरू किया है। वह नए सैन्य संस्थान (रक्षा मंत्रालय) के स्वरूप पर चर्चा कर रहे हैं। अमेरिकी समाचार पत्र द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में भी कहा गया है कि सीरिया के नए नेता विद्रोही गुटों को एक मंच पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। एक नए समझौते

के तहत कई विद्रोही गुटों ने रक्षा मंत्रालय में शामिल होने पर सहमति दी है।साना की रिपोर्ट में जारी तस्वीर में अहमद अल-शरा को दर्जनों विद्रोही गुट के नेताओं के साथ मुलाकात करते हुए दिखाया गया है। हयात तहरीर अल-शाम के नेता अहमद अल शरा ने इस संबंध में तुर्किये के विदेशमंत्री हाकन फिदान से भी चर्चा की है। उल्लेखनीय है कि हयात तहरीर अल-शाम ने असद शासन को उखाड़ फेंकने में प्रमुख भूमिका निभाई है।

कुर्स्क पर यूक्रेन के हमले में चार लोगों की मौत

एजेंसी

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध की लपटों से कुर्स्क झुलस रहा है। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि रूस के दक्षिण-पश्चिमी कुर्स्क क्षेत्र के एलजीओवी शहर पर यूक्रेनी हमले में कम से कम चार लोग मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। द मॉस्को टाइम्स समाचार पत्र के अनुसार, कुर्स्क क्षेत्र के कार्यवाहक गवर्नर अलेक्जेंडर खिनशेटिन ने टेलीग्राम पर लिखा, %%प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार यूक्रेनी सशस्त्र बलों की एलजीओवी में की गई बर्बर गोलाबारी में तीन लोगों की जान चली गई। एक व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।खिनशेटिन ने कहा कि पांच लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें एक महिला की हालत गंभीर है।

उधर, रूस की जांच समिति ने आरोप लगाया कि यह हमला अमेरिकी रॉकेटों से किया गया। इस हमले में एक अपार्टमेंट ब्लॉक की छत उड़ गई। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन के साथ रूस की सीमा से लगभग 70 किलोमीटर (44 मील) पूर्व में स्थित एलजीओवी को अगस्त की शुरुआत में कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी बलों द्वारा अचानक घुसपैठ शुरू करने के बाद से नियमित गोलाबारी का सामना करना पड़ रहा है। यह शहर कुर्स्क परमाणु ऊर्जा संयंत्र के ठीक पश्चिम में स्थित है। हुए इस हमले के बारे में रूस के रक्षा मंत्रालय या क्रेमलिन ने कोई टिप्पणी नहीं की है।

कजाकिस्तान में यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त, कई लोगों की मौत

एजेंसी

अस्ताना। कजाकिस्तान में लगभग 70 लोगों को लेकर जा रहे एक यात्री विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से कई लोगों की मौत हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अजरबैजान के अधिकारियों ने बताया है कि कम से कम 30 लोग जीवित बचे हैं। एनबीसी न्यूज के मुताबिक, विमान अजरबैजान की राजधानी बाकू से रूस के चेचन्या क्षेत्र के ग्रोज्नी जा रहा था, लेकिन कोहरे के कारण इसे ग्रोज्नी से लगभग 100 मील पूर्व में रूसी शहर माखचकाला की ओर मोड़ दिया गया। कजाकिस्तान के आपातकालीन मंत्रालय ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि अजरबैजान एयरलाइंस का विमान, जो दक्षिण-पश्चिमी कजाकिस्तान के शहर अक्तौ के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ, उसमें 62 यात्री और चालक दल के पांच सदस्य सवार थे। कजाकिस्तान अक्तौ के पास आपातकालीन लैंडिंग करने का

प्रयास करने के दौरान उड़ान संख्या जे 2-8243 में आग लग गई। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटराडार24 के आंकड़ों के अनुसार, विमान ने भारतीय मानक समयानुसार सुबह 9.25 बजे बाकू से उड़ान भरी और लगभग 11.58 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। रूसी मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से पहले पक्षियों के झुंड से टकराया था, लेकिन अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। संबंधित देशों के अधिकारियों ने विमान में सवार लोगों और जीवित बचे लोगों के लिए अलग-अलग संख्या बताई है। एयरलाइन ने एम्ब्रेयर 190 में सवार यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की कुल संख्या 67 बताई है, जबकि अन्य रिपोर्टों में कुल संख्या 72 बताई गई है। जीवित बचे लोगों की संख्या 28 से 32 बताई गई है। विमान में सवार ज्यादातर लोग अज़रबैजानी नागरिक थे, लेकिन रूस, कजाकिस्तान और किर्गिस्तान के भी कुछ यात्री सवार थे। अज़रबैजान एयरलाइंस ने कहा कि घटना की जांच पूरी होने तक बाकू और रूसी शहरों ग्रोज़नी और माखचकाला के बीच उड़ानें रद्द रहेंगी। अपुष्ट वीडियो फुटेज में जीवित बचे लोगों को मलबे से रेंगते और बाहर निकलते हुए दिखाया गया है, जिनमें से कुछ के शरीर पर चोटें भी दिखाई दे रही हैं। अज़रबैजान और कज़ाकिस्तान दोनों ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

मुख्य सचिव ने गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

जम्मू 26 दिसंबर। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने शीर्ष नागरिक प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की, जिसमें आगामी गणतंत्र दिवस, 2025 को केंद्र शासित प्रदेश में मनाने की तैयारियों का जायजा लिया गया।

मुख्य सचिव ने इस अवसर पर संबंधित संभागीय प्रशासन को इस राष्ट्रीय समारोह में लोगों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए कहा। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में विशेष रूप से जम्मू और श्रीनगर के दोनों शहरों में उत्सव का माहौल बनाने के लिए कहा।

डुल्लू ने इस अवसर पर प्रशासन को सभी ऐतिहासिक स्थलों और प्रमुख सरकारी भवनों को रोशन करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्कूली बच्चों के लिए उचित परिवहन और बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

मुख्य सचिव ने सड़कों पर यातायात के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के अलावा वाहनों की पार्किंग के लिए पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस महत्वपूर्ण समारोह के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान दिया।

इस बैठक के दौरान उन्होंने कार्यक्रम के दौरान प्रस्तुत किए जाने वाले सांस्कृतिक खंडों के बारे में गहनता से जानकारी ली। उन्होंने स्कूली बच्चों और केंद्र शासित प्रदेश के विशेष रूप से सक्षम छात्रों को अवसर देने के लिए कहा।

उन्होंने संस्कृति विभाग को जम्मू-कश्मीर की सांस्कृतिक विविधता, पीडीडी को पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, पुलिस को नशीली दवाओं के दुरुपयोग, स्वास्थ्य को टीबी मुक्त जम्मू-कश्मीर और वाईएस एंड एस को फिट इंडिया मूवमेंट पर झांकी बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इसके अलावा सूचना विभाग को दूरदर्शन और ऑल इंडिया रेडियो की क्षेत्रीय इकाइयों से मुख्य समारोहों का सीधा प्रसारण सुनिश्चित करने के अलावा मीडियाकर्मियों को उनके पेशेवर कार्यों को पूरा करने में सुविधा प्रदान करने के लिए कहा गया।

इस बैठक के दौरान जिन अन्य एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा की गई उनमें निर्बाध बिजली और पानी की आपूर्ति, आयोजन स्थलों की स्वच्छता के अलावा जम्मू और श्रीनगर दोनों स्थानों पर आयोजन स्थलों को तैयार करने के लिए आरएंडबी विभाग द्वारा किए गए अन्य सिविल कार्यों को पूरा करना शामिल है।

उपमुख्यमंत्री ने सद्दा में जन संपर्क शिविर लगाया

खवास 26 दिसंबर। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने ब्लॉक खवास के सद्दा क्षेत्र में जन संपर्क शिविर लगाया, जहां उन्होंने स्थानीय निवासियों से बातचीत की और उनकी शिकायतों और मांगों को सुना। लोगों ने सोनी गाला से गडयोग और डांगियोट से बांडीगला तक सड़कों के निर्माण के साथ-साथ हाई स्कूल सद्दा को हायर सेकेंडरी स्कूल में अपग्रेड करने सहित कई मुद्दे उठाए।

उपमुख्यमंत्री ने लोगों को उनकी समस्याओं का समय पर निवारण का आश्वासन दिया तथा दूरदराज के क्षेत्रों के विकास को सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

इस दौरे के दौरान, सुरिंदर चौधरी ने माननीय विधायक जावेद चौधरी की उपस्थिति में सद्दा नाले पर मंगरोट में 45 मीटर लंबे मोटरेबल पुल के निर्माण की आधारशिला रखी। पीडब्ल्यूडी द्वारा निष्पादित की जाने वाली इस परियोजना पर 520 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है।

सुरिंदर चौधरी ने लोगों को भरोसा दिलाया कि पुल परियोजना समय पर पूरी हो जाएगी और अधिकारियों को निर्माण के दौरान उच्च गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। लोगों ने इस महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना की शुरुआत के लिए आभार व्यक्त किया, जिससे क्षेत्र में कनेक्टिविटी में काफी सुधार होगा।

उपमुख्यमंत्री ने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास संबंधी अंतराल को दूर करने और बुनियादी ढांचे में सुधार करने पर सरकार के फोकस की पुष्टि की।

इस कार्यक्रम में विधायक कोटरंका जावेद चौधरी, डीडीसी सदस्य ढांगरी रामेश्वर सिंह, डीडीसी मौगला शमीम अख्तर, एडीसी कालाकोट मोहम्मद तनवीर, एसई पीडब्ल्यूडी देवी दयाल, ईएक्सईएन पीडब्ल्यूडी कालाकोट आफताब और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

उमर अब्दुल्ला सरकार सभी क्षेत्रों का समान विकास सुनिश्चित करेगी: जावेद राणा

पुंछ 26 दिसंबर। जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने जम्मू-कश्मीर के कुछ क्षेत्रों की विकास संबंधी समस्याओं के निवारण हेतु मिशन मोड में काम करने की आवश्यकता पर बल दिया।

यह बात उन्होंने मेंढर में जनता दरबार को सम्बोधित करते हुए कही, जिसके दौरान सैकड़ों प्रतिनिधिमंडलों और व्यक्तियों ने मंत्री से मुलाकात की और उन्हें अपनी समस्याओं और शिकायतों से अवगत करवाया।

जावेद राणा ने कहा कि सभी क्षेत्रों का समान विकास उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार की प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा, ''इसके लिए हमें समयबद्ध मिशन मोड में काम करने और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की जरूरत है।''

जनता दरबार की अध्यक्षता करते हुए राणा ने क्षेत्र के लोगों को सर्व समावेशी विकास और सुशासन का आष्वासन दिया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य इस विचार पर आधारित है कि समाज को बदलने में सभी की भूमिका होनी चाहिए और सभी को साथ लेकर चलने से बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे तैयार रहें और आम लोगों की समस्याओं को सुलझाने तथा उनके जीवन को आसान बनाने के लिए उपलब्ध रहें। जावेद राणा ने लोगों की शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुना और लोगों को आष्वासन दिया कि उनकी सभी समस्याओं और शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने प्रतिनिधिमंडलों द्वारा उठाए गए मुद्दों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश भी दिए।

वन विभाग प्रत्येक जिले में 3 जलाऊ लकड़ी डिपो स्थापित करेगा

जम्मू 26 दिसंबर। जम्मू और कश्मीर के वन विभाग ने प्रत्येक जिले में तीन जलाऊ लकड़ी डिपो स्थापित करने का निर्णय लिया है, जिसमें जनता और संस्थाओं की अपेक्षित मांगों को पूरा करने हेतु पर्याप्त मात्रा में जलाऊ लकड़ी होगी।

यह निर्णय वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री जावेद अहमद राणा द्वारा हाल ही में पारित निर्देशों के मद्देनजर लिया गया है, जिसमें आम जनता के लाभ के लिए जम्मू और कश्मीर के सभी क्षेत्रों में जलाऊ लकड़ी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है।

डिपो के स्थान और जलाऊ लकड़ी की उपलब्धता के मानदंड मुख्य वन संरक्षक, जम्मू और मुख्य वन संरक्षक, कश्मीर द्वारा आवश्यकतानुसार तय किए जाएंगे।

डॉ. मनमोहन सिंह - भारत के विनम्र और दूरदर्शी प्रधानमंत्री

अत्यंत दुख का समाचार है कि डॉ. मनमोहन सिंह जी, भारत के 13वें प्रधानमंत्री, हमारे बीच नहीं रहे। 26 दिसंबर, 2024 को इनका स्वर्गवास हो गया। ईश्वर उनकी पवित्र आत्मा को सद्गति प्रदान करें और अपने चरणों में स्थान दें. वह अपनी नम्रता, कर्मठता और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। वे एक अर्थशास्त्री भी ह्लद्धह्ल। डॉ. मनमोहन सिंह ने 2004 के आम चुनाव के बाद 22 मई 2004 को प्रधानमंत्री के रूप के शपथ ली और 22 मई 2009 को दूसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बने। मनमोहन सिंह की पत्नी का नाम श्रीमती गुरशरण कौर है। मनमोहन सिंह और गुरशरण कौर की 3 बेटियां हैं।

डॉ मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितम्बर 1932 को अविभाजित भारत के पंजाब प्रान्त के एक गाँव में हुआ था। इनके माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था7 इन्होने अपनी माता का बचपन में ही खो दिया था माता की मृतु के बाद इनका लालन पालन इनकी दादी ने किया था जो एक गरीब परिवार से थी7भारत देश के विभाजन के

बाद मनमोहन सिंह का परिवार भारत चला आया। यहाँ पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की डिग्री हासिल की। तत्पश्चात् उन्होंने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। उनकी पुस्तक इंडियाज़ एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ भारत की अन्तर्मुखी व्यापार नीति की पहली और सटीक आलोचना मानी जाती है।

डॉ. मनमोहन सिंह ने पंजाब विश्वविद्यालय और दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स में शिक्षक के रूप में कार्य किया जो उनकी अकादमिक श्रेष्ठता दिखाता है। इसी बीच में कुछ वर्षों के लिए उन्होंने यूएनसीटीएडी सचिवालय के लिए भी कार्य किया। इसी के आधार पर उन्हें 1987 और 1990 में जिनेवा में दक्षिण आयोग के महासचिव के रूप में नियुक्ति किया गया। डॉ सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे। साल 1971 में मनमोहन सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये थे। साल 1972 में वित् त मंत्रालय में मुख य आर्थिक सलाहकार के रूप में उनकी नियुक्ति हुई। नमोहन सिंह 16 सितम्बर 1982 से 14 जनवरी 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर पद पर भी कार्यरत रहे। 1985 में राजीव गांधी के शासन काल में मनमोहन सिंह को भारतीय योजना आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था इसके अतिरिक्त उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और एशियाई विकास बैंक के लिये भी काफी महत्वपूर्ण काम किया। साल 2002 में मनमोहन सिंह को सर्वश्रेष्ठ सांसद के सम्मान से सम्मानित किया गया था। मनमोहन सिंह ने 22 मई 2004 को देश के पहले सिख प्रधानमंत्री के रूप के शपथ ली। जिसके बाद वे भारत के पहले ऐसे व्यक्ति बन गए जिन्होंमे भारत सरकार के लिए गवर्नर और प्रधानमंत्री के पद पर कार्य किया। लोकसभा चुनाव 2009 में मिली जीत के बाद मनमोहन सिंह जवाहरलाल नेहरू के बाद भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री बने, जिनको 5 सालों का कार्यकाल सफलता पूर्वक पूरा करने के बाद लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला। इसके अतिरिक्त उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और एशियाई विकास बैंक के लिये भी काफी महत्वपूर्ण काम किया।

डॉ. मनमोहन को मार्च 1983 में, पंजाब यूनिवर्सिटी ने उन्हें डॉक्टर ऑफ लेटर्स से सम्मानित किया गया 1997 में, अल्बर्टा विश्वविद्यालय ने उन्हें मानद डॉक्टर ऑफ लॉ की डिग्री से सम्मानित किया। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने उन्हें जुलाई 2005 में डॉक्टर ऑफ सिविल लॉ की मानद उपाधि से सम्मानित किया, और अक्टूबर 2006 में, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय ने भी उसी सम्मान के साथ पालन किया। डॉ. मनमोहन सिंह छात्रवृत्ति के बाद सेंट जॉन्स कॉलेज ने उन्हें पीएचडी छात्रवृत्ति का नाम देकर सम्मानित किया। 2008 में, उन्हें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया और बाद में उसी वर्ष उन्हें मद्रास विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। 2010 में, उन्हें राजा सऊद विश्वविद्यालय द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया था 2013 में, उन्हें मास्को स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल रिलेशंस द्वारा डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया था। 2017 में शांति, निरस्त्रीकरण और विकास के लिए इंदिरा गांधी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

सेब के बगीचे में ट्रेनिंग और प्रूनिंग

प्रूनिंग के प्रभाव

पेड़ की वृद्धि और उत्पादकता पर प्रूनिंग का बहुत प्रभाव पड़ता है। उत्पादक को छंटाई के प्रभाव और प्राप्त होने वाले परिणामों से पूरी तरह परिचित होना चाहिए। छंटाई के पूरे निहितार्थ को समझे बिना सेब उत्पादकों के लिए विभिन्न सिद्धांतों को समझना मुश्किल होगा।

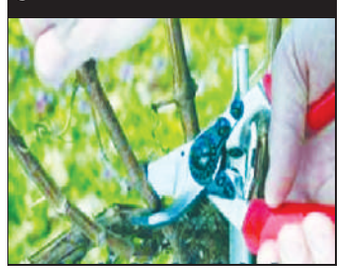

सेब की खेती से जम्मू और कश्मीर उपप्रदेश के पहाड़ी लोगों की अर्थव्यवस्था में जबरदस्त बदलाव आया है। लेकिन साथ ही खेती की लागत बढ़ने से यह काफी महंगा होता जा रहा है। विशेष रूप से श्रमिकों की मजदूरी में वृद्धि कीटनाशकों कवकनाशी और उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के कारण।

पहाड़ी इलाकों के कारण बागों में सभी कार्यों को मैन्युअल रूप से करना पड़ता है। इसके अलावा हमें चीन ऑस्ट्रेलिया न्यूजीलैंड और यूएसए जैसे अन्य देशों से भी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। जहां सभी ऑपरेशन यंत्रवत् किए जाते हैं और खेती की लागत बहुत कम होती है। इन देशों में केवल कटाई और छंटाई मैन्युअल रूप से की जाती हैद्ध

जम्मू उपप्रदेश में सेब का रकबा कई गुना बढ़ा है और उत्पादन भी बढ़ा है और सही आकार रंग स्वाद और अच्छी रख रखाव गुणवत्ता वाले फलों की मांग है। उत्पादक को छोटे क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में गुणवत्ता वाले फलों का उत्पादन करना पड़ता है। परिवारों के बंटवारे के कारण खेत का आकार भी छोटा होता जा रहा है। प्रूनिंग और ट्रेनींग उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सेब की खेती में भी बदलाव आ रहा है। पुरानी किस्मों की जगह नई किस्में ले रही हैं। जम्मू उपप्रदेश में हम कश्मीर उपप्रदेश की तुलना में कठिन परिस्थितियों में सेब उगा रहे हैं। कश्मीर उपप्रदेश में सेब को अनुकूल जलवायु परिस्थितियों में उगाया जा रहा है। कश्मीर सेब-उपप्रदेश के रूप में भी जाना जाता है जहां गर्मियों में बारिश नहीं होती है और क्षेत्र ज्यादातर ओले और तूफान से मुक्त होते हैं और स्वादिष्ट किस्मों में रंग विकास उत्कृष्ट होता है। इसलिए छंटाई की एक बड़ी भूमिका होती है।

जम्मू उपप्रदेश में पेड़ अभी भी अज्ञात मूल के अंकुर रूटस्टॉक पर लगाए जा रहे हैं। जो उपज और गुणवत्ता में काफी भिन्नता देता है। हर पेड़ अलग है। कोई व्यवस्थित छंटाई और प्रशिक्षण का पालन नहीं किया जाता है।

प्रारंभिक वर्षों में बहुत भारी छंटाई पेड़ को लंबे समय तक वानस्पतिक अवस्था में रखती है। जब तक यह फलन में आता है तब तक इसका आधा जीवन पूरा हो जाता है। किसान को बहुत लंबी वानस्पतिक अवधि का इंतजार करना पडता है। कुछ हद तक उचित छंटाई और प्रशिक्षण, किशोर अवस्था को कम कर सकता है।

बौने और अर्धबौने रूट स्टॉक्स , नए शुरुआती फलने वाले स्पर और मानक किस्मों का, सेब में जल्दी फलने देने में बहुत बड़ी भूमिका है।

प्रूनिंग यानि छंटाई का अर्थ है पेड़ के हिस्सों को हटाना ताकि इसकी प्राकृतिक वृद्धि को इस तरह से प्रभावित किया जा सके कि यह जितना संभव हो उतना फल देगा अधिक नियमित रूप से फल देगा और बेहतर गुणवत्ता के फल पैदा करेगा।

सेब के पेड़ की प्रूनिंग या छंटाई सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी कार्यों में से एक है। उचित छंटाई फल की गुणवत्ता और मात्रा में काफी सुधार कर सकती है। जहां सही छंटाई पुराने पेड़ों के आर्थिक असर को कम कर सकती है तथा युवा पेड़ों में फसल में देरी कर सकती है।

प्रूनिंग के निम्नलिखित प्रभाव हो सकते हैं।

1. छंटाई और पेड़ का आकार एक बिना काटे पेड़ काटे गए पेड़ की तुलना में तेजी से बढ़ता है। छंटाई जितनी अधिक गंभीर होती है पेड़ उतना ही छोटा रहता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बड़ी मात्रा में लकड़ी हटा दी जाती है जो अन्यथा पेड़ पर रह जाती।

नई वृद्धि निश्चित रूप से उस लकड़ी से कम है जिसे हटा दिया गया है। एक पेड़ जो कभी नहीं काटा जाता है वह उस पेड़ से बड़ा होगा जिसे वार्षिक छंटाई मिलती है।

2. प्रूनिंग ताक़त को बढ़ावा देती है। प्रूनिंग जोरदार विकास को प्रेरित करती है क्योंकि जो शाखाएं काट दी जाती हैं। वे बहुत तेजी से बढ़ती हैं। यदि एक प्ररोह को भारी रूप से काटा जाता है तो यह कट के बिंदु से जोरदार वृद्धि को प्रेरित करता है और यह फूलों की कलियों के गठन को कम करता है।

दूसरी ओर यदि प्ररोह को नहीं काटा जाता है तो यह फूलों की कलियों के निर्माण को प्रेरित करेगा और जो बदले में वनस्पति विकास को रोकेगा। युवा पौधों में भारी छंटाई फलने में देरी करती है और स्पर गठन के विकास में मदद करती है और पेड़ की शक्ति को बढ़ाती है।

3. छंटाई और फलों की गुणवत्ता बिना काटे या हल्के ढंग से काटे गए पेड़ छोटे आकार की बड़ी फसल और खराब गुणवत्ता वाले फल पैदा करेंगे। कोई छंटाई नहीं करने से बड़ी संख्या में स्पर्स बनते हैं जिसके परिणामस्वरूप खराब गुणवत्ता वाले फल होते हैं।

प्रूनिंग फल की कीमत पर स्पर गठन के रूप में विकास को प्रोत्साहित करता है। प्रूनिंग स्वस्थ स्पर फ्रैमेशन को प्रोत्साहित करती है। जो बेहतर गुणवत्ता वाले फल पैदा करता है। इसके अलावा बहुत पुराने पतले स्पर्स भी हटा दिए जाते हैं। हर साल नए स्पर बनते हैं।

प्रूनिंग तकनीक भी अधिक फसल को कम करती है क्योंकि बड़ी संख्या में स्पर्स हटा दिए जाते हैं। फलों की गुणवत्ता में सुधार के लिए शेष फलों की कलियाँ अब उपलब्ध पोषक तत्वों का उपयोग करती हैं। इसके अलावा , कम पर्णसमूह और उचित स्पर्स व्यवस्था के कारण, शेष फलों और पत्तियों को अधिक धूप उपलब्ध होती है । जिससे फलों के रंग और गुणवत्ता में सुधार होता है।

4. प्रूनिंग से फलों का उत्पादन बढ़ता है । प्रूनिंग से पेड़ पर स्पर्स की संख्या कम हो जाती है और शेष स्पर्स अच्छे फल सेट और विकास के लिए अधिक पोषण ऊर्जा प्राप्त करते हैं। हर भारी फसल पेड़ के विकास की शुरुआत में पेड़ को खत्म कर देती है और अगले साल के लिए स्पर बनने और उत्पादन के लिए बहुत कम ऊर्जा और पोषण बचा रहता है। जहां प्रूनिंग के परिणामस्वरूप नियमित फसल होती है। क्योंकि स्पर्स लगातार नवीनीकृत होते रहते हैं और पुराने स्पर को हटा दिया जाता है।

प्रूनिंग तकनीक

फल के पेड़ आंतरिक और बाहरी पर्यावरणीय कारण से प्रभावित है। बुनियादी तकनीकों को जानना महत्वपूर्ण है। जिनका फल पौधों की वृद्धि और उत्पादकता पर बहुत प्रभाव पड़ता है। कुछ तकनीकों का वर्णन नीचे किया गया है।

1. नॉचिंग

युवा पौधों में इस तकनीक का बहुत उपयोग होता है। जब हम पौधों को रोपण है तो हम चाहते हैं कि उसकी सममित या व्यवस्थित शाखाएँ उगे । लेकिन शाखाएँ वहाँ नहीं लगती जहां हम चाहते हैं । इन परिस्थितियों में हम इस तकनीक का उपयोग करते हैं। छाल में सैप वाहिकाओं और एक निष्क्रिय कली के ऊपर फ्लोएम को काटने से बाधित होता है। यह प्ररोह की नोक से विकास मंद करने वाले हार्मोन के नीचे की ओर गति को रोकता है और कट के नीचे सुप्त कली बढ़ने लगती है। बढ़ते मौसम की शुरुआत से कुछ समय पहले नॉटिंग की जानी चाहिए। लगभग 5 से 10 मिमी लंबा और 5 मिमी गहरे कली के ऊपर की छाल पर लगभग वेज के रूप में दो कट बनाकर नॉचिंग की जाती है। दो कटों के बीच की छाल और लकड़ी सहित पच्चर को हटा दिया जाता है। नॉच की लंबाई उस शाखा के वृद्धि के साथ बदलती है जिस पर शाखा नॉच किया जाता है। इसे कली के ऊपर की पूरी सतह को ढंकना चाहिए।

नॉटिंग के बाद एक मजबूत शूट तैयार किया जाता है। शूट में संकीर्ण कोण हो सकता है। इसलिए स्प्रेडर को बांधकर या प्रयोग करके कोण को मोड़ा जा सकता है।

2. निकिंग

निकिंग नॉचिंग के विपरीत है। इसी तरह की कटौती छाल में कली के नीचे की जाती है। आमतौर पर तब किया जाता है जब हम शूट की ताकत को कम करना चाहते हैं या पेड़ पर अधिक स्पर गठन को प्रेरित करते हैं।

निकिंग शाखा में कार्बोहाइड्रेट के संचय को निर्देशित करेगा। जो अधिक गति पैदा करेगा और विकास को कम करेगा।इसलिए अगर आप शूट या ब्रांच की ताक़त बढ़ाना चाहते हैं तो आपको नॉचिंग के लिए जाना चाहिए। लेकिन अगर आप ताकत कम करना चाहते हैं तो हमें निकिंग करनी होगी। बागवानों के लिए दो एक महत्वपूर्ण उपकरण हैं क्योंकि वे शूटिंग में वांछित शक्ति को निर्देशित करते हैं। कली हटाना यह आमतौर पर युवा पौधों में किया जाता है कभी -कभी कली एक दूसरे के बहुत करीब हो सकती है और एक तरफ दो कलियां हो सकती हैं। हेडिंग बैक के बाद दूसरी कली आमतौर पर पहली कली के साथ प्रतिस्पर्धा करती है और संकीर्ण कोण भी बनाती है जिसे रोपण के समय हटा दिया जाना चाहिए। यह हाथ से कली के नीचे चाकू से काटकर किया जा सकता है वसंत में बड ब्रेक के तुरंत बाद युवा पौधों में अवांछित कलियों को हटाकर डिस्बडिंग किया जाता है। यह पौधों पर शेष कलियों को जोरदार रूप से विकसित करने की अनुमति देता है।

छंटाई और ट्रेनींग का मुख्य उद्देश्य हैं

1. नए लगाए गए बागों में मुख्य उद्देश्य जल्द से जल्द एक जोरदार पेड़ की रूपरेखा विकसित करना और जल्द से जल्द एक अच्छी फसल प्राप्त करना है।
2. पेड़ के आकार ऊंचाई और शाखा फैलाव को नियंत्रित करना भीड़ को कम करना वांछित आकार देने और बाग संचालन को सुविधाजनक बनाने के लिए।
3. फलदायीता बनाए रखने और फलों की गुणवत्ता के लिए के प्रकाश में सुधार करना।
4. फसल के चरण के दौरान वनस्पति विकास और नियमित फलने के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए और पेड़ के उन हिस्सों में वनस्पति विकास को प्रोत्साहित करने के लिए जो कम शक्ति में हैं।
5. फल आंतरिक और बाहरी गुणवत्ता ;जैसे आकार, रंग और स्वाद के लिए आवश्यकताओं को पूरा करना चाहिए।
6. अवांछित छाया बनाने वाली अत्यधिक अनुत्पादक लकड़ी को हटाने के लिए।
7. गिरते पुराने पेड़ों की संरचना का नवीनीकरण करना।
8. पौध संरक्षण स्प्रे की प्रभावी पैठ सुनिश्चित करके कीट और रोग नियंत्रण में सुधार करना।

Source: Krishi Sewa;

Authors:

दिशा ठाकुर, मनीष ठाकुर, किरण ठाकुर

डॉ यशवंत सिंह परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय,

क्षेत्रीय बागवानी अनुसंधान और प्रशिक्षण स्टेशन बजौरा कुल्लू (हि.प्र.)

सेब के पेड़ की छँटाई

अपने घर के गार्डन में ही सेब का पेड़ उगाने की प्रोसेस और इसके बाद आने वाले फल, दोनों को ही देखकर मन को बहुत खुशी मिल सकती है। अगर आप एक सेब का पेड़ उगा रहे हैं और उससे ज्यादा से ज्यादा फल पाना चाहते हैं, तो फिर शायद आपको पेड़ की छँटाई करने की जरूरत के बारे में भी मालूम ही होगा। पेड़ की छँटाई करने से पेड़ हेल्दी हो जाता है, उसकी ग्रोथ बढ़ जाती है और समय के साथ उसमें पहले से ज्यादा और अच्छी क्वालिटी के फल भी उगना शुरू हो जाते हैं। अपने पेड़ को नजरअंदाज करके उसे अजीब शेप में न बढ़ते रहने दें, बल्कि आप खुद ही सेब के पेड़ की छँटाई करने की कोशिश करें।

बेसिक्स को समझना

छँटाई करने की जरूरत को समझें- जैसे ही आपको ये महसूस हो जाए कि आपके सेब के पेड़ को छँटाई करने की जरूरत है, तब आपके मन में तुरंत ही उठने और जल्दी से अपने पेड़ की शाखाओं को काटने का ख्याल आ सकता है। हालांकि, अपने पेड़ को बर्बाद करने से बचने के लिए जरूरी है कि आप उसे एक सही टाइम पर ही काटें। वसंत ऋतु के पहले या दूसरे शुरुआती महीने में, शीत ऋतु के कम से कम से हफ्ते बाद छँटाई करें।

- अगर आपको जरूरत है, तो छँटाई को वसंत ऋतु के आखिर में और गर्मियों की शुरुआत में भी किया जा सकता है।
- बारिश के दौरान पेड़ की छँटाई न करें, क्योंकि उसमें शायद नई ग्रोथ होना शुरू तो हो जाएगी, लेकिन ठंड के मौसम में वो रह नहीं पाएगी और खराब हो जाएगी।

तय करें कि आपको कितनी छँटाई करने की जरूरत हैं- एक अच्छी तरह से काटा हुआ हेल्दी एप्पल ट्री एक कम शेड या कम छाँव वाला पेड़ रहेगा, जिसकी शाखाओं के बीच में काफी जगह रहेगी।

अपने पेड़ के ऊपर कोई नुकसान पहुंचने से रोकने के लिए छँटाई करने के लिए कुछ खास तरह के टूल की जरूरत पड़ती है। आप जिस भी ब्लेड से पेड़ की शाखाओं को काट रहे हैं, उसका साइज आपके द्वारा काटे जाने वाली शाखाओं के साइज के अनुपात में रहना चाहिए। छोटे हिस्सों के लिए, एक हैंड प्रूनर्स का इस्तेमाल करें।